सेंसेक्स 77,708.52 ● निफ्टी 24,238.50 ● डॉलर 96.39 ₹ ● सोना 1,39,650 ₹ ● चांदी 2,35,000 ₹

पेज 06 बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी
पेज 08 मंडल कारा में जेल अदालत...
पेज 12

पारा आपडेट
मैक्सिमम 27.00 | मिनीमम 23.00
सूर्यास्त (आज) ▸ 18.37
सूर्योदय (कल) ▸ 05.14

बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
हर खबर पर नजर

आषाढ़ शुक्ल पक्ष अष्टमी संवत 2083

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, मंगलवार 21 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 09 अंक : 21 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।
प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

मुख्यमंत्री ने वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा की, दिये निर्देश

वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करें : मुख्यमंत्री

वरीय संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड मंत्रालय में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण, विकास और वैज्ञानिक प्रबंधन को नई दिशा प्रदान किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य गठन के बाद से अब तक के सभी वन क्षेत्रों का टेक्निकल एवं डिजिटल रिकॉर्ड एक माह के भीतर तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था विकसित हो, जिससे एक क्लिक पर पूरे राज्य के वन क्षेत्रों का अवलोकन कर उनके वास्तविक स्वरूप, संरचना और वर्तमान स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सके, इसके लिए वन क्षेत्रों के डिजिटल मैप की लेयरिंग सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य निर्माण के बाद वन क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। कहीं वनों का विस्तार हुआ है तो कहीं इको-टूरिज्म परियोजनाएं और गेस्ट हाउस विकसित हुए हैं। दूसरी ओर, वनों की कटाई, खनन क्षेत्रों के विस्तार तथा वन्यजीव अभयारण्यों एवं राष्ट्रीय उद्यानों की सीमाओं में भी बदलाव देखने को मिले हैं। ऐसे में वन क्षेत्रों का अद्यतन एवं वैज्ञानिक डिजिटल दस्तावेज तैयार करना समय की आवश्यकता है।

'एक पेड़ लगाएं, पांच यूनिट मुफ्त बिजली पाएं' योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें

मुख्यमंत्री सोरेन ने पर्यावरण संरक्षण को शहरी विकास से जोड़ते हुए कहा कि शहरों को बचाने के लिए भी पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों से शहरी क्षेत्रों में वृक्षारोपण बढ़ाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साथ ही राज्य सरकार द्वारा 'पेड़ लगाओ, फ्री बिजली पाओ' योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि अधिकाधिक नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत एक पेड़ लगाने पर पांच यूनिट बिजली निः शुल्क प्रदान किये जाने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि वनों की सुरक्षा और उनका सतत विकास राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाने तथा सूखे एवं अनुपयोगी पेड़ों की वैज्ञानिक तरीके से कटाई की योजना तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक नए पौधे लगाए जा सकें और हरित आवरण में निरंतर वृद्धि हो।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि वन क्षेत्रों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से बीज गिराकर वन क्षेत्रों के विकास के लिए एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने, जंगली हाथियों के हमलों से मृत व्यक्तियों के आश्रितों तथा क्षतिग्रस्त फसल एवं घरों के मुआवजा भुगतान में तत्परता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं अतएव इस निमित्त एक बेहतर प्लान के साथ आगे बढ़ें। वन विभाग तथा पर्यटन विभाग समन्वय स्थापित कर इको टूरिज्म के विकास को गति प्रदान करें।

पौधारोपण कार्य उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो

मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि उपयोगिता आधारित और स्थानीय इको सिस्टम के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि ऐसे वृक्षों का चयन किया जाए, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पशुओं की जरूरतों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने वन एवं गैर-वन क्षेत्रों में महुआ, जामुन, करंज, पलाश, कुसुम, बैर तथा तसर उत्पादन के लिए उपयोगी अर्जुन जैसे वृक्षों का बड़े पैमाने पर रोपण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये वृक्ष न केवल जैव विविधता को समृद्ध करेंगे, बल्कि ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। महुआ, जामुन, कटहल, आवला, चिरौंजी और बैर जैसे फलदार वृक्ष स्थानीय लोगों को पोषण एवं अतिरिक्त आय देंगे, जबकि पलाश, कुसुम और अर्जुन जैसे वृक्ष लाह एवं तसर उद्योग को नई गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की बड़ी आबादी ग्रामीण एवं वन क्षेत्रों में निवास करती है, इसलिए पौधरोपण की योजना ऐसी होनी चाहिए, जिससे आम लोगों को वन उपज का प्रत्यक्ष लाभ मिले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुपयोगी वृक्ष लगाने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि ऐसे वृक्ष न तो पशुओं के लिए उपयोगी होते हैं और न ही स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाते हैं। इसलिए पौधरोपण की पूरी रणनीति स्थानीय जरूरतों और आर्थिक उपयोगिता को ध्यान में रखकर तैयार की जाए।

वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र हो निष्पादन

बैठक में मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से जुड़े वन पट्टा के लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पात्र लाभुकों को बिना अनावश्यक विलंब के वन पट्टों का वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें वन पट्टा का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वन विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं विभाग द्वारा संचालित सभी वन योजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका लाभ स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि वन संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीणों की आजीविका, पर्यटन और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूती मिल सके।

काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती पर करें फोकस

बैठक में मुख्यमंत्री ने काजू, बैम्बू सहित विभिन्न व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को बड़े भू-भागों की पहचान कर, वहां व्यापक स्तर पर काजू एवं बैम्बू के पौधे लगाने और राज्य में काजू उत्पादन की संभावनाओं को विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि किसानों के लिए आय के नए स्रोत सृजित हो सकें। उन्होंने बांस (बैम्बू) के व्यापक रोपण और उसके सुनियोजित विकास पर भी बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांस आधारित उद्योगों और बैम्बू क्राफ्ट को बढ़ावा देकर राज्य में बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जा सकते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पारंपरिक हस्तशिल्प को नया बाजार भी मिलेगा।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड कैबिनेट की बैठक आज, कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

रांची। झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के मंत्रिपरिषद् कक्ष में होगी, जिसमें विभिन्न विभागों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श कर निर्णय लिए जाने की संभावना है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। विभाग के अनुसार, बैठक में राज्यहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा होगी और विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी जा सकती है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भूस्खलन और फ्लैश बाढ़ से सात लोगों की मौत

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के बारिश से प्रभावित पुंछ ज़िले के लोरान गांव के ऊंचे इलाकों में सोमवार को ताजा भूस्खलन की चपेट में आने से एक घर में मौजूद सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की चपेट में आया घर मिट्टी का बना था। बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने बताया कि मरने वालों में चार महिलाएं भी हैं। यहां शनिवार शाम से ही पुंछ में जोरदार बारिश हो रही है। लोरान में मारे गए सात लोगों समेत अब तक कुल 15 लोगों की मौत हो चुकी है और छह लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

ईरान के पश्चिमी हिस्से में 5.5 तीव्रता का भूकंप, हिली इमारतें, दहशत फैली

तेहरान। ईरान के पश्चिमी हिस्से में आज सुबह लोगों ने भूकंप के तेज झटके महसूस किए। गगनचुंबी इमारतों से लेकर रिहायशी इलाकों में इससे दहशत फैल गई। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई। घबराए हुए लोग अपनी जान बचाने के लिए खुले मैदानों की तरफ भागने लगे। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र (ईएमएससी) ने एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की। ईएमएससी के विज्ञानियों के अनुसार इस भूकंप का केंद्र करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर रहा। इसका केंद्र करीब 7 लाख 66 हजार की आबादी वाले बड़े शहर कहरीज से 54 किलोमीटर पश्चिम में और लगभग 38 हजार की आबादी वाले जावनरूद शहर से महज 33 किलोमीटर दक्षिण में रहा। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में नुकसान का जायजा लेने के लिए टीमें रवाना की।

राष्ट्रपति ने की माया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और शिष्टमंडल स्तर की वार्ता

आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी तीन देशों की राजकीय यात्रा के पहले चरण में सोमवार को मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ में राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ द्विपक्षीय और शिष्टमंडल स्तर की वार्ता की। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य, औषधि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार, लॉजिस्टिक्स और आधारभूत ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू रविवार को चिशिनाउ पहुंचीं। उनके साथ केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया, राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा और लोकसभा सदस्य विजय बघेल भी हैं। चिशिनाउ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका स्वागत किया।

बाद में राष्ट्रपति मुर्मू मोल्दोवा के राष्ट्रपति भवन पहुंचीं, जहां मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू ने उनका औपचारिक स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच एकांत वार्ता और शिष्टमंडल स्तर की बातचीत हुई, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं पर व्यापक और भविष्य उन्मुख चर्चा की गई।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली राजकीय मोल्दोवा यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह भारत और मोल्दोवा के बीच बढ़ती मित्रता तथा आपसी विश्वास का प्रतीक है।

● भारत-मोल्दोवा के बीच कृषि, स्वास्थ्य, एआई समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति

उन्होंने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद दोनों देशों के बीच पिछले तीन दशकों से सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और शांति, विकास तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साझा मूल्यों ने इस साझेदारी को निरंतर मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने, संपर्क बढ़ाने तथा दोनों देशों के कारोबारी समुदायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मोल्दोवा के पेशेवरों के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसमें एआई और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। उन्होंने मोल्दोवा के राजनयिकों को भारत के विदेश सेवा संस्थान में एआई और साइबर कूटनीति पर विशेष पाठ्यक्रमों में भाग लेने का भी आमंत्रण दिया।

त्रिपुरा के डीजीपी अनुराग धनखड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच शुरू

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में उनके कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया। पुलिस प्रारंभिक तौर पर मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी अनुराग धनखड़ को उनके कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका हुआ पाया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल भेजा गया।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

इंडी गठबंधन के फ्लोर नेताओं की बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति पर मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सदन के भीतर सरकार को घेरने की रणनीति तय करने के लिए इंडी गठबंधन के फ्लोर नेताओं की बैठक संसद भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। बैठक संसद भवन स्थित खरगे के कक्ष में आयोजित की गई। इसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत, समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(एससीपी) की सांसद सुप्रिया सुले समेत इंडी गठबंधन के विभिन्न दलों के फ्लोर नेताओं ने हिस्सा लिया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मौजूदा सत्र के दौरान उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दों और सरकार को घेरने की रणनीति पर चर्चा की गई। विपक्षी दलों ने सदन के भीतर जनहित से जुड़े विषयों को मजबूती से उठाने और विभिन्न मुद्दों पर साझा रुख अपनाने पर विचार-विमर्श किया।

विरोध- प्रदर्शन > शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर 'संसद चलो' मार्च

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई हल्की झड़पें

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और शिक्षा सुधारों की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोमवार को राजधानी में संसद की ओर मार्च किया लेकिन पुलिस ने जगह-जगह उन्हें रोक दिया।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राजधानी में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच कई स्थानों पर हल्की झड़पें हुईं। इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने जैसी कार्रवाई की, जबकि प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार ने सीजेपी के साथ औपचारिक वार्ता भी शुरू कर दी।

● हजारों प्रदर्शनकारी हुए शामिल, सीजेपी से सरकार ने शुरू की बातचीत

सीजेपी ने अपनी मांगों के समर्थन में लोगों से जंतर-मंतर पर जमा होने और संसद तक मार्च करने की अपील की थी। सुबह से ही जंतर-मंतर की ओर विभिन्न दिशाओं से बड़ी संख्या में लोग पहुंचने लगे। हाथों में तिरंगा और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग वाले पोस्टर लिए प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से जयसिंह मार्ग होते हुए संसद मार्ग की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने संसद मार्ग पर बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया और लाउडस्पीकर के माध्यम से सूचित किया कि आगे जाने की अनुमति नहीं है। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे। इस दौरान त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) और दिल्ली पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में मीडिया के कुछ हिस्सों में प्रसारित हिंसा और हिरासत संबंधी खबरों का खंडन करते हुए कहा कि विरोध-प्रदर्शन को पेशेवर ढंग से संभाला जा रहा है और किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दिया जाए। पुलिस ने लोगों से शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

पुलिस ने किया बल प्रयोग, आंसू गैस के गोले दागे

दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों ने अन्य दिशाओं से भी संसद की ओर बढ़ना जारी रखा। कुछ प्रदर्शनकारी बैरिकेड पार कर संसद के निकट रेल भवन चौराहे तक पहुंच गये, जहां सुरक्षाबलों ने उन पर आंसू गैस के कई गोले छोड़े। कई प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाने के बावजूद उनके नहीं हटने पर हल्का बल प्रयोग कर उन्हें पीछे धकेला गया और बाद में सड़क खाली करा ली गयी। निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया। पटेल चौक पर भी प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े।

सरकार ने सीजेपी से की बातचीत की पहल

आंदोलन के बीच केंद्र सरकार ने सीजेपी से बातचीत की पहल की। पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास और नेता आशुतोष रांका ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की। श्री दास ने बताया कि दो घंटे से अधिक इंतजार के बाद करीब दस मिनट तक हुई बैठक में उन्होंने पार्टी की मांगों का लिखित ज्ञापन सौंपा। उनके अनुसार, श्री नड्डा ने भरोसा दिलाया कि सरकार इस मुद्दे पर आंतरिक स्तर पर विचार-विमर्श करेगी और बातचीत की प्रक्रिया जारी रहेगी। इससे पहले श्री दास ने कहा था कि सरकार ने सोमवार सुबह बातचीत के लिए संपर्क किया था और सीजेपी अपनी मांगों पर स्पष्ट रूप से कायम है।

महाराष्ट्र के वर्धा में समृद्धि हाइवे पर हादसे में छह लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के वर्धा जिले के सालोद में समृद्धि हाइवे पर सोमवार तडके हुए विचित्र सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार लोग और दूसरे वाहन के ड्राइवर और क्लीनर शामिल हैं। सूचना पाकर पुलगांव पुलिस और हाइवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं।

वर्धा जिले के पुलिस अधीक्षक सौरभ अग्रवाल ने पत्रकारों को बताया कि समृद्धि हाइवे पर नागपुर जाने वाले रास्ते पर एक इथेनॉल ट्रक पलटने से ट्रैफिक जाम हो गया था। इसलिए, गाड़ियों को धीरे-धीरे दूसरी लेन में निकाला जा रहा था। इसी बीच, पीछे से आ रहे मिर्च से भरे एक आयशर ट्रक ने एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे दब गई। इसी दौरान ट्रक में आग लग गई। इस आग की लपटों में झुलसकर ट्रक ड्राइवर और क्लीनर की मौत हो गई। ट्रक के नीचे दबी कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की पहचान कार सवार अंकुश राउत, राजेश टिपले, जान्हवी टिपले और सुषमा टिपले, आयशर ट्रक ड्राइवर संजय कुमार और क्लीनर समरजीत पाल के रूप में हुई है। संजय धनजीपुर, उत्तर प्रदेश और समरजीत पाल गधरियनपुर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, मंगलवार 21 जुलाई 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

रोजगार नहीं दे सकी सरकार, अब सवाल पूछने वाले छात्रों पर बरसी लाठियां : आलोक कुमार दूबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने दिल्ली में संसद मार्च के दौरान छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुए कथित लाठीचार्ज और बल प्रयोग की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को लाठियों से नहीं दबाया जा सकता। यदि देश का युवा शिक्षा, रोजगार और भविष्य को लेकर सवाल पूछ रहा है तो केंद्र सरकार का दायित्व है कि वह संवाद करे, न कि दमन का रास्ता अपनाए। उन्होंने कहा कि जिस सरकार ने युवाओं को हर वर्ष करोड़ों रोजगार देने का वादा किया था, आज वही सरकार युवाओं के सवालों से घबराकर पुलिस के सहारे लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने की कोशिश कर रही है। यह लोकतंत्र की भावना के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि देश का छात्र केवल अपने भविष्य की सुरक्षा, पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था और रोजगार की मांग कर रहा है। इन मांगों का जवाब लाठीचार्ज नहीं, बल्कि संवेदनशील संवाद और ठोस नीतिगत निर्णय होना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए, घायल छात्रों को उचित उपचार और सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले युवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम को समर्पित हुई मारुति सुजुकी ईको सेवा वाहन

रांची। पुंदाग स्थित एम.आर.एस. श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम के अंतर्गत संचालित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में निवासरत निराश्रितजनों, दीनबंधुओं एवं प्रभुजी की सेवा को और अधिक सुगम, सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। आश्रम को मनीष कुमार साहु के सौजन्य से मारुति सुजुकी ईको सेवा वाहन का लोकार्पण एवं शुभ उद्घाटन परम पूजनीय, वंदनीय संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी श्री सदानंद जी महाराज के द्वारा श्रीफल फोड़कर एवं वैदिक मंगलकामनाओं के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज ने सेवा वाहन का शुभारंभ करते हुए कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। जो व्यक्ति समाज के निराश्रित, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए अपना तन, मन और धन समर्पित करता है, वह वास्तव में प्रभु की आराधना करता है। उन्होंने कहा कि यह सेवा वाहन आश्रम के सेवा कार्यों को नई गति प्रदान करेगा तथा जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहंचाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। गुरुदेव ने इस पुनीत सेवा कार्य के लिए श्री मनीष कुमार साहु एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राखी साहु को विशेष आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सेवा भाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवाभावी दंपति दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके इस योगदान से न केवल आश्रम की सेवा व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि अनेक जरूरतमंदों को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। गुरुदेव ने दोनों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर लोकसेवा की मंगलकामना करते हुए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। ये रहे उपस्थित अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, विजय अग्रवाल,राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, निर्मल छावनिका, शिवभगवान अग्रवाल,पंकज पोद्दार,रंजीत गाड़ोदिया,नवल अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, मनीष जालान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस की डीजीपी से मांग, आरोपी भाजपाईयों की जल्द से जल्द हो गिरफ्तारी

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा जामताड़ा की घटना को लेकर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। भाजपा की हालत खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हो गई है। जब जनहित के मुद्दों पर बोलने के लिए कुछ नहीं बचा, तब झूठ, भ्रम और आरोपों की बैसाखी लेकर राजनीति की दुकान सजाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रसूता की दुखद मृत्यु अत्यंत संवेदनशील विषय है और इस पर राजनीति करना भाजपा की अवसरवादी मानसिकता को दशार्ता है। कहा कि यदि किसी अस्पताल में तोड़फोड़, सरकारी कार्य में बाधा या कानून व्यवस्था भंग करने जैसी घटनाएं हुई हैं तो उनकी जांच करना और कानून के अनुसार कार्रवाई करना पुलिस का संवैधानिक दायित्व है। आलोक दूबे ने डीजीपी से मांग किया है कि आरोपी भाजपाइयों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी होनी चाहिए,साथ ही साथ दोषियों की तरफदारी करने वाले एवं उन्हें संरक्षण देने वाले भाजपा नेताओं पर भी कार्रवाई सुनिश्चित होने चाहिए वरना आम लोगों का कानून पर से भरोसा उठ जाएगा। कानून अपना काम कर रहा है और किसी भी राजनीतिक दल के नेता को कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले अपने नेताओं के आचरण की समीक्षा करे। यदि किसी पर आरोप लगाए गए हैं तो उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए, न कि पुलिस और प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए। कानून का सम्मान करना हर नागरिक और जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। कहा कि भाजपा के नेता बिना जांच पूरी हुए सरकार और पुलिस पर अनर्गल आरोप लगाकर जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। यदि उनके पास कोई तथ्य या साक्ष्य है तो उसे संबंधित जांच एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत करें, न कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भ्रम फैलाएं।

बेटे से मिलने गये थे अमेरिका, चोरों ने कर दिया घर खाली

यूको बैंक के पूर्व कैशियर के बंद घर से ज्वेलरी व नगदी समेत 15 लाख की चोरी

तेज बारिश का फायदा उठा कर चोरों ने दिया घटना को अंजाम

वरीय संवाददाता

रांची। बीआईटी कैंपस के यूको बैंक के रिटायर्ड कैशियर अर्जून प्रसाद सिंह के पंचौली सचिवालय के के पास के बंद मकान में शनिवार की आधी रात को चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया, चोरों ने घर से सोना चांदी रुपये और कीमती साड़ियां व अन्य कपड़े सहित करीब 15 लाख की चोरी कर ली। इस संबंध में पीड़ित के द्वारा रविवार की शाम बीआईटी ओपी में शिकायत दर्ज करायी गयी है।

दो लोगों के जिम्मे दे कर बेटे के पास अमेरिका गये थे

पीड़ित अर्जून प्रसाद सिंह ने बताया कि वह वे 15 जूलाई को छोटे बेटे के पास अमेरिका के लिए घर से निकले थे, 15 जूलाई से घर में उनके दो भरोसेमंद लोग प्रियांशु सिंह और उसके साथी सुमती मुंडा रात में वहां सोते थे, 18 जूलाई की रात तेज बारिश की वजह से प्रियांशु वहां नहीं पहुंच सका वहीं सुनील मुंडा जो फ्लीप कार्ट में काम करता है वह भी अपने ऑफिस में देर तक फंसा रह गया, सुनील रात 12.37 बजे मेरे मकान में पहुंचा तब उसने मेन गेट का ताला टूटा हुआ और कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया, करीब गया तो अंदर से आ रही आवाज सुनकर वह डर गया उसके बाद उसने अपने दोस्त प्रियांशु सिंह को कॉल कर जानकरी दी,15-20 मिनट में प्रियांशु और जगेश्वर महतो भी मौके वहां पहुंच गये, तब तक चोर अंदर से घटना का अंजाम देकर वहां से भाग चुके थे।

मकान मालिक श्री सिंह ने बातया कि वह 17 की रात दिल्ली पहुंच गये थे 18 की रात घटना की जानकारी के लिए उन्हें कॉल गया था लेकिन वह सुन नहीं पाये थे, बाद में जानकारी मिलने पर वह 19 जूलाई की शाम रांची पहुंचे और बीआईटी पुलिस के पास गये, पुलिस के कहने पर चोरी गयी ज्वेलरी व नगदी सहित 15 लाख का लिस्ट पुलिस को सौंपा है जिसमें 5 लाख का पोखराज व मानिक पत्थर जड़ी दो अंगुठी और ढाई लाख कीमत का डॉलर भी शामिल है। पूछने पर उन्होंने बताया कि जिन्हे घर की देख रेख में लगाये थो वे उनके 15 साल पुराने भरोसेमंद लोग हैं ये लोग ऐसी हरकत कर ही नहीं सकते,उन्होंने बताया कि कुछ लोगों से उनकी पूर्व से अदावत भी चल रही है।

बिजली सब-स्टेशन डकैती कांड का फरार आरोपी डोरंडा से गिरफ्तार

वरीय संवाददाता

रांची। पिठोरिया थाना क्षेत्र के कोल्हेया-कनादू स्थित बिजली सब-स्टेशन डकैती कांड के फरार आरोपी दिनेश लोहार (38 वर्ष) को पिठोरिया पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे ने बताया कि यह गिरफ्तारी पिठोरिया थाना कांड संख्या 27/26 के तहत 24 मार्च 2026 को दर्ज मामले में की गई। आरोपी मूल रूप से चकला अमवा ताड़, महुवा टोली, थाना चंदवा, जिला लातेहार का रहने वाला है, और डोरंडा के खुशबू टोली में रह रहा था। गुप्त सूचना और तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ा। आरोपी पर (बीएनएस) की धारा 310 के तहत प्राथमिकी दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी से3 मामले की जांच को नई दिशा मिली है। डकैती कांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए छापेमारी जारी है।

50 करोड़ का बैंक लोन घोटाला : व्यवसायी संजय कुमार डालमिया को हाई कोर्ट से मिली बेल

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य सहकारिता बैंक के सरायकेला ब्रांच से 50 करोड़ घोटाले के आरोपी व्यवसायी संजय कुमार डालमिया को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने उन्हें जमानत दे दी है। मामले में प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा।

मालूम कि इससे पहले संजय कुमार डालमिया ने चाईबासा की एसीबी की विशेष अदालत में जमानत की गुहार लगाई थी। लेकिन अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दरअसल सरायकेला थाना में 22 अगस्त 2019 को झारखंड राज्य सहकारिता बैंक की सरायकेला शाखा में करोड़ों के घोटाले का मामला दर्ज कराया गया था। इसमें सरायकेला शाखा से व्यवसायी संजय कुमार डालमिया द्वारा

विभिन्न कंपनियों के नाम पर 50 करोड़ लोन लेकर नहीं लौटाए जाने का आरोप है। मामले में को-ऑपरेटिव बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सुनील कुमार सतपथी, सहायक मदन लाल प्रजापति, मैनेजर धीरेंद्र कुमार सवईयां, क्षेत्रीय कार्यालय चाईबासा के एजीएम, लेखापाल शंकर बंदोपाध्याय, एमडी मनोज नाथ शाहदेव, मुख्यालय एजीएम संदीप सेन, सीईओ ब्रजेश्वर नाथ और व्यवसायी संजय कुमार डालमिया को आरोपी बनाया गया था।

इस मामले की जांच में सीआईडी की टीम ने सहकारिता बैंक के तत्कालीन मैनेजर सुनील कुमार सतपति और एक अन्य आरोपी मनसा महतो के खिलाफ चार्जशीट की थी। बाद में एसीबी ने मामले में प्राथमिकी (कांड संख्या 8/ 2020) दर्ज की थी। बताया जाता है कि संजय कुमार डालमिया नाम के व्यवसायी को 8 अलग-अलग लोन में 50 करोड़ की राशि दी गई थी। बैंक से राशि निर्गत करने के पूर्व कागजात का सत्यापन कर चेकर आईडी जारी करनी होती है।

मंशा राम महतो ने 1.10 करोड़ रुपये की चेकर आईडी जारी कर पैसे जारी करवाए थे। कागजात में गड़बड़ी के बाद भी व्यवसायी को लोन जारी किया गया था। साथ ही बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सुनील कुमार सतपति ने नियम का उल्लंघन कर संजय कुमार डालमिया को लोन दिया।

कैदियों के आश्रितों को लाभ पहुंचाना ही लक्ष्यः डालसा

वरीय संवाददाता

रांची। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची द्वारा रथ मेला परिसर में लगाये गये जागरूकता शिविर में रथ मेला परिसर में आनेवाले लोगों को जागरूक किया गया एवं उन्हें माननीय नालसा एवं झालसा द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। ज्ञात हो कि माननीय न्यायमूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा श्री सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश पर एवं माननीय सदस्य सचिव झालसा, कुमारी रंजना अस्थाना एवं माननीय न्यायायुक्त, रांची श्री अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव श्री राकेश रौशन की मौजुदगी रथ मेला परिसर में डालसा टीम के द्वारा दिनांक 25.07.2026 तक जगरनाथपुर रथ मेला परिसर में विधिक जागरूकता एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जायेगा।

इस अवसर पर पीएलवी उमेश कुमार, सतीश कुमार, रामजीत महतो, आशीष बैठा, बेबी देवी, पुनम देवी, सुनीता देवी समेत अन्य

लोग उपस्थित थे।

डालसा के पीएलवी ने नालसा स्पृहा योजना 2025 पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया और कहा कि यह योजना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई एक कल्याणकारी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य कैदियों (जेल में बंद व्यक्तियों) के निर्दोष आश्रितों और अपराध के पीड़ितों को कानूनी, सामाजिक और आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

इसके तहत मुफ्त कानूनी सहायता, मानसिक-सामाजिक परामर्श (कौंसिलिंग), बच्चों की पढ़ाई निरंतर रखने के लिए मदद, और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ज्ञात हो कि रथ मेला घुमने आये लगभग 15 हजार श्रद्धालु जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के बारे में जाना और नालसा एवं झालसा द्वारा संचालित योजनाओं से रू-ब-रू हुए। अंत में डालसा टीम के द्वारा आगामी 12 सितम्बर को व्यवहार न्यायालय, रांची में होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गयी। पंकज कुमार शर्मा व स्वीकृति विनाया ने कहा कि वादकारी अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क करा सकते है। अंत में नालसा टॉल फ्री नम्बर - 15100 पर फोकस किया गया तथा पम्पलेट और लिफलेट का वितरण भी किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों को दिए सख्त निर्देश

स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेगा

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और मानसून के दौरान फैलने वाली संक्रामक एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी सिविल सर्जनों को तत्काल प्रभाव से हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य के किसी भी जिले में इलाज में लापरवाही, दवाओं की कमी, स्वास्थ्यकर्मियों की अनुपस्थिति अथवा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग का प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी जनता की सेवा के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य करे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बरसात का मौसम मौसमी एवं संक्रामक बीमारियों का सबसे

संवेदनशील समय होता है। इस दौरान मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, हैजा (कॉलेरा), डायरिया, तीव्र जठरांत्र संक्रमण, टाइफाइड, वायरल फीवर, लेप्टोस्पायरोसिस, स्क्रब टाइफस, जापानी इंसेफेलाइटिस सर्पदंश जैसी बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। इसलिए सभी जिलों को पहले से पूरी तैयारी के साथ कार्य करना होगा ताकि किसी भी मरीज को इलाज के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने निर्देश दिया कि सदर अस्पताल, अनुमंडलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तथा सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थान 247 पूरी क्षमता के साथ संचालित रहें। प्रत्येक अस्पताल में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, विशेषज्ञ चिकित्सक, स्टाफ नर्स, एएनएम, जीएनएम, लैब टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता

स्वास्थ्य मंत्री ने बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के मौसम में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे बुखार, डायरिया, निमोनिया, वायरल संक्रमण, मलेरिया तथा अन्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंचते हैं। इसलिए सभी अस्पताल प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि बाल रोग वार्ड एसएनसीयू, एनबीएसयू तथा आपातकालीन सेवाएं पूरी तरह सक्रिय रहें। बच्चों के उपचार के लिए आवश्यक सभी दवाइयां, जिंक, एंटीबायोटिक्स, एंटीपायरेटिक्स, नेबुलाइजेशन की दवाइयां, ऑक्सीजन, आवश्यक वैक्सीन एवं अन्य जीवनरक्षक दवाओं का पर्याप्त भंडारण हर समय उपलब्ध रहे। यदि किसी अस्पताल में दवाइयों, उपकरणों, डॉक्टरों या अन्य संसाधनों की कोई कमी हो तो संबंधित सिविल सर्जन बिना देर किए मुझे तत्काल अवगत कराएं।

जेपीएससी के खिलाफ सड़क पर उतरेगी भाजपा , सीता सोरेन का ऐलान

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया को लेकर जारी विवाद के बीच भाजपा नेता और पूर्व विधायक सीता सोरेन ने बड़ा राजनीतिक ऐलान किया है। उन्होंने जेपीएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए युवाओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व ट्विटर) पर जारी अपने संदेश में सीता सोरेन ने कहा कि अब झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने लिखा, जेपीएससी परीक्षा में लगातार हो रही धांधली ने हमारे छात्र-युवाओं के सपनों को कुचल दिया है। अब चुप नहीं बैठेंगे।

22 जुलाई को जेपीएसयी कार्यालय घेराव का ऐलान

भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले 22 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से जेपीएससी कार्यालय तक विरोध मार्च और कार्यालय घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आंदोलन के पोस्टर पर लिखा गया है छात्रों की हुंकार, अब नहीं सहेंगे रोजगार का व्यापार। भाजपा युवा मोर्चा ने राज्यभर के छात्रों और युवाओं से बड़ी संख्या में इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।

रांची में डूरंड कप देखना होगा आसान, 22 जुलाई से मिलेंगे फ्री टिकट

वरीय संवाददाता

रांची। एशिया के सबसे पुराने और दुनिया के तीसरे सबसे पुराने फुटबाल टूनार्मेंट 135वें इंडियन ऑयल डूरंड कप-2026 के लिए राजधानी रांची पूरी तरह तैयार है। बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 26 जुलाई से मुकाबलों का आगाज होगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह में झारखंड की समृद्ध कला और संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुति होगी, जबकि भारतीय सेना के बैंड की विशेष प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसकी जानकारी सोमवार

को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में खेल निदेशक छवि रंजन और ब्रिगेडियर मनोज झा ने दी।

22 जुलाई से शुरू होगा मुफ्त टिकट वितरण

दर्शकों के लिए 22 जुलाई से 16 अगस्त तक निशुल्क टिकटों का वितरण किया जाएगा। टिकट प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक स्टेडियम के गेट संख्या 11 और 13 के बीच बने 10 टिकट काउंटर तथा गेट संख्या 23 के पास दो काउंटर से मिलेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को अधिकतम चार टिकट दिए जाएंगे। मैच शुरू होने से तीन घंटे पहले स्टेडियम में प्रवेश शुरू कर दिया जाएगा।

28 हजार क्षमता, 26 हजार से अधिक मुफ्त टिकट

करीब 28 हजार दर्शक क्षमता वाले बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 26 हजार से अधिक दर्शकों के लिए निः शुल्क टिकट उपलब्ध कराए जाएंगे। वीआइपी, वीवीआइपी और मीडिया के लिए अलग बैठने की व्यवस्था रहेगी। दर्शकों की सुविधा के लिए स्टेडियम के बाहर पार्किंग भी पूरी तरह निशुल्क होगी।

रांची में छह लीग मैच और एक क्वार्टर फाइनल

रांची को ग्रुप-सी के छह लीग मुकाबलों की मेजबानी मिली है। इसके अलावा 16 अगस्त को एक क्वार्टर फाइनल भी यहां खेला जाएगा। रांची में जमशेदपुर एफसी, एससी दिल्ली, इंडियन एयर फोर्स एफटी और श्रीलंका सेना की टीम डिफेंडर्स एफसी के बीच मुकाबले होंगे। उद्घाटन मैच 26 जुलाई को शाम पांच बजे जमशेदपुर एफसी और डिफेंडर्स एफसी के बीच खेला जाएगा।

सुरक्षा के लिए कई वस्तुओं पर रहेगा प्रतिबंध

स्टेडियम में सुरक्षा के मद्देनजर पावर बैंक, कैमरा, बड़े बैग, बाहरी भोजन, पानी की बोतल, हेलमेट, सेल्फी स्टिक, हथियार, शराब, तंबाकू उत्पाद, पटाखे, लेजर पाइंटर, बैनर, झंडे और पालतू जानवर ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

पासवा का 50 लाख वृक्षारोपण अभियान जारी, यूके पब्लिक स्कूल में लगे 200 पौधे

वरीय संवाददाता

रांची। पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के 50 लाख वृक्षारोपण अभियान के तहत सोमवार को यूके पब्लिक स्कूल, बूटी (रांची) में लगभग 200 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। अभियान के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं पासवा पदाधिकारियों ने परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान एक छात्र और एक पौधा, हरित भविष्य की ओर एक कदम का संदेश दिया गया।

विद्यार्थी अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करेः आलोक दूबे

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है।

पूर्व रेलवे
निविदा सूचना सं.: ईएल-36-26; दिनांक 17.07.2026; ... पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 ... [illegible] ... निविदा मूल्य: रु. 1,27,10,271.25; ... रु. 2,54,200; ... 12 महीने। ... 08.08.2026 को 11.00 बजे। ... www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
(ASN-185/2026-27)
... www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा को दी श्रद्धांजलि

बोकारो। झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट, बोकारो जिला की ओर से सोमवार को सर्किट हाउस में वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा के निधन पर शोकसभा का आयोजन किया गया। सभा में मौजूद पत्रकारों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने कहा कि अरविंद शर्मा पत्रकारिता जगत के सम्मानित व सरल स्वभाव के व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में निष्पक्ष व जनसरोकार की पत्रकारिता को प्राथमिकता दी। उनका निधन पत्रकारिता जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यों व विचारों को हमेशा याद रखा जाएगा। मौके पर राममूर्ति प्रसाद, माणिक सिंह, धर्मनाथ कुमार, विश्वजीत झा, राजेश कुमार, सुरेंद्र सावंत, कौस्तुभ मलयज, चुमन कुमार, अमर पोद्दार, योगी पूर्ति, सुजीत कुमार, सत्यपति, मृत्युंजय मिश्रा, मनोज शर्मा, अजीत कुमार, नरेश कुमार, संजय कुमार समेत अन्य पत्रकार उपस्थित रहे।

बोकारो में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज का उद्घाटन, अब ओलंपिक मेडल पर लगेगा निशाना

बोकारो। शहर में राइफल शूटिंग खेल के सर्वांगीण विकास और छुपी हुई प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमकाने के उद्देश्य से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शूटिंग रेंज का सोमवार को सरस्वती विद्या मंदिर, 3सी में भव्य उद्घाटन किया गया। योजना यह है कि इस अत्याधुनिक रेंज से तैयार होकर बोकारो के खिलाड़ी वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करें। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि राइफल शूटिंग खेल में अब बोकारो से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि रामायण व महाभारत के समय से ही लक्ष्य भेदना हमारी संस्कृति से जुड़ा रहा है और श्रेष्ठता साबित करने का सशक्त माध्यम था, जिसने आज आधुनिक खेल का रूप ले लिया है। मौके पर राष्ट्रीय खिलाड़ी आलोक कुमार, पिंटू यादव, गौरीशंकर कांति, विशाल गौतम, दिनेश्वर सिंह और पवन कुशवाहा उपस्थित थे। मंच संचालन बोकारो राइफल क्लब के सचिव अनिल कुमार ने किया।

समाहरणालय में डीसी का छापा, दफ्तर से नदारद कर्मियों को शोकॉज

बोकारो। बोकारो समाहरणालय में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब उपायुक्त अजय नाथ झा सुबह 10:45 बजे अचानक निरीक्षण करने निकल पड़े। डीसी ने समाहरणालय के द्वितीय तल्ले पर स्थित सामाजिक सुरक्षा और जिला कल्याण शाखा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दफ्तरों में कुछ कर्मियों के समय पर उपस्थित न रहने पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उपायुक्त ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए स्थापना उप समाहर्ता प्रेमचंद सिन्हा को ड्यूटी से गायब मिले सभी संबंधित कर्मियों से तुरंत स्पष्टीकरण प्राप्त करने का कड़ा निर्देश जारी कर दिया है। डीसी के इस सख्त कदम से लापरवाह कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। इसके साथ ही उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को अपने अधीनस्थ कर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। इस औचक निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन और सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित कई आला अधिकारी मौके पर मुस्तैद रहे।

दिनदहाड़े मंगलसूत्र छीनकर भाग रहे उचक्के को लोगों ने खदेड़ दबोचा, गया जेल

बोकारो। शहर के पॉश इलाके कोऑपरेटिव कॉलोनी में रविवार को दिनदहाड़े छिनतई की एक सनसनीखेज वारदात हुई। हरला थाना क्षेत्र के रानी पोखर की रहने वाली सुरजी देवी से सोने का मंगलसूत्र छीनकर भाग रहे एक शातिर युवक को स्थानीय लोगों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से रंगे हाथों दबोच लिया गया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटा गया मंगलसूत्र भी सुरक्षित बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता सुरजी देवी कोऑपरेटिव कॉलोनी से गुजर रही थीं, तभी घात लगाए बैठे अपराधी ने उनके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और भागने लगा। महिला के शोर मचाते ही स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए भाग रहे बदमाश को चारों तरफ से घेरकर पकड़ लिया। सूचना मिलते ही बीएस सिटी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी अजित कुमार उर्फ राम मुस्कान (23 वर्ष, निवासी माड़ीपट्टी-दुदीबाग) को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर छीना गया मंगलसूत्र बरामद कर लिया है। इस संबंध में पीड़िता के आवेदन पर बीएस सिटी थाने में कांड दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। स्थानीय लोगों के साहस और पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

पत्नी को जहर देकर मारने का आरोपी पति गिरफ्तार

बोकारो। अपनी ही पत्नी को जहर पिलाकर मौत के घाट उतारने के संगीन आरोप में फरार चल रहे पति मनोज कुमार महतो (41) को जरीडीह थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी विपिन चंद्र महतो ने बताया कि मामला अत्यंत गंभीर प्रकृति का है। इस संबंध में मृतका के परिजनों की शिकायत पर जरीडीह थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही बांधडीह मांझी टोला निवासी आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही थी, जिसके बाद सोमवार को आरोपी को दबोच लिया गया।

डायरिया जागरूकता सह एनीमिया शिविर में 94 लोगों की जांच

बोकारो। डीवीसी अस्पताल एवं सीएसआर के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को नावाडीह प्रखंड के उपरघाट स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बरई में डायरिया जागरूकता सह एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को डायरिया से बचाना और एनीमिया की पहचान कर समय पर उपचार करना था। शिविर में कुल 94 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई, जिसमें से 51 लाभार्थी एनीमिया से पीड़ित पाए गए।डीवीसी अस्पताल के डॉ. प्रकाश नायक ने मरीजों की जांच कर उनके बीच आवश्यक दवाइयों का वितरण किया।

दफ्तरों में जनता को परेशान करने वाले सरकारी बाबुओं की अब खैर नहीं, संभल जाएं : विजय गुप्ता

बोकारो में प्रमंडलीय आयुक्त ने की राजस्व, डीएमएफटी व एसआईआर सहित कई योजनाओं की समीक्षा

अवैध खनन और राजस्व चोरी पर दिखाई सख्ती, दिए दिशा-निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। सोमवार को समाहरणालय सभागार में उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने जिले के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बेहद अहम और हाई-वोल्टेज समीक्षा बैठक की। इस बैठक में राजस्व संग्रह, डीएमएफटी योजनाओं और विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान को लेकर विभागीय कार्यों की सघन जांच की गई। आयुक्त ने दो टूक लहजे में साफ कर दिया है कि जनता को दफ्तरों में परेशान करने वाले और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को अब बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक का सबसे बड़ा और आक्रामक फोकस सरकारी खजाना भरने और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने पर रहा। प्रमंडलीय आयुक्त ने खनन विभाग को स्पष्ट निर्देश दिया कि बालू उठाव के मामले में एनजीटी के कड़े नियमों का हर हाल में पालन होना चाहिए और सभी अंचलाधिकारी इसकी नियमित जांच करें।

इसके साथ ही, जिले की सड़कों पर बेखौफ दौड़ रहे दूसरे राज्यों के वाहनों पर भी अब प्रशासन की टेढ़ी नजर है। परिवहन विभाग को एक महीने से अधिक समय से जिले में डेरा डाले बाहरी वाहनों को चिन्हित कर उनका स्थानीय निबंधन सुनिश्चित करने और राजस्व वसूलने का कड़ा टास्क सौंपा गया है। वहीं, जिला अवर निबंधक को खुली चेतावनी दी गई है कि किसी भी सूरत में जिले के भीतर गैर-मजरुआ भूमि की अवैध रजिस्ट्री नहीं होनी चाहिए। आम जनता को ब्लॉक और दफ्तरों के चक्कर लगाने से भारी राहत दिलाने के लिए भी आयुक्त ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी दाखिल-खारिज और परिशोधन पोर्टल पर लंबित पड़े मामलों का तुरंत निपटारा करें और बेवजह सीधे-सादे आवेदनों को न लटकाएं। प्रशासन की साख और पारदर्शिता को मजबूत करने के लिए आरटीआई के तहत मांगे गए जवाबों को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से देने का सख्त आदेश दिया गया है। काम में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को हिदायत दी गई है कि वे हर हाल में मुख्यालय में मौजूद रहें, नियमित रूप से अपनी बायोमेट्रिक हाजिरी बनाएं और आम लोगों के फोन कॉल का सम्मानजनक तरीके से तुरंत जवाब दें। जिले में चल रहे विकास कार्यों को गति देने के लिए डीएमएफटी योजनाओं की भी सिलसिलेवार समीक्षा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले में 31 नई महत्वाकांक्षी योजनाएं स्वीकृत हुई हैं, जिनमें से आठ पूरी हो चुकी हैं और 19 पर काम तेजी से जारी है।

अंग्रेजों के जमाने के ऐतिहासिक कुंडोरी दुर्गा मंदिर की बदलेगी सूरत

जीर्णोद्धार का काम जोरों पर, भव्य रूप देने में जुटे ग्रामीण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। उत्तर विस्थापित क्षेत्र के कुंडोरी गांव में स्थित ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर और हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार का काम एक बार फिर पूरे जोर-शोर से शुरू हो गया है। आस्था के इस बड़े केंद्र को बेहद भव्य रूप दिया जा रहा है, जिसमें गांव के लोग तन-मन-धन से अपना सहयोग दे रहे हैं। मंदिर को खूबसूरत बनाने के लिए मार्बल, टाइल्स, पुट्टी, सीमेंट और आधुनिक सामग्रियों का बेहतरीन इस्तेमाल किया जा रहा है। गांव के राजू रंजन, हरिप्रसाद पुरी, महेंद्र महतो, सोमर महतो, जानकी महतो, कंचन मंडल, संजय और प्रवीण कुमार ने बताया कि हर वर्ष मंदिर को नया रूप देने का काम किया जाता है। इस बार विशेष योजना के तहत मंदिर के अंदर-बाहर की दीवारों और बाउंड्री वॉल में आकर्षक टाइल्स लगाई जा रही हैं। इसके साथ ही मुख्य द्वार पर स्टील का भव्य मेनगेट लगाया जाएगा और छत के ऊपर बनी सभी देवी-देवताओं की मूर्तियों का नए सिरे से रंग-रोगन होगा। ग्रामीणों का मानना है कि आने वाले दुर्गा पूजा में मंदिर और मूर्तियों की अनोखी आभा देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचेंगे। गौरतलब है कि इस मंदिर का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। इसका निर्माण तत्कालीन बुजुर्गों ने ब्रिटिश शासन काल में करवाया था। तब से लेकर आज तक यह मंदिर पूरे क्षेत्र की आस्था का मुख्य केंद्र बना हुआ है, जिसे अब ग्रामीण अपनी सामूहिक भागीदारी से एक आधुनिक और भव्य स्वरूप देने में जुटे हैं।

एसआईआर के लिए चौबीसों घंटे काम करने वाले कॉल सेंटर का शुभारंभ

डीसी ने खुद पहली कॉल उठाकर दूर की मतदाता की शंका, सुस्त बीएलओ को सख्त अल्टीमेटम

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिले में लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने समाहरणालय में विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान के तहत मतदाताओं की त्वरित सहायता के लिए एक अत्याधुनिक चौबीसों घंटे सातों दिन वाले हेल्पलाइन कॉल सेंटर का रिबन काटकर भव्य शुभारंभ किया।

इस हेल्पलाइन की शुरूआत होते ही एक बेहद दिलचस्प और प्रेरक वाकया देखने को मिला, जब कॉल सेंटर में आई पहली घंटी का उत्तर स्वयं डीसी अजय नाथ झा ने दिया। उन्होंने 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र के चास निवासी मतदाता श्री तापेश कुमार से सीधे बात कर गणना प्रपत्र और मैपिंग से जुड़ी उनकी शंकाओं का तुरंत समाधान किया। इस दौरान डीसी ने सभी जिलेवासियों से इस हेल्पलाइन का अधिकतम लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि मतदाताओं की सुविधा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस भव्य अवसर पर उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार और सहायक समाहर्ता डॉ० अरविंद राधाकृष्णन सहित निर्वाचन शाखा के कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। एसआईआर-2026 अभियान के तहत बोकारो जिले में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

इसी कड़ी में 36-बोकारो विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 79, 80 व 81 तथा 35-बेरमो विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 210 व 217 पर मतदाताओं से संबंधित गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य शत-प्रतिशत सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है।

केवीके के साथ मिलकर कृषि क्रांति लाने की पहल

जरीडीह कृषक पाठशाला बनेगी झारखंड का मॉडल केंद्र

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। जिले के किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। सोमवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने संयुक्त बिरसा ग्राम विकास योजना के अंतर्गत जरीडीह कृषक पाठशाला का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्यों और उपलब्ध सुविधाओं की गहन समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि इस पाठशाला को किसानों के लिए एक अत्याधुनिक प्रशिक्षण और प्रदर्शन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषक पाठशाला ग्रामीण अंचल के किसानों को आधुनिक व वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी, जहां कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और मृदा संरक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण देकर किसानों की उत्पादकता और आय दोगुनी की जाएगी। प्रशासन की इस दूरगामी योजना के तहत जरीडीह कृषक पाठशाला को अब केवल एक सरकारी भवन नहीं, बल्कि किसानों के लिए एक जीवंत 'किसान चौपाल' के रूप में तब्दील किया जाएगा।

यहां समय-समय पर किसानों के साथ सीधा संवाद, कृषि विशेषज्ञों के व्याख्यान और विभिन्न सरकारी विभागों की कल्याणकारी योजनाओं की लाइव जानकारियां उपलब्ध कराई जाएंगी। इस केंद्र को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उपायुक्त ने इसे कृषि विज्ञान केंद्र से जोड़ने का बड़ा निर्देश दिया है। केवीके के तकनीकी सहयोग से यहाँ फसल प्रदर्शन, कृषि नवाचार और विशेषज्ञों की नियमित सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, जिले के जलभराव वाले क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए ऐसी वैकल्पिक फसलों और उन्नत किस्मों की पहचान की जाएगी, जिनकी खेती विपरीत परिस्थितियों में भी सफलतापूर्वक की जा सके, ताकि किसानों की अनुपयोगी भूमि का भी शत-प्रतिशत बेहतर इस्तेमाल हो सके।

नई दिल्ली में बोकारो की मंडली ने शानदार अभिनय-कला से छोड़ी अपनी अविस्मरणीय छाप

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। मलंगिया फाउंडेशन की ओर से गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के संयुक्त तत्वावधान में राजघाट, नई दिल्ली में विगत दिनों आयोजित चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय मलंगिया महोत्सव के दौरान बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद के रंगकर्मियों ने अपनी शानदार अभिनय-कला से सबकी भरपूर सराहना पाई। इस विश्वस्तरीय समारोह में परिषद के कलाकारों ने महेन्द्र मलंगिया द्वारा लिखित एक कमल नोर मे नाटक में उत्कृष्ट अभिनय प्रस्तुत कर दर्शकों के दिलों पर अपनी अविस्मरणीय छाप छोड़ी और बोकारो का नाम गौरवान्वित किया। मिथिला सांस्कृतिक परिषद के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मैथिली नाटक एक कमल नोर मे का मंचन बोकारो के वरिष्ठ रंगकर्मी शंभु झा के निर्देशन में किया गया था। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के जरिए संस्था और इस्पातनगरी बोकारो का नाम वैश्विक मंच पर गौरवान्वित करनेवाले कलाकारों को परिषद की ओर से सम्मानित किया गया। नगर के सेक्टर- 2डी काली मंदिर परिसर स्थित मां अंबे गार्डन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद ने नाटक टीम में शामिल कलाकारों को स्मृति-चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर नवाजा। परिषद के अध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी, उपाध्यक्ष समरेंद्र झा, महासचिव नीरज चौधरी, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष बटोही कुंवर, नाटक के निर्देशक शंभु झा एवं परिषद के सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक को सम्मानित किया।

चंदनकियारी में छह दिनों से लापता युवक का कुएं से शव बरामद, आरोपी गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बरमसिया ओपी क्षेत्र के दामुडीह पंचायत स्थित पिपरकुदर गांव निवासी 19 वर्षीय सागर कुमार का छह दिन पुराना सड़ा-गला शव पुलिस ने सोमवार को बरामद किया। शव कालिकापुर पंचायत के आगरडीह जंगल में स्थित एक पुराने कुएं से मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने बगल के गांव भवानीडीह निवासी 50 वर्षीय मानिक माझी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बरमसिया ओपी प्रभारी शैलेंद्र पासवान ने आरोपी के स्वीकारोक्ति बयान के हवाले से बताया कि 15 जुलाई की शाम सात बजे आरोपी माणिक मांझी मृतक सागर कुमार को उसके घर से अपनी बाइक पर बैठाकर ले गया था। इसके बाद दोनों आगरडीह के सीधाटांड़ के समीप जंगल में स्थित एक कुएं के पास हमेशा की तरह शराब पीने बैठे। इसी दौरान रात करीब नौ बजे पैसे के लेन-देन और खर्चे को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी मानिक ने सागर के सिर पर डंडे से जोरदार प्रहार कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने साक्ष्य छिपाने की नीयत से शव को झाड़ियों के बीच बने एक पुराने कुएं में फेंक दिया और चुपचाप अपने घर लौट आया। इस मामले को लेकर मृतक के बड़े भाई मनोरंजन कुमार मांझी ने शनिवार को बरमसिया ओपी में भाई की गुमशुदगी की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। आवेदन में इस बात का भी जिक्र था कि 15 जुलाई की शाम आरोपी मानिक माझी को बाइक पर सागर को ले जाते हुए देखा गया था।

बोकारो के पुस्तकालय में सजी शब्दों की महफिल, साहित्यकारों ने काव्य रस से किया सराबोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। साहित्य, संगीत और कला ही मानव जीवन को संवेदनशील और समृद्ध बनाते हैं। इसी अनमोल सोच के साथ बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) एवं अखिल भारतीय चेतना दर्पण के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-5 स्थित पुस्तकालय में एक भव्य मासिक कवि-गोष्ठी का आयोजन किया गया। साहित्यिक संवाद, असीम सृजनशीलता और रचनात्मक अभिव्यक्ति का यह सशक्त मंच नगर के वरिष्ठ और युवा रचनाकारों के मिलन का गवाह बना। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि नगर के स्थापित व अनुभवी कवि अपने जीवन के अनुभवों से उभरते हुए नए रचनाकारों का मार्गदर्शन करें, जिससे उनकी अनूठी लेखन प्रतिभा को एक नई दिशा और प्रोत्साहन मिल सके। वक्ताओं ने साहित्यकारों को यह बेहतरीन मंच उपलब्ध कराने के लिए बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि यह साहित्यिक गतिविधियों के संवर्धन की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण पहल है, जिसका समाज हित में सार्थक उपयोग होना चाहिए। काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अरुण पाठक द्वारा प्रस्तुत बेहद सुमधुर सरस्वती वंदना हे सरस्वती विद्यादायिनी से हुआ। इसके उपरांत उपस्थित कवियों ने अपनी एक से बढ़कर एक उत्कृष्ट और भावपूर्ण रचनाओं के पाठ से पूरे पुस्तकालय परिसर को पूरी तरह काव्यमय बना दिया।

चुनौतियों को पार कर इशान ने पाया जिला टॉपर बनने का गौरव

एआईआर 517 लाने वाले छात्र ने अपने विद्यालय पहुंच गुरुजनों का लिया आशीर्वाद

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। सफलता यूं ही नहीं मिल जाती, इसके लिए कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प बेहद जरूरी है। चिन्मय विद्यालय बोकारो के प्रतिभावान छात्र इशान गोप ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया है। इशान ने री-नीट 2026 की परीक्षा में पूरे देश में 517वीं ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) हासिल कर न केवल अपने विद्यालय का, बल्कि पूरे बोकारो जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने 720 में से कुल 670 अंक प्राप्त कर 99.972 परसेंटाइल के साथ जिले में अव्वल स्थान हासिल किया। सोमवार को इशान ने अपने माता-पिता के साथ चिन्मय विद्यालय पहुंचकर अपने गुरुजनों से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। सभी ने इशान का मुंह मीठा कराकर उसे उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान 'ऊंची उड़ान' के देबज्योति बराल भी मौजूद थे। अपने परिवार के इकलौते बेटे इशान के पिता भगिरथ गोप केंद्र सरकार के कर्मचारी हैं और माता श्वेता कुमारी गृहिणी हैं। मूल रूप से बिहार के रहने वाले इशान ने बताया कि उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में अपना भविष्य बहुत कम उम्र में ही चुन लिया था। घर के सकारात्मक माहौल ने उन्हें इस ओर प्रेरित किया। बचपन में उनके चाचा मानव शरीर के अंगों का चार्ट लाते थे, जिसे देखना और समझना उन्हें बेहद पसंद था। इसके अलावा, इशान के पिता अपने शुरूआती दिनों में जूलॉजी के शिक्षक रहे थे, जिसके कारण इशान को अपनी नीट की तैयारी में काफी मदद मिली। इशान ने अपनी सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि जब पहली बार नीट का पेपर कैंसिल हुआ, तो थोड़ी घबराहट जरूर हुई थी। री-नीट की तैयारी के लिए महज एक महीने का समय मिला था, जो काफी कम था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खुद को हतोत्साहित होने से बचाया। एक अनोखा संयोग यह भी रहा कि मूल नीट परीक्षा और री-नीट परीक्षा, दोनों ही दिनों उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। इसके बावजूद उन्होंने पूरे समर्पण के साथ परीक्षा दी। इशान ने साथी छात्र-छात्राओं को सलाह दी कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, कभी हार नहीं माननी चाहिए और हर चुनौती को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

दरवाजे पर गंदा पानी फेंकने का विरोध करने पर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। थाना क्षेत्र की गोविंदपुर बस्ती में घर के दरवाजे पर गंदा पानी फेंकने का विरोध करने पर दो परिवारों के बीच जमकर मारपीट, गाली-गलौज और छीना-झपटी हुई। इस हिंसक झड़प के बाद सोमवार को दोनों ही पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रथम पक्ष के पीड़ित मनोज कुमार करमाली द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार, 19 जुलाई की सुबह पड़ोसी अशोक कुमार रजक ने उनके घर के दरवाजे पर गंदा पानी फेंक दिया था। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई, तो आरोपी अशोक रजक, उनकी पत्नी चिंता देवी, बेटी आशा देवी और रीना देवी उग्र हो गईं और गाली-गलौज करते हुए मारपीट पर उतारू हो गईं। आरोप है कि इस दौरान चिंता देवी ने मनोज के दाएं हाथ में दांत से बुरी तरह काट लिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद 20 जुलाई की सुबह आरोपियों ने दोबारा मारपीट की। मनोज को बचाने आए उनके छोटे भाई राजू करमाली और मौसेरे भाई जितेंद्र करमाली को भी पीटा गया, जिससे वे दोनों जख्मी हो गए। पुलिस ने इस शिकायत पर कांड संख्या 55/2026 के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरे पक्ष के अशोक कुमार रविदास ने भी थाने में काउंटर केस दर्ज कराया है। उन्होंने कांड संख्या 54/2026 के तहत मनोज करमाली, जितेंद्र करमाली, मधु, शनि और रवि के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

संक्षिप्त खबरें

रक्तदान महादानः सफल इंडिया कांड्रा परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, 33 यूनिट रक्त संग्रहित

सिंदरी। सफल इंडिया सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था के कांड्रा परिसर में ओम साई ब्लड सेंटर के तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सिंदरी विधानसभा के विधायक चन्द्रदेव महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने रक्तदाताओं एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके इस महान मानवीय योगदान के लिए सम्मानित किया। शिविर में कुल 33 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है। किसी जरूरतमंद को समय पर रक्त उपलब्ध हो जाने से उसका जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि इस प्रकार के सामाजिक कार्य समाज में मानवता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर रंजीत कुमार, बिनोद सिंह, राजकुमार, सावित्री पांडे, वैजयंती देवी, सुरेंद्र शर्मा, अजय पाठक, बिरंची महतो, अमर सिंह, सहदेव सिंह, दशरथ ठाकुर, राजू मंडल, अंजनी कुमारी, सूरज शर्मा, अर्जुन बाउरी, राजीव सिंह, किरण सहानी, हेमा देवी, राहुल कुमार, राधिका कुमारी, बसंती देवी सहित अनेक गणमान्य लोग एवं रक्तदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सफल इंडिया सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था के सदस्यों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगियों एवं ओम साई ब्लड सेंटर की टीम का आभार व्यक्त किया।

खराब बिरयानी खाने से एक ही परिवार के तीन सदस्य बीमार, दो वर्षीय मासूम भी अस्पताल में भर्ती

गिरिडीह। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के झरियागादी में कथित रूप से खराब बिरयानी खाने से एक ही परिवार के तीन सदस्य बीमार पड़ गए। बीमारों में दो वर्षीय मासूम भी शामिल है। तीनों को लगातार उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने पर शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पीड़ित मो० आजम ने बताया कि रविवार देर शाम वह अपनी दुकान बंद कर घर लौटते समय भंडारीडीह स्थित एक फास्ट फूड दुकान से बिरयानी का पार्सल लेकर आए थे। घर पहुंचने के बाद उन्होंने अपनी पत्नी फातिमा खातून और दो वर्षीय पुत्र मो. साहिल रजा के साथ बिरयानी खाई। बिरयानी खाने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार तीनों मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है, हालांकि चिकित्सक उनकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने बाजार में बिकने वाले तैयार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता की नियमित जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

एसबीआई दुगदा कोल वाशरी शाखा का व्हाट्सएप बैंकिंग अभियान, एक दिन में 212 लोग जुड़े

चंद्रपुरा। भारतीय स्टेट बैंक की दुगदा कोल वाशरी शाखा द्वारा व्हाट्सएप बैंकिंग सेवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। केंद्र सरकार तथा क्षेत्रीय प्रबंधन के निर्देश पर मिशन मोड में संचालित इस अभियान के तहत बैंक कर्मी ग्रामीण क्षेत्रों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा बैंक ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं से जोड़ रहे हैं। सोमवार को शाखा के कर्मचारियों, ग्राहक सेवा केंद्र संचालकों, आउटसोर्सिंग स्टाफ तथा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के संयुक्त प्रयास से एक ही दिन में 212 लोगों को व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा से जोड़ा गया।।शाखा प्रबंधक श्रवण कुमार लाल ने बताया कि व्हाट्सएप बैंकिंग के माध्यम से ग्राहक घर बैठे ही विभिन्न बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस सेवा के जरिए खाते की शेष राशि की जानकारी, बैंक स्टेटमेंट, चेक बुक का अनुरोध, एटीएम कार्ड संबंधी सेवाएं, केवाईसी, नामांकन सहित अन्य सुविधाएं आसानी से प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों तक डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाना, ग्राहकों का समय बचाना तथा उन्हें सरल और सुरक्षित बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना है। व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा से जुड़ने के बाद महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं तथा ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। बैंक कर्मियों ने लोगों को व्हाट्सएप बैंकिंग नंबर अपने मोबाइल में सुरक्षित करने तथा सेवा का उपयोग करने की पूरी प्रक्रिया भी विस्तार से समझाई।

एचएमकेपी प्रतिनिधिमंडल ने ढोरी के नए महाप्रबंधक का किया स्वागत

बेरमो। केंद्रीय कोयला क्षेत्र के ढोरी क्षेत्र के नवनियुक्त महाप्रबंधक राजीव कुमार सिंह का हिन्द मजदूर किसान पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एचएमकेपी के महासचिव इन्द्रदेव महतो ने किया।।इस अवसर पर महाप्रबंधक राजीव कुमार सिंह ने यूनियन प्रतिनिधियों से कोयला उत्पादन बढ़ाने में सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से ढोरी प्रक्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने बंद पड़ी कोलियरियों को पुनः चालू करने तथा अन्य कोलियरियों के विस्तार की दिशा में गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि मजदूर और प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में यूनियन एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रबंधन का नैतिक दायित्व है और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। वहीं, एचएमकेपी के प्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक को संगठन की ओर से पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया और कहा कि उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए भी यूनियन सदैव रचनात्मक भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करे केंद्र सरकार : सेक्यूलर फ्रंट

छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ गिरिडीह में निकाला गया प्रतिवाद मार्च

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह। देश में पेपर लीक की घटनाओं तथा नीट अभ्यर्थियों की मौत के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जिम्मेदार ठहराते हुए सेक्यूलर फ्रंट ने उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। फ्रंट ने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री स्वयं इस्तीफा नहीं देते हैं तो केंद्र सरकार उन्हें तत्काल पद से बर्खास्त करे। यह मांग रविवार को सेक्यूलर फ्रंट के बैनर तले दिल्ली में चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में गिरिडीह के झंडा मैदान से निकाले गए प्रतिवाद मार्च के दौरान उठाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व फ्रंट के नेता धरणीधर, विश्वनाथ सिंह, राजेश यादव, देवशंकर मिश्र, कामेश्वर यादव, धर्मेंद्र यादव, नागेंद्र चंद्रवंशी, मो. सरताज, किशोर मुर्मू, नवीन राज, मो० मुजफ्फर, बैजनाथ, प्रदीप पासवान, मो० खलील, मो. सरफराज, मो० जब्बार, रामेश्वर वर्मा, शिवनंदन यादव, रामलाल मंडल, शंभू ठाकुर, मुकेश यादव, प्रदीप यादव, गिरेंद्र यादव, मो० आलम अंसारी, मनोज यादव, संजय चौधरी, महेश निराला सहित विभिन्न दलों के नेताओं एवं सामाजिक कार्यकताओं ने किया। सभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार की छात्र विरोधी नीतियों के कारण शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा का क्षेत्र धीरे-धीरे बाजार के हवाले होता जा रहा है, जिससे गरीब विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच कठिन होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं के पीछे भी यही व्यवस्था जिम्मेदार है। मामले सामने आने के बावजूद शिक्षा मंत्री और केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय हठधर्मिता का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को शिक्षा मंत्री को तत्काल पद से हटाना चाहिए। धरणीधर, विश्वनाथ सिंह और अधिवक्ता कामेश्वर यादव ने भी अपने संबोधन में केंद्रीय शिक्षा मंत्री की बर्खास्तगी की मांग करते हुए छात्र आंदोलन को और तेज करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के छात्रों और युवाओं को उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिक्षा, रोजगार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है।

कार्यक्रम के समापन पर सेक्यूलर फ्रंट के नेताओं ने प्रतिवाद मार्च को सफल बनाने के लिए सभी संगठनों, छात्र-युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया तथा आगे भी आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।

चतरा पुलिस को बड़ी सफलता, टीएसपीसी का वांछित नक्सली नरेश गंझू उर्फ रविकांत गिरफ्तार

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। चतरा पुलिस और सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति के वांछित नक्सली नरेश गंझू उर्फ रविकांत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह लावालौंग थाना क्षेत्र के मंधनिया गांव का निवासी है। उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, रंगदारी, शस्त्र अधिनियम तथा गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक को 19 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि वांछित नक्सली नरेश गंझू चोरी-छिपे अपने पैतृक गांव मंधनिया पहुंचा हुआ है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नागरगोजे शुभम भाउसाहब के नेतृत्व में सशस्त्र सीमा बल की 35वीं बटालियन तथा लावालौंग थाना पुलिस की संयुक्त टीम का गठन किया गया। संयुक्त टीम ने सघन तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान गांव के फुटबॉल मैदान से लगभग 100 मीटर दूर घने जंगल में छिपे नरेश गंझू को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया।।पुलिस अभिलेखों के अनुसार, गिरफ्तार नक्सली का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध चतरा जिले के लावालौंग, कुन्दा और सिमरिया थाना क्षेत्रों के अलावा लातेहार जिले के बालूमाथ थाना में कुल छह संगीन मामले दर्ज हैं। इन मामलों में हत्या के प्रयास, रंगदारी, आपराधिक विधि संशोधन अधिनियम, गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) तथा अन्य गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नरेश गंझू की गिरफ्तारी नक्सल विरोधी अभियान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

वन राखी मूवमेंट की स्वर्ण जयंती पर केरकी कुटिया में 625 पौधों का वितरण और पौधारोपण

झारखंड दर्शन संवाददाता

छतरपुर। वन राखी मूवमेंट की स्वर्ण जयंती तथा केरकी कुटिया में पौधारोपण एवं निःशुल्क पौधा वितरण के 21 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को छतरपुर प्रखंड स्थित केरकी कुटिया शिव तपोभूमि में भव्य पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरणविद् डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने 17 प्रजातियों के 625 देशी एवं विदेशी पौधों का ग्रामीणों के बीच निःशुल्क वितरण किया तथा कुटिया परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. कौशल किशोर जायसवाल, छतरपुर पूर्वी के जिला परिषद सदस्य अमित कुमार जायसवाल, डाली बाजार पंचायत की मुखिया पूनम जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण एवं वृक्षों पर रक्षा सूत्र बांधकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2005 में केरकी कुटिया के त्यागी जी की पहल पर बैठक आयोजित कर कुटिया की भूमि पर पौधारोपण के लिए लिखित सहमति बनाई गई थी। उस बैठक में मनोज गुप्ता, कपिल सिंह, शिवनाथ सुरीला, नरेश यादव सहित कई लोग शामिल हुए थे, जो आज भी इस अभियान से जुड़े हुए हैं और आगे भी इसे जारी रखेंगे।

जिला परिषद सदस्य अमित कुमार जायसवाल ने कहा कि उनके पिता डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने 21 वर्ष पूर्व अपने निजी खर्च से केरकी कुटिया की 27 एकड़ भूमि के चारों ओर ट्रेंच खुदवाकर व्यापक स्तर पर पौधारोपण कराया था, जो आज घने जंगल का रूप ले चुका है।

मुखिया पूनम जायसवाल ने महिलाओं से पौधों की देखभाल अपने बच्चों की तरह करने की अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार बच्चे बड़े होकर परिवार का सहारा बनते हैं, उसी प्रकार पेड़ भी समाज और प्रकृति के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

77वें वन महोत्सव पर मटलौंग में 100 से अधिक पौधों का रोपण, जंगल बचाने का लिया संकल्प

झारखंड दर्शन संवाददाता

मनिका। लातेहार वन प्रमंडल के मनिका वन क्षेत्र अंतर्गत मटलौंग में रविवार को 77वें वन महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दैनिक भास्कर के 75 लाख पौधे लगाने के महाअभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में जंगलों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वन केवल वन विभाग के भरोसे सुरक्षित नहीं रह सकते, बल्कि ग्रामीणों की सहभागिता और जनसहयोग से ही उनका संरक्षण संभव है।

उन्होंने लोगों से वनाधिकार पट्टा के नाम पर पेड़ों की कटाई नहीं करने तथा वनों की सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, प्रभागीय वन पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बीरेंद्र राम तथा वन क्षेत्र पदाधिकारी उमेश कुमार दुबे ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विधायक रामचंद्र सिंह ने पीपल, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी ने नीम तथा डीएफओ प्रवेश अग्रवाल ने शीशम का पौधा लगाया।

डीएफओ प्रवेश अग्रवाल ने कहा कि वनों से ही जीवन सुरक्षित है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल भी करे। रेंजर उमेश कुमार दुबे ने दैनिक भास्कर के पौधारोपण अभियान की सराहना करते हुए लोगों से अपने घरों और आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिमा देवी, थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास सहित जनप्रतिनिधि, वनकर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण तथा वनों की सुरक्षा का सामूहिक संकल्प लिया।

सोनम वांगचुक के समर्थन में चतरा में छात्रों का सत्याग्रह, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की उठाई मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। प्रख्यात पर्यावरणविद्, वैज्ञानिक एवं मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित सोनम वांगचुक के समर्थन में सोमवार को चतरा के आंबेडकर चौक पर 'छात्र युवा संघर्ष मोर्चा' के बैनर तले एक दिवसीय भूख हड़ताल एवं सत्याग्रह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों ने देश की शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे प्रश्नपत्र लीक तथा शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि सोनम वांगचुक छात्रों के सुरक्षित भविष्य, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। उनका कहना था कि वांगचुक पिछले 23 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने के बजाय उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रही है। छात्रों ने आरोप लगाया कि अनशन के दौरान सोनम वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती कराना सरकार के तानाशाही रवैये को दर्शाता है। प्रदर्शनकारियों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि सरकार को दमनात्मक रवैया अपनाने के बजाय संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान करना चाहिए। सत्याग्रह में शामिल छात्रों ने केंद्र सरकार से शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने तथा युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शीघ्र ठोस और प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

दामोदा कोलियरी के कोल डंप पर असंगठित मजदूरों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी

झारखंड दर्शन संवाददाता

चंद्रपुरा। बीसीसीएल के बरोरा क्षेत्र अंतर्गत दामोदा कोलियरी के कोल डंप पर असंगठित कोयला लदाई मजदूरों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा। घूटवे स्थित कोल डंप पर मजदूर पिछले चार दिनों से टेंट लगाकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। आंदोलन के कारण कोल डंप से हाइवा ट्रकों के माध्यम से मधुबन तथा के.के. सिंक साइडिंग, मंदरा के लिए होने वाली कोयले की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। आंदोलन के चलते बीते चार दिनों में लगभग 15,200 मीट्रिक टन कोयले का परिवहन नहीं हो सका है। इससे संबंधित परियोजनाओं में कोयले की आपूर्ति प्रभावित हुई है।।धरना पर बैठे मजदूरों का कहना है कि दामोदा कोलियरी प्रबंधन, सिजुवा ग्रामीण विकास समिति तथा असंगठित मजदूरों के बीच 1 फरवरी 2026 को बरोरा के मुख्य महाप्रबंधक की उपस्थिति में समझौता हुआ था। उस समय प्रबंधन ने लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि 15 दिनों के भीतर रोड सेल प्रारंभ कर दिया जाएगा। लेकिन कई माह बीत जाने के बाद भी रोड सेल शुरू नहीं किया गया, जिससे मजदूरों और समिति के सदस्यों में भारी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक प्रबंधन अपने लिखित आश्वासन के अनुरूप रोड सेल प्रारंभ नहीं करता, तब तक कोयले की ढुलाई बंद रहेगी और आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर सिजुवा ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष अशोक महतो, संजय महतो, जयसूर्या महतो, मूरत महतो, कुंती देवी, शांति देवी, चंपा देवी सहित बड़ी संख्या में असंगठित मजदूर उपस्थित थे।

कर्पूरी ठाकुर अनुमंडलीय अस्पताल बेहतर स्वास्थ्य सेवा का बन रहा उदाहरण : कैलाश ठाकुर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। फुसरो नगर परिषद के पूर्व पार्षद एवं विस्थापित नेता कैलाश ठाकुर ने जननायक कपूरी ठाकुर अनुमंडलीय अस्पताल, फुसरो के चिकित्सकों को शॉल, गुलदस्ता और मिठाई भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अस्पताल में दी जा रही बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह अस्पताल जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। कैलाश ठाकुर ने कहा कि दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली कि अस्पताल के सर्जन डॉ० निशांत कुमार ने अपनी टीम के साथ निजी लैप्रोस्कोपिक मशीन की सहायता से पिछरी निवासी 56 वर्षीय महिला मजदूर के पित्ताशय का सफल लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे ऑपरेशन सामान्यतः निजी अस्पतालों में भारी शुल्क लेकर किए जाते हैं, लेकिन सरकारी अस्पताल में निःस्वार्थ भाव से इस तरह की सुविधा उपलब्ध कराना जनसेवा का सराहनीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जननायक कपूरी ठाकुर अनुमंडलीय अस्पताल का निर्माण तत्कालीन विधायक स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह के प्रयासों से हुआ था तथा इसका उद्घाटन तत्कालीन बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने किया था। बाद में झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहने के दौरान स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह ने इस अस्पताल का व्यापक विकास कराया, जिसका लाभ आज पूरे क्षेत्र की जनता को मिल रहा है।श

नियमों का उल्लंघन करने वालों को नहीं बख्शा जाएगा, वाहन चलाते समय बरतें सावधानी : थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। बेरमो थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। बेरमो थाना के समीप यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान से यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान मुख्य रूप से हाइवा तथा मोटरसाइकिलों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई। जांच के क्रम में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से कुल 11 हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटा गया। पुलिस ने वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीकरण प्रमाणपत्र, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की। विशेष जांच अभियान के संबंध में बेरमो थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस की कार्रवाई का उद्देश्य किसी भी नागरिक को परेशान करना नहीं, बल्कि सड़क पर लोगों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाएगा तथा आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा। थाना प्रभारी ने दोपहिया वाहन चालकों से हमेशा हेलमेट पहनने तथा किसी भी स्थिति में तीन सवारी नहीं करने की अपील की। वहीं कार एवं अन्य चारपहिया तथा भारी वाहन चालकों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने को कहा। उन्होंने बाजार एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सड़क किनारे वाहन खड़ा नहीं करने तथा निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने की सलाह दी।

फुसरो नगर परिषद के पूर्व वार्ड पार्षद आजाद चौहान का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। फुसरो नगर परिषद के पूर्व वार्ड पार्षद एवं मकोली नीचे धौड़ा निवासी आजाद चौहान का सोमवार को धनबाद स्थित असरफी अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। उनके निधन की सूचना मिलते ही फुसरो तथा आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। आजाद चौहान लगातार तीन कार्यकाल 2008, 2013 और 2018 में वार्ड पार्षद निर्वाचित हुए थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने वार्ड की समस्याओं को नगर परिषद की बैठकों में प्रभावी ढंग से उठाया और क्षेत्र के विकास तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। उनके सरल, मिलनसार और जनसेवी व्यक्तित्व के कारण वे लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। परिजनों के अनुसार, दिवंगत आजाद चौहान का अंतिम संस्कार मंगलवार को ढोरी खास स्थित दामोदर नदी तट पर किया जाएगा। वे अविवाहित थे।

संक्षिप्त खबरें

नवोदय विद्यालय प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग, घायल छात्र से मिले भाजपा नेता जगदीश रवानी

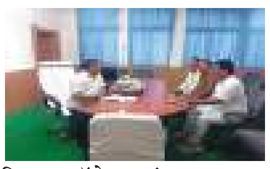

धनबाद। नवोदय विद्यालय से जुड़े कथित लापरवाही के मामले में घायल छात्र का हालचाल जानने के लिए भाजपा नेता जगदीश रवानी के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष परेश चंद्र दास तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दिनेश गिनडोरिया से मुलाकात कर छात्र के स्वास्थ्य की जानकारी ली। अधीक्षक ने तत्काल छात्र का सीटी स्कैन कराने की व्यवस्था कराई। उन्होंने बताया कि अब तक की सभी चिकित्सीय जांच रिपोर्ट सामान्य हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से बिना किसी दबाव के निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारीपूर्वक जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि घायल छात्र को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। यदि जांच में विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही सिद्ध होती है तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। भाजपा ने पीड़ित छात्र और उसके परिवार के साथ खड़े रहने तथा न्याय मिलने तक इस मुद्दे को लगातार उठाने का भरोसा दिलाया।

नीट में सफलता पर निलिशा चौधरी का सम्मान, बांग्ला भाषा संघर्ष समिति ने दी शुभकामनाएं

धनबाद। झारखंड बांग्ला भाषा संघर्ष समिति द्वारा हीरापुर एल.सी. रोड स्थित एक समारोह में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाली मेधावी छात्रा निलिशा चौधरी को सम्मानित किया गया।
समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि निलिशा चौधरी ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के बल पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। उनकी उपलब्धि केवल उनके परिवार के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित करना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। समिति ने कहा कि भविष्य में भी शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित करने की परंपरा जारी रखी जाएगी। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष सम्राट चौधरी, सचिव राणा चट्टराज, कल्याण भट्टाचार्य, संशोधन चक्रवर्ती, जयदीप बनर्जी, बादल पात्र, कल्याण चक्रवर्ती, दिनेश मंडल, नागेंद्र राय, राजीव रंजन, अनुप कुमार बख्शी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बलियापुर पुलिस ने चोरी का किया खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

बलियापुर। बलियापुर थाना पुलिस ने चोरी के एक मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए अप्राथमिकी अभियुक्त लखन मरांडी (22 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी राजबस्ती, रंगामाटी, टोला अहरीडीह, थाना बलियापुर का निवासी है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गए लैपटॉप, माउस, चार्जर, मोटरसाइकिल, बैग, पंखा सहित कई अन्य सामान भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 13-14 जुलाई 2026 की रात बलियापुर थाना क्षेत्र के बेलगढ़िया सिंह बस्ती स्थित एक घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। घटना के संबंध में बलियापुर थाना कांड संख्या 124/2026 दर्ज किया गया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 एवं 331(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। तलाशी के दौरान चोरी का अधिकांश सामान भी बरामद कर लिया गया, जिससे मामले का सफलतापूर्वक खुलासा हो गया। गिरफ्तार आरोपी का चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद रविवार को उसे विधिवत धनबाद न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए पुलिस अभिरक्षा में भेज दिया गया। बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार ने बताया कि पुलिस की त्वरित कार्रवाई से चोरी की घटना का खुलासा हो गया है और चोरी की गई अधिकांश संपत्ति बरामद कर ली गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार अभियान चलाकर अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर रही है।

नवोदय विद्यालय प्रकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, निष्पक्ष जांच करे पुलिस : जगदीश रवानी

धनबाद। नवोदय विद्यालय में घायल हुए छात्र का हालचाल जानने के लिए भाजपा नेता जगदीश रवानी के नेतृत्व में भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचा। प्रतिनिधि मंडल में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष परेश चंद्र दास तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी बप्पी बाउरी भी शामिल थे। सभी ने अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दिनेश गिनडोरिया से मुलाकात कर छात्र के स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल अधीक्षक ने छात्र की स्थिति की जानकारी देते हुए तत्काल सीटी स्कैन कराने की व्यवस्था कराई। उन्होंने बताया कि अब तक प्राप्त सभी चिकित्सीय जांच रिपोर्ट सामान्य हैं। आवश्यकता पड़ने पर अन्य जरूरी जांच भी कराई जाएगी, ताकि छात्र का समुचित उपचार सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर भाजपा नेता जगदीश रवानी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला विद्यालय प्रबंधन की गंभीर लापरवाही का प्रतीत होता है।

जलजमाव की समस्या को लेकर पंचगढ़ी बाजार में धरने पर बैठे बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो

नगर निगम के विरोध में नारेबाजी, स्थायी समाधान की उठी मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। लगातार हो रही बारिश के कारण कतरास के वार्ड संख्या तीन स्थित पंचगढ़ी बाजार में जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा है और पूरा बाजार घुटनों तक पानी में डूब गया है। दुकानों में गंदा पानी घुसने से व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, जबकि आम लोगों का आवागमन भी पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने पंचगढ़ी सब्जी बाजार की स्थिति और अधिक गंभीर बना दी है। सड़कें जलमग्न हो गई हैं, नालियां उफान पर हैं और बाजार आने वाले ग्राहक भी जलभराव के कारण आने से बच रहे हैं। दुकानदार अपने सामान को सुरक्षित रखने में जुटे रहे, जबकि स्थानीय लोगों में नगर निगम की कार्यशैली को लेकर भारी नाराजगी देखी गई।।जलजमाव की समस्या से आक्रोशित बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो सोमवार को अपने समर्थकों और कार्यकताओं के साथ पंचगढ़ी बाजार पहुंचे और बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान नगर आयुक्त, महापौर और स्थानीय पार्षद के खिलाफ भी नारे लगाए गए तथा जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष बरसात के मौसम में पंचगढ़ी बाजार की यही स्थिति होती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। उनका आरोप है कि नालियों के निर्माण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन समय पर उनकी सफाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो जाती है। कई लोगों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाते हुए भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने यह भी कहा कि वर्षों से विकास के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन हर वर्ष बरसात के समय बाजार की तस्वीर नहीं बदलती। उनका कहना है कि केवल धरना, प्रदर्शन और आश्वासन से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए प्रभावी योजना बनाकर जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था करनी होगी, ताकि लोगों को हर वर्ष इसी परेशानी का सामना न करना पड़े।
अब स्थानीय लोगों की निगाह नगर निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारियों पर टिकी है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति दोहराई जाएगी और सबसे अधिक परेशानी आम नागरिकों, व्यापारियों तथा बाजार आने वाले लोगों को ही झेलनी पड़ेगी।

धनबाद में पहली बार अत्याधुनिक तकनीक से सफल घुटना प्रत्यारोपण, मरीज को मिली नई जिंदगी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। जोड़ा फाटक रोड स्थित पाटलीपुत्र अस्पताल में आथोर्पेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ० निखिल ड्रोलिया ने अत्याधुनिक यूनिकॉम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट तकनीक से 42 वर्षीय महिला मरीज का सफल घुटना प्रत्यारोपण किया। अस्पताल के अनुसार धनबाद में इस तकनीक से किया गया यह पहला ऑपरेशन है, जबकि झारखंड में भी इस तकनीक का उपयोग अभी सीमित स्तर पर हो रहा है। मरीज मंजू देवी (42), निवासी तेलमच्चो बाजार, पिछले छह माह से घुटने के असहनीय दर्द से पीड़ित थीं। दर्द के कारण उन्हें चलने-फिरने, बैठने और दैनिक कार्य करने में काफी परेशानी हो रही थी। जांच के दौरान घुटने के एक हिस्से की हड्डी क्षतिग्रस्त पाई गई। इसके बाद डॉ. निखिल ड्रोलिया एवं उनकी टीम ने यूनिकॉम्पार्टमेंटल नी रिप्लेसमेंट तकनीक से सफल सर्जरी की। वर्तमान में मरीज स्वस्थ हैं और तेजी से स्वस्थ हो रही हैं। डॉ० ड्रोलिया ने बताया कि इस तकनीक में घुटने के केवल क्षतिग्रस्त हिस्से को बदला जाता है, जबकि स्वस्थ हड्डियां और प्राकृतिक लिगामेंट सुरक्षित रहते हैं। इससे घुटने की स्वाभाविक कार्यप्रणाली बनी रहती है। सर्जरी के दौरान केवल तीन से साढ़े तीन इंच का छोटा चीरा लगाया जाता है, जिससे रक्तस्राव और दर्द कम होता है। अधिकांश मरीज ऑपरेशन के दिन या अगले दिन ही चलने-फिरने लगते हैं और सामान्य रूप से बैठ भी सकते हैं। अस्पताल के निदेशक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० निर्मल ड्रोलिया ने कहा कि अब धनबाद और आसपास के मरीजों को इस प्रकार की सर्जरी के लिए महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। पाटलीपुत्र अस्पताल आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 119वां स्थापना दिवस पर जीवन ज्योति विद्यालय को 40 हजार का सहयोग दिया

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। बैंक ऑफ बड़ौदा के 119वें स्थापना दिवस के अवसर पर धनबाद की विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों ने जीवन ज्योति विद्यालय में सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर बैंक की ओर से विद्यालय को 40 हजार रुपये का डिमांड ड्राफ्ट भेंट किया गया। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग एवं व्हीलचेयर भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान बैंक अधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन को भविष्य में भी हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में बैंक की सहभागिता आगे भी निरंतर जारी रहेगी तथा विद्यालय के साथ दीर्घकालिक सहयोग स्थापित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा केवल बैंकिंग सेवाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए भी प्रतिबद्ध है। विद्यालय प्रबंधन ने बैंक के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आर्थिक सहायता और दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराए गए कृत्रिम अंग एवं व्हीलचेयर से अनेक लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने इसे बैंक की सामाजिक संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।
कार्यक्रम में धनबाद शाखा के मुख्य प्रबंधक राजेश कुमार, बैंक मोड़ शाखा के मुख्य प्रबंधक अभिजीत सहाय, धनबाद शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक प्रशांत कुमार, प्रबंधक कमलेश कुमार, अजीत कुमार, मनीष मिश्रा, हिरापुर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक राकेश कुमार पांडे, सरायढेला शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक शशांक गुप्ता तथा जोराफाटक शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक विवेक कुमार सहित बैंक की विभिन्न शाखाओं के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने समाज के प्रति बैंक की जिम्मेदारियों को आगे भी इसी प्रकार निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन, बीसीसीएल जोनल समिति के प्रतिनिधिमंडल ने जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू के नेतृत्व में जिला प्रशासन के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। उपायुक्त की अनुपस्थिति में अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला को ज्ञापन सौंपते हुए यूनियन ने देश की शिक्षा व्यवस्था में उत्पन्न संकट, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली तथा पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।।रतिलाल टुडू ने बताया कि जेसीएमयू की केंद्रीय समिति ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर देश के शिक्षाविद एवं जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन का समर्थन किया है। यूनियन का कहना है कि एनटीए की लचर व्यवस्था तथा लगातार हो रही परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं ने लाखों विद्यार्थियों और रोजगार की तैयारी कर रहे युवाओं का भविष्य प्रभावित किया है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था का अत्यधिक केंद्रीकरण किया जा रहा है, जो संघीय व्यवस्था की भावना के अनुरूप नहीं है। यूनियन ने इन परिस्थितियों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे अथवा उन्हें पद से हटाने की मांग की है। यूनियन ने राष्ट्रपति से भारतीय शिक्षा व्यवस्था के वैज्ञानिक, धर्मनिरपेक्ष और संघीय स्वरूप की रक्षा के लिए आवश्यक हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि छात्रों और युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए इस गंभीर विषय पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान महादेव हांसदा और टुंडी विधायक प्रतिनिधि बिरजू सोरेन सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

केजीबीवी गोविंदपुर में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' व साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप के मार्गदर्शन में रविवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, गोविंदपुर में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' एवं 'साइबर सुरक्षा' विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की लगभग 120 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं बालिका कल्याण से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं और कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों, बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा और सशक्तिकरण के महत्व से अवगत कराया गया। इसके साथ ही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के अवसरों की जानकारी भी साझा की गई। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता के बारे में भी विस्तार से बताया गया। छात्राओं को पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के प्रावधानों से अवगत कराते हुए कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम तथा लिंग चयन पर प्रतिबंध संबंधी कानून की जानकारी दी गई। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए छात्राओं को साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर भी जागरूक किया गया। उन्हें ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड बनाने तथा डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं रोचक बनाने के उद्देश्य से भाषण, चित्रकला तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा, जागरूकता और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।
कार्यक्रम के समापन पर भाषण, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की बेटियों को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना भी इस अभियान की प्रमुख प्राथमिकता है। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती स्नेह कश्यप के अलावा शुभम कुमार, हेमलता रजक, जयश्री शर्मा, संजू कुमारी, प्रेरणा बर्णवाल, राखी कुमारी सहित सभी महिला पर्यवेक्षिकाएं उपस्थित थीं।

धरना पेपर लीक के विरोध में भाकपा, आईसा और आरवाईए का धरना-प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग व शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई गई

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में भाकपा (माले), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन तथा इंकलाबी नौजवान सभा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को भंग करने, पेपर लीक पर रोक लगाने, क्लस्टर प्रणाली समाप्त करने तथा शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग उठाई गई। धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व भाकपा (माले) के जिला सचिव बिंदा पासवान, राज्य स्थायी समिति सदस्य कार्तिक प्रसाद, आईसा के राज्य सहसचिव रितेश मिश्रा, राज्य उपाध्यक्ष जयजीत मुखर्जी, स्नेहा कुमारी तथा आरवाईए के जिला संयोजक सोनू शर्मा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला परिषद मैदान से आक्रोश मार्च के साथ हुई, जो रणधीर वर्मा चौक पहुंचकर सभा में परिवर्तित हो गया। सभा की अध्यक्षता बिंदा पासवान तथा संचालन विजय पासवान ने किया। कार्यक्रम में भाकपा (माले) के पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो भी उपस्थित रहे।
सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में यह राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। वक्ताओं ने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली और छात्रों के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शन के समापन पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में भाकपा (माले), आईसा, आरवाईए तथा विभिन्न छात्र-युवा संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता और छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

लोयाबाद वार्ड-08 में सड़क निर्माण में अनियमितता का आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग संघ के जिला अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने धनबाद उपायुक्त को पत्र भेजकर नगर निगम के लोयाबाद स्थित वार्ड संख्या-08 में हुए सड़क निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रत्नेश कुमार ने अपने पत्र में कहा है कि हाल ही में निर्मित सड़क पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होने लगी है। सड़क की ऊपरी परत उखड़ गई है, जिससे सीमेंट के स्थान पर केवल बालू और गिट्टी दिखाई दे रही है। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण सड़क समय से पहले ही खराब हो गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित जूनियर इंजीनियर ने निर्माण कार्य का नियमित निरीक्षण नहीं किया और बिना समुचित जांच के ठेकेदार का बिल पारित कर दिया। उनका कहना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो जेई और ठेकेदार की मिलीभगत उजागर हो जाएगी। उन्होंने सड़क की स्वीकृत मोटाई और वास्तविक निर्माण की तकनीकी जांच कराने की भी मांग की है। संघ के जिला अध्यक्ष ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। यदि जांच में अनियमितता और घटिया निर्माण की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा ठेकेदार का लाइसेंस रद्द किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता और दोषियों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, मंगलवार 21 जुलाई 2026

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

सुभाषितम्

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है। - महर्षि वाल्मीकि

भारत ने अंतरिक्ष में रचा नया इतिहास

भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक और ऐसा स्वर्णिम अध्याय लिख दिया है, जिस पर प्रत्येक भारतीय गर्व कर सकता है। श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं, बल्कि नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और वैज्ञानिक क्षमता की उड़ान है। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब केवल सरकारी संस्थानों की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी क्षेत्र भी अंतरिक्ष विज्ञान जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल करने की क्षमता रखता है। यह उपलब्धि ऐसे समय में सामने आई है जब पूरी दुनिया भारत की वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और तेजी से बढ़ती अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था पर नजर रखे हुए है।

विक्रम-1 मिशन की सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि इसे तैयार करने वाली टीम की औसत आयु केवल 28 वर्ष रही। लगभग एक हजार युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों ने वर्षों तक अथक परिश्रम कर इस सपने को साकार किया। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं बल्कि देश के युवाओं की प्रतिभा, समर्पण और नवाचार की शक्ति का प्रमाण है। जिस युवा पीढ़ी को कभी केवल रोजगार तलाशने वाली पीढ़ी माना जाता था, वही आज रोजगार देने वाली कंपनियां स्थापित कर विश्वस्तरीय तकनीक विकसित कर रही है। यह भारत के बदलते स्वरूप और नई सोच का सबसे बड़ा उदाहरण है। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के दो पूर्व वैज्ञानिकों पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।

सरकारी नौकरी छोड़कर उन्होंने एक ऐसा सपना देखा, जिसे पूरा करना आसान नहीं था। सीमित संसाधनों, कठिन तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने अपने साथ युवा वैज्ञानिकों की टीम तैयार की और आठ वर्षों की निरंतर मेहनत के बाद भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंचाने में सफलता प्राप्त की। यह कहानी केवल एक स्टार्टअप की सफलता नहीं बल्कि नए भारत की उद्यमशीलता, आत्मविश्वास और नवाचार की कहानी है।

मिशन 'आगमन' के तहत विक्रम-1 ने उड़ान भरने के बाद मात्र 15 मिनट 46 सेकंड में अपने सभी छह पेलोड को पृथ्वी से लगभग 450 किलोमीटर ऊपर निम्न पृथ्वी कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया। यह मिशन तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल था क्योंकि किसी भी निजी कंपनी के लिए पहली बार ऑर्बिटल लॉन्च करना बड़ी चुनौती माना जाता है। लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने इसे सफल बनाकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल अंतरिक्ष मिशनों में भागीदार नहीं बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखता है।

विक्रम-1 अत्याधुनिक तकनीक से लैस रॉकेट है। इसका मुख्य ढांचा हल्के लेकिन अत्यंत मजबूत कार्बन कंपोजिट से तैयार किया गया है जिससे इसका वजन कम और क्षमता अधिक बनी रहती है। इसके ऊपरी चरण में पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित त्रि-आयामी मुद्रित द्रव इंजन का उपयोग किया गया है। यह तकनीक निर्माण समय और लागत दोनों को कम करती है तथा भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों को अधिक किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लगभग 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित करने की इसकी क्षमता भारत के लिए अंतरिक्ष व्यवसाय के नए अवसर खोलती है।

इस मिशन के साथ भेजे गए छह पेलोड भी भारत की वैज्ञानिक सोच और नवाचार का परिचय देते हैं। इनमें अंतरिक्ष में रोबोटिक तकनीक का परीक्षण करने वाला उपकरण, भविष्य के उपग्रहों के लिए नई प्रणालियों का परीक्षण करने वाला क्यूबसैट, नई अंतरिक्ष तकनीकों के सत्यापन हेतु परीक्षण उपग्रह, उपग्रह पृथक्करण प्रणाली की जांच करने वाला यंत्र, स्वर्ण और हीरों से निर्मित विशेष अंतरिक्ष कला तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हस्तलिखित संदेश शामिल था। इन पेलोड ने यह दशार्या कि भारत विज्ञान के साथ संस्कृति, नवाचार और रचनात्मकता का भी सुंदर समन्वय कर रहा है। इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है जहां निजी कंपनियां स्वयं ऑर्बिटल रॉकेट विकसित कर अंतरिक्ष में सफल प्रक्षेपण करने में सक्षम हैं। अब तक यह उपलब्धि मुख्य रूप से अमेरिका और चीन जैसे देशों के पास थी। भारत का इस सूची में शामिल होना केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

आज भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र केवल वैज्ञानिक अनुसंधान तक सीमित नहीं रहा। यह देश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, रोजगार, रक्षा, संचार, कृषि, मौसम पूवार्नुमान और आपदा प्रबंधन जैसे अनेक क्षेत्रों की आधारशिला बन चुका है। निजी कंपनियों की भागीदारी से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, नई तकनीकों का विकास होगा, निवेश आकर्षित होगा और हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी

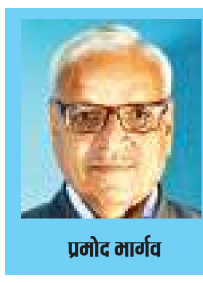
प्रमोद भार्गव

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं।

विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चचाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं।

प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं।

बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई।

बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलोचिस्तान में बलोचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतैव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलोचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी, जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलोचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलोचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलोच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलोच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलोचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है।

पाकिस्तान की आजादी के साथ बलोचिस्तान का मुद्दा जुड़ा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलोचिस्तान का है। लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलोच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। इनमें आपस में खूब भाईचारा है। भगवान शिव की पत्नी सती का हिंगलाज मंदिर इसी बलोच क्षेत्र में आता है। अनेक मुसलमान भी देवी सती की पूजा-अर्चना करते हैं, क्योंकि ये धर्मांतरित है। यहां से कभी सांप्रदायिक दंगों की खबरें नहीं आती हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलोच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलोचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। पीओके और बलोचिस्तान पाक के लिए बहिष्कृत क्षेत्र हैं। पीओके की जमीन का इस्तेमाल वह, जहां भारत के खिलाफ शिविर लगाकर गरीब व लाचार मुस्लिम किशोरों को आतंकवादी बनाने का प्रशिक्षण देता रहा है, वहीं बलोचिस्तान की भूमि से खनिज व तेल का दोहन कर अपनी आर्थिक स्थिति बहाल किए हुए है। यहां सोना, तांबा, कोयला और प्राकृतिक गैसों के बड़े भंडार है, लेकिन इनसे कमाई का बड़ा हिस्सा पाक सरकार, सेना और चीनी कंपनियां हथिया लेती हैं। इस कारण लोगों का गुस्सा उबाल पर है।

बलोचिस्तान की कलात रियासत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गई थी। लेकिन बलोचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया। लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है। नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी। इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है। 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे। फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है। पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलोचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलोचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय मजदूर संघ : श्रमिक चेतना का राष्ट्रवादी अध्याय

विपिन बिहारी पाठक

श्रम का राष्ट्रीयकरण करें, उद्योग का श्रमिकीकरण करें और राष्ट्र का औद्योगीकरण करें।-दत्तोपंत ठेंगड़ी

यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी के श्रम-दर्शन का सार है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वर्ग संघर्ष की संकीर्ण सोच से निकालकर राष्ट्रनिर्माण की व्यापक अवधारणा से जोड़ा। यही कारण है कि आज भी भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) केवल एक ट्रेड यूनियन नहीं, बल्कि राष्ट्रहित, श्रमिकहित और उद्योगहित के संतुलन का एक विशिष्ट मॉडल माना जाता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत वैचारिक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। विश्व का बड़ा हिस्सा साम्यवादी विचारधारा से प्रभावित था और भारतीय श्रमिक आंदोलन पर भी वामपंथी संगठनों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता था। उस समय श्रमिक आंदोलनों में 'वर्ग संघर्ष' की अवधारणा प्रमुख थी। दत्तोपंत ठेंगड़ी ने इस सोच को भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं माना। उनका विश्वास था कि श्रमिक, उद्योग और समाज एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक ही राष्ट्रीय परिवार के पूरक अंग हैं। इसलिए संघर्ष नहीं, सहयोग ही स्थायी विकास का मार्ग हो सकता है।

इसी विचार को व्यवहार में उतारने के लिए 23 जुलाई 1955 को, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती के दिन, भोपाल में भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई। इसकी शुरूआत अत्यंत साधारण परिस्थितियों में हुई। न कोई बड़ा संगठन, न सदस्यता, न कार्यालय और न ही आर्थिक संसाधन। केवल 35 कार्यकर्ताओं के साथ प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठनों में गिना जाता है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जन्म 10 नवंबर 1920 को महाराष्ट्र के वर्धा जिले के अरवी में हुआ। छात्र जीवन से ही उनमें राष्ट्र और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता थी। आगे चलकर वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने और संगठन निर्माण को अपना जीवन समर्पित कर दिया। भारतीय मजदूर संघ के अतिरिक्त उन्होंने भारतीय किसान संघ, स्वदेशी जागरण मंच और सामाजिक समरसता मंच जैसे अनेक संगठनों की स्थापना की। उल्लेखनीय है कि उन्हें पद्मभूषण सम्मान की घोषणा भी हुई, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

ठेंगड़ी जी की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने श्रमिक आंदोलन को राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा से अलग रखने का प्रयास किया। उनका मानना था कि ट्रेड यूनियन का मूल उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी राजनीतिक दल का विस्तार बनना। यही कारण है कि भारतीय मजदूर संघ ने स्वयं को दलगत राजनीति से अलग रखते हुए श्रमिकों के संगठन के रूप में विकसित किया।

बीएमएस की वैचारिक पृष्ठभूमि भारतीय संस्कृति और 'एकात्म मानववाद' पर आधारित है। यह मानती है कि जीवन में विविधता अवश्य है, किंतु उसके मूल में एकता निहित है। इसलिए श्रमिक और उद्योगपति परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास यात्रा के सहभागी हैं। यदि दोनों के बीच विश्वास और सहयोग का वातावरण बने तो उत्पादन भी बढ़ेगा और श्रमिकों का सम्मान भी सुरक्षित रहेगा।

इसी सोच से प्रेरित होकर दत्तोपंत ठेंगड़ी ने 'अधिकतम उत्पादन और समान वितरण' का सिद्धांत दिया। उन्होंने पूंजीवाद की केवल उत्पादन-केंद्रित सोच और समाजवाद की केवल वितरण-केंद्रित सोच के स्थान पर संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उनका मानना था कि अधिक उत्पादन राष्ट्र का कर्तव्य है और उत्पादन के लाभ का न्यायपूर्ण वितरण श्रमिक का अधिकार।

भारतीय मजदूर संघ का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य–'हम राष्ट्रहित में काम करेंगे और पूर्ण वेतन की मांग करेंगे'–आज भी श्रम और राष्ट्र के बीच संतुलन का संदेश देता है। यह नारा बताता है कि श्रमिक का संघर्ष केवल अधिकारों के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि के लिए भी होना चाहिए।

दत्तोपंत ठेंगड़ी ने श्रमिक आंदोलन में राष्ट्रवादी नारों की भी नई परंपरा विकसित की। उन्होंने उस दौर के अंतरराष्ट्रीय क्रांतिकारी नारों के स्थान पर भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विचार प्रस्तुत किए। 'श्रम का राष्ट्रीयकरण, उद्योग का श्रमिकीकरण और राष्ट्र का औद्योगीकरण' का उनका संदेश श्रमिक को केवल मजदूर नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में स्थापित करता है। बीएमएस ने 'औद्योगिक परिवार' की अवधारणा भी दी, जिसमें श्रमिक, प्रबंधन और समाज तीनों को विकास की साझी इकाई माना गया।

ठेंगड़ी जी ने स्व-रोजगार और पारंपरिक कारीगरों के महत्व को भी समय रहते पहचान लिया था। उन्होंने सुनार, लोहार, कुम्हार, दर्जी, नाई, धोबी जैसे पारंपरिक व्यवसायों को 'विश्वकर्मा क्षेत्र' की संज्ञा दी और इसे जनता का क्षेत्र बताया। यह दृष्टि आज 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और कौशल विकास जैसे अभियानों के संदर्भ में और भी प्रासंगिक प्रतीत होती है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी केवल संगठनकर्ता ही नहीं, बल्कि गंभीर चिंतक और विपुल लेखक भी थे। उन्होंने हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनेक पुस्तकों के माध्यम से श्रम, अर्थनीति, स्वदेशी और राष्ट्रवाद पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उनका मानना था कि आधुनिकीकरण आवश्यक है, परंतु उसका अर्थ पश्चिमीकरण नहीं हो सकता। विकास का भारतीय मॉडल भारतीय समाज, संस्कृति और परिस्थितियों के अनुरूप ही होना चाहिए।

आज भारतीय मजदूर संघ देशभर में हजारों संबद्ध यूनियनों और व्यापक सदस्य आधार के साथ श्रमिक हितों की आवाज बन चुका है। समय-समय पर उसने विभिन्न सरकारों की उन नीतियों का भी विरोध किया जिन्हें उसने श्रमिक हितों के प्रतिकूल माना। इससे स्पष्ट होता है कि उसका मूल आग्रह श्रमिक हित और राष्ट्रीय हित के संतुलन पर रहा है।

दत्तोपंत ठेंगड़ी का जीवन हमें यह सिखाता है कि राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि श्रमिक, किसान, उद्योग, समाज और संस्कृति-सभी के समन्वित प्रयास का परिणाम है। उन्होंने भारतीय श्रमिक आंदोलन को वैचारिक दिशा दी और यह विश्वास जगाया कि श्रम केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च माध्यम भी हो सकता है। आज, जब भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है, तब ठेंगड़ी जी का श्रम-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक और प्रेरणास्पद दिखाई देता है।

(लेखक, भारतीय मजदूर संघ, उत्तर प्रदेश के मंत्री हैं।)

हर खोज बीमारी नहीं होती

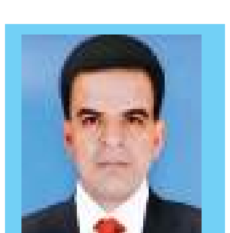
कांतिलाल मांडोत

डिजिटल युग ने जानकारी तक पहुंच को बेहद आसान बना दिया है। आज किसी भी विषय पर कुछ ही सेकंड में उत्तर मिल जाता है। स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी भी अब हर व्यक्ति की उंगलियों पर उपलब्ध है। सिरदर्द हो, बुखार आए, पेट में दर्द हो या शरीर पर कोई दाग दिखाई दे, अधिकांश लोग सबसे पहले डॉक्टर के पास जाने के बजाय गूगल या एआइ से पूछना पसंद करते हैं। यह सुविधा कई बार उपयोगी साबित होती है, लेकिन जब यही आदत जरूरत से ज्यादा बढ़ जाती है तो यह मानसिक तनाव और अनावश्यक भय का कारण बन सकती है। इसी स्थिति को चिकित्सा विज्ञान में साइबरकॉन्ड्रिया कहा जाता है। यह एक ऐसी समस्या है जिसमें व्यक्ति इंटरनेट पर बार-बार अपने लक्षणों के बारे में खोज करता है और सामान्य परेशानी को भी गंभीर बीमारी मानकर चिंता में डूब जाता है। नागपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के चिकित्सकों द्वारा किए गए अध्ययन ने इस बढ़ती समस्या की गंभीर तस्वीर सामने रखी है। अध्ययन के अनुसार हर पांचवां युवा किसी न किसी स्तर पर साइबरकॉन्ड्रिया का शिकार है। विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। महामारी के दौरान लोगों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए इंटरनेट का व्यापक उपयोग किया। इससे जागरूकता तो बढ़ी, लेकिन साथ ही बीमारी को लेकर अनावश्यक डर और भ्रम भी बढ़ने लगा। अब सामान्य सिरदर्द या खांसी भी कई लोगों को इंटरनेट पर पढ़ी गई गंभीर बीमारियों से जोड़कर परेशान कर देती है।

अध्ययन में यह भी सामने आया कि इंटरनेट पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी खोजने वाले 53 प्रतिशत लोगों को चिंता, मानसिक तनाव या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा। लगभग 60 प्रतिशत लोगों ने ऑनलाइन जानकारी पढ़ने के बाद डॉक्टर से सलाह ली, लेकिन जांच में पता चला कि उन्हें वह गंभीर बीमारी थी ही नहीं जिसकी आशंका उन्हें इंटरनेट से हुई थी। इसका अर्थ यह है कि कई लोग केवल इंटरनेट पर मिली अधूरी या गलत जानकारी के कारण मानसिक तनाव झेलते हैं और अनावश्यक जांच तथा इलाज पर पैसा खर्च कर देते हैं। युवाओं में यह समस्या अधिक देखने को मिल रही है। अध्ययन के अनुसार साइबरकॉन्ड्रिया से प्रभावित लगभग 70 प्रतिशत लोग 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के हैं। कम उम्र के लोग तकनीक और इंटरनेट का अधिक उपयोग करते हैं। वे सोशल मीडिया, वीडियो प्लेटफॉर्म और एआइ चैटबॉट्स पर काफी समय बिताते हैं। स्वास्थ्य संबंधी कोई भी लक्षण दिखाई देते ही वे तुरंत इंटरनेट पर खोज शुरू कर देते हैं। कई बार उन्हें ऐसे लेख या वीडियो मिल जाते हैं जो सबसे गंभीर संभावनाओं पर जोर देते हैं। इससे उनका डर और बढ़ जाता है। धीरे-धीरे यह आदत चिंता का रूप ले लेती है।

भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन का तेजी से बढ़ता उपयोग भी इस समस्या का बड़ा कारण है। देश में लगभग 92 प्रतिशत लोग प्रतिदिन इंटरनेट का उपयोग करते हैं। इनमें से 61 प्रतिशत लोग रोज चार घंटे से अधिक समय ऑनलाइन बिताते हैं और लगभग 70 प्रतिशत लोग रात में भी इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। यही वह समय होता है जब लोग स्वास्थ्य संबंधी लक्षणों के बारे में पढ़ते-पढ़ते चिंता में घिर जाते हैं। रात के समय अकेले में इंटरनेट पर गंभीर बीमारियों की जानकारी पढ़ने से मानसिक तनाव और अधिक बढ़ सकता है। जो लोग प्रतिदिन एआइ का उपयोग करते हैं या लंबे समय से इंटरनेट पर बीमारियों के बारे में पढ़ते रहते हैं, उनमें साइबरकॉन्ड्रिया का खतरा अधिक पाया गया है। यदि स्वयं व्यक्ति या उसके परिवार का कोई सदस्य पहले से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित रहा हो तो यह संभावना और बढ़ जाती है। ऐसे लोग हर छोटे लक्षण को बड़ी बीमारी से जोड़कर देखने लगते हैं और लगातार इंटरनेट पर नए-नए उत्तर खोजते रहते हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री की विभिन्न रिपोर्टों ने भी इस समस्या को गंभीर माना है। रिपोर्टों के अनुसार भारतीय वयस्कों का एक बड़ा वर्ग मध्यम से गंभीर स्तर के साइबरकॉन्ड्रिया से प्रभावित है। स्मार्टफोन की बढ़ती लत और स्वास्थ्य संबंधी सामग्री की आसान उपलब्धता इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। कुछ अध्ययनों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कर्मचारियों तथा कुछ राज्यों के युवाओं में यह समस्या अपेक्षाकृत अधिक पाई गई है। लगातार स्क्रीन पर रहना और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का अत्यधिक उपभोग मानसिक चिंता को बढ़ावा देता है।

साइबरकॉन्ड्रिया केवल मानसिक तनाव तक सीमित नहीं रहता। इसका असर व्यक्ति के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर भी पड़ता है। कई लोग बार-बार डॉक्टर बदलते हैं, अनेक प्रकार की जांच करवाते हैं और अनावश्यक दवाइयां लेने लगते हैं। इससे आर्थिक बोझ बढ़ता है। दूसरी ओर लगातार बीमारी की चिंता व्यक्ति के काम, पढ़ाई और पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित करती है। कई बार व्यक्ति सामान्य जीवन का आनंद लेने के बजाय हर समय अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इंटरनेट या एआइ से स्वास्थ्य संबंधी सामान्य जानकारी लेना गलत नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब व्यक्ति इंटरनेट को ही अंतिम डॉक्टर मान लेता है। इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी सामान्य होती है, जबकि हर व्यक्ति की शारीरिक स्थिति, आयु, चिकित्सा इतिहास और जांच रिपोर्ट अलग होती है। इसलिए केवल ऑनलाइन जानकारी के आधार पर किसी बीमारी का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। एआइ और सर्च इंजन जानकारी दे सकते हैं, लेकिन वे चिकित्सकीय जांच, परीक्षण और विशेषज्ञ डॉक्टर के अनुभव का स्थान नहीं ले सकते। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए केवल विश्वसनीय स्रोतों पर ही भरोसा करना चाहिए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों की वेबसाइटें अपेक्षाकृत अधिक भरोसेमंद होती हैं। सोशल मीडिया पोस्ट, बिना प्रमाण वाले वीडियो या अपुष्ट दावों पर विश्वास करने से बचना चाहिए। यदि कोई लक्षण लंबे समय तक बना रहे या गंभीर हो तो इंटरनेट पर बार-बार खोज करने के बजाय सीधे योग्य चिकित्सक से सलाह लेना अधिक सुरक्षित और प्रभावी उपाय है।

परिवार और शिक्षण संस्थानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। युवाओं को डिजिटल साक्षरता के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारी का सही उपयोग करना सिखाया जाना चाहिए। यह समझाना जरूरी है कि इंटरनेट जागरूकता का माध्यम है, लेकिन स्वयं निदान करने का उपकरण नहीं। मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना आवश्यक है क्योंकि लगातार चिंता और डर व्यक्ति को अवसाद तथा अन्य मानसिक समस्याओं की ओर ले जा सकते हैं। आज जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं, तब इनका संतुलित उपयोग ही सबसे बड़ा समाधान है। तकनीक का उद्देश्य जीवन को आसान बनाना है, न कि अनावश्यक भय पैदा करना। हर दर्द किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होता और हर जानकारी हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। इसलिए विवेकपूर्ण सोच, विश्वसनीय जानकारी और समय पर चिकित्सकीय परामर्श ही साइबरकॉन्ड्रिया जैसी बढ़ती समस्या से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। इंटरनेट और एआइ को सहायक साधन की तरह इस्तेमाल करें, लेकिन अपने स्वास्थ्य का अंतिम निर्णय हमेशा प्रशिक्षित चिकित्सक पर ही छोड़ें।

आज का राशिफल

मेष- मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

वृष- समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें।

मिथुन- हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग।

कर्क- कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा।

सिंह- मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी।

कन्या- अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

तुला- अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

वृश्चिक- पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

धनु- कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

मकर- आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

कुंभ- खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे।

मीन- जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी।

संक्षिप्त खबरें

फरार अपराधियों पर हजारीबाग पुलिस का बड़ा शिकंजा, विशेष अभियान में 17 गिरफ्तार

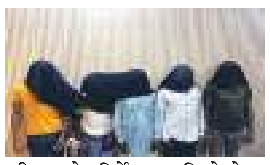

हजारीबाग। जिले में फरार अपराधियों, वारंटियों और विभिन्न मामलों के अभियुक्तों के खिलाफ हजारीबाग पुलिस ने विशेष समकालीन छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान 17 फरार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान को सफल बनाने के लिए थाना प्रभारियों के नेतृत्व में जिलेभर में 28 टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों में 91 पुलिस पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे। सभी टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी कर फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की। हजारीबाग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि उनके क्षेत्र में कोई फरार अपराधी या वारंटी छिपा हुआ है या गिरफ्तारी से बचने के लिए घूम रहा है, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना को दें। सूचना का सत्यापन कर तत्काल आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हजारीबाग यूथ विंग ने ट्रैफिक जवानों को भेंट किए रेनकोट, एसपी ने की सराहना

हजारीबाग। लगातार बारिश के बीच ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों की सुरक्षा और सम्मान के उद्देश्य से हजारीबाग यूथ विंग ने सोमवार को सीसीआर परिसर में रेनकोट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। पहले चरण में 60 से अधिक ट्रैफिक जवानों को रेनकोट उपलब्ध कराए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने कहा कि हर मौसम में नागरिकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में जुटे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के लिए हजारीबाग यूथ विंग का यह प्रयास सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवा कार्य पुलिस और समाज के बीच विश्वास को और मजबूत करते हैं। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि समाज की सुरक्षा में दिन-रात लगे फ्रंटलाइन पुलिस वॉरियर्स का सम्मान करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे भी जनहित के कार्य निरंतर करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन सेजल सिंह, खुशी कुमारी और वर्षा डे ने संयुक्त रूप से किया, जबकि स्वागत भाषण संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने दिया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारी, सदस्य एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

मतदाता सूची अद्यतन में सहयोग करें, समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करें: मनोज नारायण भगत

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मनोज नारायण भगत ने शहर के विभिन्न वार्डों एवं मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण और डिजिटाइजेशन कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों और कार्यकताओं से संवाद कर समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करने की अपील की। मनोज नारायण भगत ने कहा कि मतदाता सूची का अद्यतन और डिजिटाइजेशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे अपना गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) भरकर संबंधित बीएलओ के पास जल्द से जल्द जमा करें, ताकि डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय पर पूरा हो सके। जिन मतदाताओं का नाम सूची में नहीं जुड़ा है या जिन्हें अब तक फॉर्म प्राप्त नहीं हुआ है, वे अपने निकटतम मतदान केंद्र पर पहुंचकर बीएलओ से फॉर्म प्राप्त करें, उसे भरकर तुरंत जमा करें। मनोज नारायण भगत ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक वोट का महत्व है और कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता भी क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने और फॉर्म भरने व जमा कराने में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही जिला प्रशासन से डिजिटाइजेशन प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी बनाए रखने की मांग की।

बारिश की बेरुखी से कटकमसांडी में सूखे जैसे हालात, धान की खेती पर संकट

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड में कमजोर मानसून के कारण किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। जुलाई का अधिकांश समय बीत जाने के बावजूद सामान्य से कम बारिश होने से धान की खेती प्रभावित हो रही है। किसानों ने कर्ज लेकर और डीजल इंजन व मोटर पंप के सहारे किसी तरह धान का बिचड़ा तैयार किया, लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं होने से खेत सूखने लगे हैं और रोपाई का कार्य लगभग ठप पड़ गया है। प्रखंड के कई गांवों में खेत खाली पड़े हैं। जहां रोपाई शुरू हुई थी, वहां भी पानी की कमी के कारण धान के पौधे मुरझाने लगे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और वर्षा की कमी से खेतों की नमी खत्म हो रही है, जिससे इस वर्ष अच्छी पैदावार की उम्मीद कमजोर पड़ती दिख रही है। किसानों का कहना है कि डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण लगातार मोटर चलाकर सिंचाई करना संभव नहीं है। इसका सबसे अधिक असर छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो धान उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होगा और हजारों किसान परिवार आर्थिक संकट में आ जाएंगे।

एक सप्ताह में 7 लावारिस शवों ने झकझोरा हजारीबाग, क्या दम तोड़ रही है इंसानियत और सामाजिक संवेदना?

रंजन चौधरी

अस्पताल परिसर से मिले दो अज्ञात शवों ने खड़े किए गंभीर सवाल, समाज और व्यवस्था दोनों को करना होगा आत्ममंथन

हजारीबाग। अमन-चैन और सामाजिक सौहार्द के लिए पहचाने जाने वाले हजारीबाग में पिछले एक सप्ताह के दौरान लावारिस हालत में सात शव मिलने की घटनाओं ने पूरे जिले को झकझोर दिया है। इनमें से पांच शव अब भी अज्ञात हैं और उनकी पहचान के इंतजार में शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में रखे गए हैं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने केवल कानून-व्यवस्था ही नहीं, बल्कि समाज की मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक जिम्मेदारी और इंसानियत पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इन शवों में दो अस्पताल परिसर से बरामद हुए। एक शव वार्ड से और दूसरा ट्रॉमा सेंटर के बाहर मिला। जहां लोग जीवन बचाने की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं, वहीं अस्पताल परिसर से अज्ञात शवों का मिलना व्यवस्था और सामाजिक संवेदनशीलता दोनों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। पिछले एक सप्ताह में झील स्थित मत्स्य विभाग के समीप, हीराबाग चौक के पास नाले से, नगवां-चुरचू क्षेत्र की पत्थर खदान से, रेलवे स्टेशन की बोगी से तथा अस्पताल परिसर से शव मिलने की घटनाएं कई सवाल छोड़ जाती हैं। यदि समय रहते इनकी पहचान नहीं हो सकी तो संभव है कि अन्य लावारिस शवों की तरह इनका भी अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा और इनके जीवन की पूरी कहानी हमेशा के लिए अनजान रह जाएगी। इन शवों को सम्मानपूर्वक उठाने और पहचान के लिए सुरक्षित रखने का कार्य मुक्तिधाम सेवा संस्थान के सचिव सह वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार और उनकी टीम ने किया। कई दिनों से पड़े शवों की दुर्गंध और कठिन परिस्थितियों के बीच उन्होंने मानवीय सेवा का परिचय दिया। हीराबाग के दलदली नाले से शव निकालना जोखिम भरा था, फिर भी उन्होंने पूरी सावधानी के साथ यह जिम्मेदारी निभाई। उनका यह कार्य मानवीय संवेदना का प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है।

हालांकि, सवाल केवल अंतिम संस्कार तक सीमित नहीं है। समाज को यह भी सोचना होगा कि आखिर ऐसी परिस्थितियां क्यों बन रही हैं, जहां लोग अज्ञात और बेसहारा होकर मौत के बाद भी पहचान का इंतजार करते रह जाते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि मानसिक तनाव, अवसाद, आर्थिक संकट, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और पारिवारिक विघटन जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। कई मामलों में दुर्घटनाग्रस्त या असहाय लोगों की मदद करने के बजाय लोग उन्हें अनदेखा कर देते हैं। जरूरत इस बात की है कि समाज संवेदनशील बने, जरूरतमंदों को समय पर अस्पताल पहुंचाए और उनके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का प्रयास करे।

सिर्फ प्रशासन को दोष देना इस समस्या का समाधान नहीं है। समाज, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। परिवारों में संवाद बढ़ाने, मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा करने और नशा मुक्ति को सामाजिक अभियान बनाने की आवश्यकता है।

वहीं प्रशासन को भी अस्पतालों सहित संवेदनशील और सुनसान क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था मजबूत करनी होगी। सीसीटीवी, बेसहारा लोगों की पहचान और पुनर्वास जैसी व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाने की जरूरत है, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

हजारीबाग हमेशा अपनी सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों के लिए जाना जाता रहा है। यदि लावारिस शवों की इन घटनाओं को केवल खबर मानकर भुला दिया गया, तो आने वाले समय में यह समाज के लिए और भी गंभीर चुनौती बन सकती है। आखिर हर लावारिस शव के पीछे एक जीवन, एक परिवार और एक अधूरी कहानी होती है। इन घटनाओं को केवल आंकड़ों की तरह नहीं, बल्कि इंसानियत को झकझोरने वाली चेतावनी के रूप में देखने की जरूरत है।

उद्योग विभाग की योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश, लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में उद्योग विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न औद्योगिक एवं स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के तहत निमार्णाधीन माइक्रो कॉमन फैसिलिटी सेंटर (माइक्रो सीएफसी) के कार्यों में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के साथ बैठक कर जेआईआईडीसीओ द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने तथा आ रही बाधाओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

हाल ही में आयोजित हैंडक्राफ्ट मेला 'शिल्पोत्सव' के सफल आयोजन पर उपायुक्त ने मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड एवं जिला उद्योग केंद्र की टीम की सराहना की। उन्होंने महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र को जिले के हस्तशिल्प कारीगरों के साथ बैठक कर अगले हैंडक्राफ्ट मेले की तिथि तय करने और अभी से तैयारियां शुरू करने का निर्देश दिया।

बैठक में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने योजना के लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए सभी बैंकों के जिला समन्वयकों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने तथा पात्र लाभुकों को समय पर योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के इच्छुक योग्य युवाओं को बैंक ऋण उपलब्ध कराने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

उपायुक्त ने मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड को आगामी गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाली झांकी में भाग लेने का भी निर्देश दिया, ताकि जिले के हस्तशिल्प एवं कुटीर उद्योगों की उपलब्धियों का प्रभावी प्रदर्शन किया जा सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, मुख्यमंत्री लघु कुटीर बोर्ड के प्रतिनिधि तथा विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित थे।

पेपर लीक के विरोध में हजारीबाग में छात्रों का मार्च, केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला दहन

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और धांधली के विरोध में चल रहे आंदोलन के समर्थन में सोमवार को हजारीबाग में छात्र युवा अधिकार संघ के बैनर तले पैदल मार्च निकाला गया। गांधी मैदान से जिला परिषद चौक तक मार्च निकालने के बाद प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पेपर लीक पर रोक लगाने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने, सरकारी शिक्षा को मजबूत बनाने तथा जिम्मेदारी तय करने की मांग की। जिला परिषद चौक पर नीट पेपर लीक प्रकरण के बाद जान गंवाने वाले 21 छात्रों को श्रद्धांजलि भी दी गई। कार्यक्रम का संचालन राधे मेहता ने किया। सभा को संबोधित करते हुए जीवन यादव ने कहा कि वर्षों की मेहनत के बाद पेपर लीक जैसी घटनाएं छात्रों के सपनों को तोड़ देती हैं, इसलिए सरकार को इसकी जवाबदेही तय करनी चाहिए। रविंद्र पासवान ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि युवाओं के आक्रोश का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में सुधार और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग की। उन्होंने पर्यावरणविद सोनम वांगचुक के आंदोलन का भी समर्थन जताया। अभिषेक राज कुशवाहा ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए छात्रों का आंदोलन जारी रहेगा। दीपशिखा ने कहा कि लगातार सामने आ रही कथित पेपर लीक और अनियमितताओं से सबसे अधिक नुकसान छात्रों और युवाओं को हुआ है, जिससे उनमें निराशा बढ़ी है। नीरज यादव और विनय कुमार ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। उन्होंने एजेंसी को भंग करने तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग की।

कार्यक्रम में जीवन कुमार, आशीष कुमार, रविंद्र पासवान, राधे मेहता, विनय कुमार, इफ़्फ़त, पुरुषोत्तम सरवर, विक्रम कुमार, दीपशिखा, राजेश कुमार, नीतू कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-युवा मौजूद थे।

हिन्दू राष्ट्रसंघ 5 अगस्त को मनाएगा छठा स्थापना दिवस

सिलवार पहाड़ पर फहराया जाएगा 20 फीट ऊंचा भगवा ध्वज

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हिन्दू राष्ट्रसंघ का छठा स्थापना दिवस 5 अगस्त को विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में प्रदेश अध्यक्ष शशि भूषण केशरी की अध्यक्षता में संगठन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरूआत जय श्री राम के उद्घोष के साथ हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए शशि भूषण केशरी ने बताया कि स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ सुबह 11 बजे बुढ़वा महादेव मंदिर परिसर में बेल वृक्ष का पौधारोपण कर किया जाएगा। इसके बाद संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सिलवार पहाड़ के लिए रवाना होंगे, जहां 20 फीट ऊंचा भगवा ध्वज फहराया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों के बीच भोग-प्रसाद और खिचड़ी का वितरण किया जाएगा।

शशि भूषण केशरी ने अधिक से अधिक लोगों से स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि संगठन सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने लोगों से कार्यक्रम में शामिल होकर संगठन को सहयोग एवं मजबूती प्रदान करने का आह्वान किया। बैठक में हिन्दू राष्ट्रसंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यपाल से मिले पूर्व सैनिक, आरक्षण समेत विभिन्न मांगों का सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

रांची/ हजारीबाग। रांची ,पूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट, झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों, अर्धसैनिक बलों तथा उनके आश्रितों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि झारखंड में पूर्व सैनिकों को राज्य सरकारी सेवाओं में आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा है, जबकि कई अन्य राज्यों में यह व्यवस्था लागू है। ज्ञापन में राज्य की ग्रुप 'ए', 'बी', 'सी' और 'डी' सेवाओं में पूर्व सैनिकों के लिए कम से कम 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग की गई। महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, मेडिकल, इंजीनियरिंग, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य व्यावसायिक शिक्षण संस्थानों में आरक्षण या विशेष कोटा, छात्रवृत्ति, शुल्क में रियायत, छात्रावास सुविधा तथा इस संबंध में स्पष्ट सरकारी नीति और अधिसूचना जारी करने की मांग भी रखी गई। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विषयों को राज्य सरकार के समक्ष रखने और सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सैनिक कल्याण पदाधिकारी ब्रिगेडियर निरंजन कुमार से भी मुलाकात कर पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों, वीर नारियों और उनके आश्रितों से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने भी मांगों पर सकारात्मक सहयोग का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद ओझा, सचिव ऑनरेरी कैप्टन अवध कुमार भारती , हजारीबाग जिला अध्यक्ष महेंद्र गोप, वरिष्ठ सलाहकार ऑनरेरी कैप्टन राजदीप कुमार प्रसाद (सेवानिवृत्त) तथा सदस्य नरेश मेहता मौजूद रहे।

जिला मत्स्य कार्यालय परिसर में मिला अज्ञात युवक का शव, सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग शहर में रहस्यमयी मौतों और हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को लोहसिंघना थाना क्षेत्र स्थित जिला मत्स्य कार्यालय परिसर में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पुलिस को परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पता चला कि युवक देर रात बाउंड्री पार कर कार्यालय परिसर में दाखिल हुआ था। इसके बाद वह पाइप के सहारे भवन की छत पर चढ़ने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान पाइप टूट गई और वह ऊंचाई से नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसे पुलिस महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में जांच रही है। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के थानों से गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इधर, शहर में लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में हीराबाग क्षेत्र में नाले के पास एक व्यक्ति का शव मिला था। वहीं, बिजली विभाग के एक कर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। डेमोटांड स्थित डेंटल कॉलेज की कैंटीन के संचालक की भी मौत हुई थी। इसके अलावा भी शहर के विभिन्न हिस्सों से शव मिलने और सड़क हादसों में लोगों की जान जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं के बाद शहरवासियों ने सुरक्षा व्यवस्था और रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाने की मांग की है।

लापरवाही एनएच-20 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से दो गायों की मौत

बरसात में लापरवाही बन रही बेजुबान पशुओं की मौत का कारण : महापौर

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग में लगातार हो रही बारिश के बीच मवेशियों को खुले में छोड़ने की लापरवाही उनके लिए जानलेवा साबित हो रही है। रविवार देर रात एनएच-20 स्थित सिंघानी ओवरब्रिज के समीप इंटर साइंस कॉलेज जाने वाले मार्ग पर सड़क पर बैठे मवेशी एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में दो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक नंदी गंभीर रूप से घायल हो गया।

सोमवार सुबह विद्यालय जा रहे बच्चों ने घटना देखी और इसकी सूचना महापौर अरविंद कुमार राणा को दी। महापौर ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे राष्ट्रीय राजमार्ग एंबुलेंस सेवा (1033) को सूचना देकर सहायता मांगी गई, लेकिन आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके बाद नगर निगम की ओर से हेड जमादार को जेसीबी और ट्रैक्टर के साथ मौके पर भेजा गया। मृत दोनों गायों को सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार के लिए डंपिंग यार्ड भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल नंदी को उपचार के लिए हजारीबाग गौशाला पहुंचाया गया।

महापौर ने बताया कि घायल नंदी के दोनों पैर और जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। चिकित्सकों ने उसकी हालत चिंताजनक बताई है। उनके अनुरोध पर पशु चिकित्सक डॉ. रंजीत बारिश के बीच मौके पर पहुंचे और घायल नंदी को प्राथमिक उपचार देते हुए आवश्यक दवाएं व इंजेक्शन दिए। रेस्क्यू अभियान में समाजसेवी विकास कृष्ण गहलोत, छठ पूजा फल वितरण समिति के अभिषेक कुमार, जबरा के स्थानीय लोग तथा बजरंग दल के गोविंद कुमार यादव सहित कई लोगों ने सहयोग किया। लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद घायल नंदी को सुरक्षित निकालकर गौशाला पहुंचाया गया। महापौर अरविंद कुमार राणा ने पशुपालकों से बरसात के दिनों में मवेशियों को खुले में नहीं छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि रात में सूखी जगह की तलाश में मवेशी अक्सर सड़कों पर बैठ जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने वाहन चालकों से भी बारिश और अंधेरे के दौरान धीमी गति व सतर्कता के साथ वाहन चलाने की अपील करते हुए कहा कि थोड़ी-सी सावधानी कई बेजुबान पशुओं और लोगों की जान बचा सकती है।

औद्योगिक प्रशिक्षण से लौटे ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फार्मेसी के विद्यार्थी, फिर शुरू हुई पढ़ाई

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फामेर्सी के बी.फार्मा के छात्र-छात्राओं ने औद्योगिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद पुनः महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना शुरू कर दिया है। विद्यार्थियों ने उत्तराखंड के रुड़की स्थित तलवार फार्मा में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान उन्हें आधुनिक औषधि निर्माण की विभिन्न प्रक्रियाओं का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। प्रशिक्षण में पैलेट निर्माण, कैप्सूल फिलिंग, टैबलेट प्रोसेसिंग और पैकिंग की पूरी प्रक्रिया को आधुनिक मशीनों के माध्यम से समझाया गया। इससे विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाई गई सैद्धांतिक जानकारी को वास्तविक औद्योगिक वातावरण में समझने और उसे व्यवहारिक रूप से सीखने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. विपिन कुक्कर ने विद्यार्थियों को फार्मास्यूटिकल उद्योग की कार्यप्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस (जीएमपी) तथा उत्पादन प्रक्रिया से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण पूरा होने पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने इसे अपने करियर के लिए उपयोगी और प्रेरणादायक अनुभव बताया।

प्रशिक्षण के अगले दिन विद्यार्थियों ने ऋषिकेश का शैक्षणिक भ्रमण भी किया। उन्होंने गंगा तट सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। इस यात्रा से उन्हें औद्योगिक ज्ञान के साथ सांस्कृतिक और सामाजिक अनुभव भी प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के सुरक्षित लौटने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे औद्योगिक प्रशिक्षण और शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान, व्यक्तित्व विकास तथा उद्योग जगत की समझ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न

साहिबगंज। झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 का आयोजन रविवार को साहिबगंज जिला मुख्यालय के 11 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तीन पालियों में आयोजित की गई। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित की थी। जिले में संध्या कॉलेज, संत जोसेफ अकादमी, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय पोखरिया, संत जेवियर विद्यालय (हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम), अपग्रेड नगर पालिका गर्ल्स हाई स्कूल, पूर्व रेलवे हाई स्कूल, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, राजस्थान इंटर स्कूल, पब्लिक हाई स्कूल तथा साहिबगंज कॉलेज सहित कुल 11 केंद्र बनाए गए थे। परीक्षा को कदाचारमुक्त बनाने के लिए 25 परीक्षा पर्यवेक्षक, 14 स्टैटिक दंडाधिकारी, 11 गश्ती दंडाधिकारी, चार उड़नदस्ता दल तथा दो स्ट्रांग रूम दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयास और जिम्मेदारी पूर्ण कार्यशैली के कारण परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकी।

सैन्य प्रशिक्षण पूरा कर गांव लौटे अग्निवीर प्रेमजीत, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

मेहरमा। प्रखंड की सुखाड़ी पंचायत अंतर्गत शोभापुर गांव निवासी गौतम पंडित के पुत्र एवं अग्निवीर जवान प्रेमजीत पंडित के छह माह का सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर गांव लौटने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रेमजीत ने महाराष्ट्र के नागपुर स्थित ब्रिगेड ऑफ द गार्ड्स प्रशिक्षण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। गांव पहुंचने पर परिवारजनों और ग्रामीणों ने फूल-मालाएं पहनाकर, अबीर-गुलाल लगाकर तथा डीजे की धुन पर उनका जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर परिवार की महिलाओं ने आरती उतारकर उनका अभिनंदन किया, जबकि ग्रामीणों ने आतिशबाजी कर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि देश सेवा का अवसर मिलना उनके लिए गर्व की बात है और वे पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। स्वागत समारोह में चंदन पंडित, कमलेश गोस्वामी, रुद्र गोस्वामी, नितेश ठाकुर, शिवम गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने प्रेमजीत को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और युवाओं के लिए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया।

अवैध वसूली के आरोप में पुलिस पदाधिकारी समेत पांच पुलिसकर्मी निलंबित

देवघर। देवघर के पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने अवैध वसूली के आरोप में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पदाधिकारी सहित पांच पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद की गई। जानकारी के अनुसार, दुमका जिले के जामा थाना क्षेत्र निवासी राजू पुजहर ने पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि कुंडा थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान तैनात पुलिसकर्मियों ने उससे 5,000 जुर्माने की मांग की। शिकायत में यह भी कहा गया कि बाद में पुलिसकर्मियों ने एक निजी व्यक्ति के बैंक खाते में ऑनलाइन माध्यम से 1,000 जमा करवाए। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच का दायित्व डीएसपी मुख्यालय को सौंपा। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने मौके पर तैनात एक पुलिस पदाधिकारी और चार आरक्षियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और अनुशासन हीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि आम जनता के साथ निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है तथा दोषी पाए जाने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई को पुलिस प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा

जामताड़ा। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 रविवार को जामताड़ा जिले के सभी 16 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा तीन पालियों में आयोजित की गई। कुल 4,380 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 1,060 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 3,320 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाहरणालय स्थित जिला नियंत्रण कक्ष पूरे समय सक्रिय रहा और सभी परीक्षा केंद्रों से लगातार संपर्क बनाए रखा गया। परीक्षा के नोडल पदाधिकारी एवं परियोजना निदेशक आईटीडीए जुगनू मिंज ने परीक्षा संचालन की सतत निगरानी की। सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन पर उपायुक्त ने सभी दंडाधिकारियों, उड़नदस्ता दल, पुलिस पदाधिकारियों, केंद्राधीक्षकों तथा परीक्षा कार्य में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

पुलिस अधीक्षक ने पथरगामा पुलिस निरीक्षक कार्यालय का किया निरीक्षण

पथरगामा। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार ने रविवार को पथरगामा पुलिस निरीक्षक कार्यालय का निरीक्षण कर कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण, लंबित मामलों की स्थिति तथा विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में पारदर्शिता, अनुशासन तथा जनता के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।
पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम लोगों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सेवा उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, अभिलेखों के व्यवस्थित संधारण तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही पुलिस अधिकारियों से जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने और शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज एवं पुलिस निरीक्षक विष्णु देव चौधरी ने पुलिस अधीक्षक का पौधा भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण और हरित पहल की सराहना भी की गई।
पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, नियमित गश्ती, संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी तथा पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के संबंध में आवश्यक सुझाव दिए।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने पेयजल व स्वच्छता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की

जलापूर्ति योजनाओं में तेजी लाने व लापरवाह एजेंसियों पर कार्रवाई के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित योजनाओं में तेजी लाने तथा लापरवाही बरतने वाली

एजेंसियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। बैठक में संथाल परगना प्रमंडल के दुमका, देवघर, पाकुड़ और जामताड़ा जिलों में संचालित जलापूर्ति एवं स्वच्छता योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि जिन योजनाओं की प्रगति धीमी है, उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। जिन जलापूर्ति योजनाओं का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन उनका संचालन अभी तक शुरू नहीं हुआ है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र चालू किया जाए ताकि लोगों को नियमित और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान मंत्री ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन योजनाओं के प्रभावी संचालन पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम स्तर पर निर्मित सभी परिसंपत्तियों पूरी तरह क्रियाशील रहें तथा प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को प्राथमिकता देते हुए गांवों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाए। बैठक में बताया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति 38.9 प्रतिशत तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति 91.78 प्रतिशत है। इस पर मंत्री ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित सभी आवश्यक संरचनाओं का निर्माण शीघ्र पूरा करने और अधिक से अधिक गांवों को ओडीएफ प्लस श्रेणी में शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यपालक अभियंताओं को योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा कार्यादेश मिलने के बावजूद समय पर कार्य पूरा नहीं करने वाले संवेदकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। बैठक में विधायक उदय शंकर सिंह, विधायक देवेंद्र कुंवर, अभियान निदेशक रंजीता हेम्ब्रम, उपायुक्त अभिजीत सिन्हा, उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंडल कारा में जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर और विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में रविवार को मंडल कारा साहिबगंज में मासिक जेल अदालत, स्वास्थ्य शिविर एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, स्वास्थ्य सेवाएं तथा पुनर्वास योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना था। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नालसा की 'स्पर्श योजना-2025' के तहत उपलब्ध कानूनी सहायता, परामर्श और मार्गदर्शन की जानकारी साझा करते हुए कहा कि जिन बंदियों के पास अधिवक्ता

नहीं हैं, उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बंदियों के पुनर्वास, कौशल विकास तथा रिहाई के बाद रोजगारोन्मुख अवसरों से जोड़ने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।
साथ ही उनके परिजनों को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जीने तथा भविष्य में अपराध से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। सचिव ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य केवल कानूनी सहायता देना नहीं, बल्कि बंदियों के सामाजिक पुनर्वास को भी सुनिश्चित करना है।
शिविर में चिकित्सकों द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल एवं उनकी टीम ने ऐसे बंदियों की पहचान की, जिन्हें अब तक अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हो सके थे। उनके लिए शीघ्र विधिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। साथ ही सभी बंदियों को उनके मामलों की अद्यतन स्थिति से भी अवगत कराया गया।

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के तहत डिजिटल साक्षरता व साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड सरकार के निर्देश तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार को 'बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, विशेषकर किशोरियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित व्यवहार, साइबर अपराधों से बचाव तथा जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करना था।
गतिविधि कैलेंडर के अंतर्गत शिकारीपाड़ा प्रखंड के राजकीय प्लस-टू उच्च विद्यालय, शिकारीपाड़ा तथा रानीश्वर प्रखंड के पीएम श्री उच्च विद्यालय, कुमिरदाहा में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। उन्होंने

ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग, फर्जी लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, साइबर कानून तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही विद्यार्थियों को यह भी समझाया गया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल संबंधित प्राधिकरण को सूचना दें और सतर्कता के साथ डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें।
कार्यक्रम में बताया गया कि 'बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जिले के चयनित विद्यालयों में प्रत्येक माह अलग-अलग विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य किशोरियों और विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना, उनमें साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें ऑनलाइन अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना है। इस अभियान के सफल संचालन में जिला समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, सेंटर फॉर कैटलाइजिंग चेंज (सी-3) तथा यूनिसेफ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम में सी-3 के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी गौरव कुमार, यूनिसेफ की क्षेत्रीय समन्वयक ज्योत्सना हेम्ब्रम, शिकारीपाड़ा एवं रानीश्वर प्रखंड की महिला पर्यवेक्षिकाएं, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट आत्मनिर्भरता समाज के कमजोर वर्गों के लिए सुरक्षा कवच : डालसा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश कुमार तथा सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर सदर प्रखंड के निपनियां पंचायत भवन में जनसंपर्क एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। डालसा की टीम में शामिल एलएडीसी लीली कुमारी, नवीन कुमार एवं ममता कुमारी ने ग्रामीणों को झालसा के 'प्रोजेक्ट आत्मनिर्भरता' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल निःशुल्क कानूनी सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा कवच का कार्य करती है। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ विशेष रूप से महिलाओं, विधवाओं, परित्यक्ताओं, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, वृद्धजनों, दिव्यांगों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को दिया जाता है। ऐसे लोग, जो आर्थिक तंगी या जानकारी के अभाव में अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाता है। कार्यक्रम में बताया गया कि लोक अदालतों एवं विधिक सेवा शिविरों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। ग्रामीण स्तर पर पैरा लीगल वालंटियर्स की नियुक्ति कर लोगों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है। डालसा की टीम ने कहा कि पारिवारिक एवं छोटे-मोटे विवादों का समाधान आपसी सहमति और लोक अदालतों के माध्यम से कराया जाता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है।

डीडीसी का जरमुंडी प्रखंड में औचक निरीक्षण, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने रविवार को जरमुंडी प्रखंड का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विकास योजनाओं और सरकारी संस्थानों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अनियमितताएं और लापरवाही मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई तथा शीघ्र सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी ने पांडेश्वरनाथ मंदिर परिसर में प्रस्तावित पार्क निर्माण के लिए चयनित भूमि का बीडीओ, अंचल कर्मियों तथा ग्रामीणों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने भूमि संबंधी प्रक्रिया में तेजी लाने और सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी करने का निर्देश दिया, ताकि पार्क निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। इसके बाद उन्होंने सहारा पंचायत भवन का निरीक्षण किया, जहां जलापूर्ति व्यवस्था बंद मिली। साथ ही इन्वर्टर एवं बायोमेट्रिक मशीन भी खराब पाई गई। इस पर उन्होंने गहरी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने का आदेश दिया।
डीडीसी ने सहारा एवं परीपा स्वास्थ्य उपकेंद्रों का भी औचक निरीक्षण किया। दोनों स्वास्थ्य केंद्र बंद मिलने पर उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया तथा उनके वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पिछले दो वर्षों से बंद पड़ी डुमरथर इंटेक वेल पेयजलापूर्ति योजना की भी समीक्षा की। संबंधित विभाग को इस योजना को शीघ्र चालू कराने का निर्देश दिया। डीडीसी अनिकेत सचान ने कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब पर सख्त हुए मंत्री योगेंद्र प्रसाद, राजस्व लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में दुमका, देवघर, पाकुड़, जामताड़ा और गोड्डा जिलों के उत्पाद विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में राजस्व संग्रहण, प्रवर्तन अभियान, अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई तथा विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा निर्धारित राजस्व लक्ष्य हर हाल में समय पर पूरा किया जाए।
समीक्षा के दौरान मंत्री ने पिछले पांच वर्षों के जिलेवार राजस्व संग्रहण का आकलन किया। उन्होंने कहा कि जिन जिलों का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा है, वहां विशेष कार्ययोजना बनाकर राजस्व वृद्धि के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने सभी उत्पाद अधीक्षकों को नियमित रूप से क्षेत्र का भ्रमण करने, अवैध शराब के निर्माण, भंडारण और बिक्री के विरुद्ध लगातार छापेमारी अभियान चलाने तथा सूचना तंत्र को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और उसकी रिपोर्ट विभाग को समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही, अनियमितता अथवा विभागीय शिथिलता सामने आती है तो संबंधित अधिकारी अथवा दोषी व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान गोड्डा जिले से प्राप्त शिकायतों पर मंत्री ने असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की शिकायतों की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए तथा विभागीय अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही हर स्थिति में बनी रहनी चाहिए। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार ने उत्पाद विभाग को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इसलिए सभी अधिकारी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार विभाग को आवश्यक संसाधन और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगी।

बारिश ने बदला मिजाज, खेतों में लौटी रौनक, किसानों के चेहरे खिले

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेहरमा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में सोमवार को हुई झमाझम बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है पिछले कई दिनों से बारिश नहीं होने के कारण किसान चिंतित थे। खेतों में दरारें पड़ने लगी थीं, धान का बिचड़ा सूखने के कगार पर पहुंच गया था और जिन खेतों में रोपनी हो चुकी थी,वहां भी फसल मुरझाने लगी थी। सोमवार की अच्छी बारिश ने खेतों में नई जान फूंक दी है।
बारिश की कमी के कारण क्षेत्र की नदियां,तालाब और आहर सूखने लगे थे, जिससे सिंचाई की समस्या गंभीर हो गई थी।कई

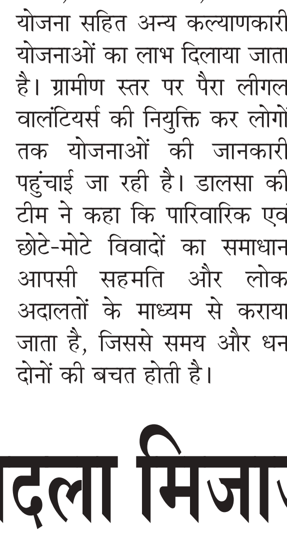

किसान डीजल पंपसेट के सहारे खेतों की सिंचाई कर रहे थे,जिससे खेती की लागत भी बढ़ रही थी। पर्याप्त वर्षा नहीं होने से धान की रोपनी का कार्य भी प्रभावित हो रहा था और खेती कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा था। सोमवार को हुई झमाझम बारिश के बाद खेतों में पानी भर गया है,जिससे धान की रोपनी में

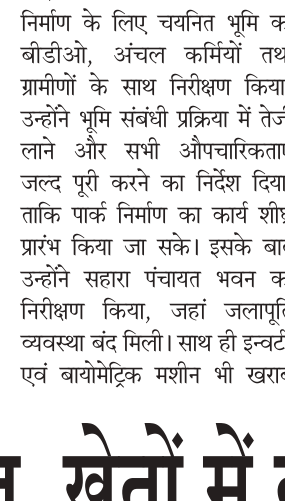

तेजी आने की उम्मीद है।किसान अब पूरे उत्साह के साथ खेतों में उतरेंगे और रोपनी कार्य भी शुरू हो जाएगा।कुछ खेतों में नदी,तालाब व नहर से किसान डीजल पंप सेट से रोपनी का कार्य कर चुके हैं।बारिश से धान की फसल को? पुनः जीवन मिली है।किसानों ने बताया कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह

नियमित बारिश होती रही तो इस वर्ष धान की अच्छी पैदावार होने की उम्मीद है। उनका कहना है कि समय पर वर्षा कृषि के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और अच्छी पैदावार से आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।
हालांकि किसानों ने यह भी कहा कि अच्छी फसल के लिए पूरे मानसून के दौरान संतुलित और

नियमित बारिश आवश्यक है।यदि बारिश का सिलसिला जारी रहता है तो क्षेत्र में खेती-किसानी की स्थिति बेहतर होगी और किसानों को बेहतर उत्पादन मिलने की उम्मीद है।सोमवार की बारिश ने जहां खेतों को पानी से लबालब कर दिया है, वहीं लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को बड़ी राहत भी पहुंचाई है।

क्या कहते हैं,किसान

श्रीलाल गोस्वामी(किसान)
सोमवार को हुई झमाझम बारिश से धान के बिचड़े व रोपे हुए धान को नया जीवन मिला है।बारिश नहीं होने से खेती कार्य में संकट मंडरा रहा था।

प्रभाष पंडित(किसान)
बारिश होने से तालाब ,नहर पोखर भी भर गए हैं।साथ ही खेतों में भी पानी जमा हो गया है।बारिश की काफी जरूरत थी।

दामोदर गोस्वामी (किसान)
बारिश की जरूरत किसानों को थी जो पूरी तो नहीं हुई, लेकिन खेतों में रौनक लौटी है तथा बिचड़े में जान आ गई है।

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

पिपराटांड़ थाना की पुलिस ने 4 महीने से लापता किशोरी को दिल्ली से किया बरामद

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पिपराटांड़ थाना की पुलिस ने एक बड़ी सफलता प्राप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पिपराटांड़ थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर निवासी गोलू भुईंया की 15 वर्षीय पुत्री रिंकी कुमारी को दिल्ली से बरामद कर लिया गया है। पिपराटांड़ थाना की पुलिस रिंकी कुमारी को लेकर आज 20 जुलाई को थाना पहुंची।बता दें कि 4 माह पूर्व रिंकी कुमारी अपने घर से लापता हो गई थी। वह भटकते-भटकते दिल्ली पहुंच गई और वहां रेजा का काम करती थी। इसी दौरान वह किसी दूसरे व्यक्ति के मोबाइल फोन से अपने घर पर मां को फोन की। इस बात की जानकारी किसी तरह थाना प्रभारी निलेश कुमार को मिल गई। थाना प्रभारी ने उक्त फोन पर कई बार फोन लगाया, तो वह फोन स्विच ऑफ मिला। थाना प्रभारी निलेश कुमार टेक्निकल सेल की मदद से उस मोबाइल तक पहुंच गए। जिस मोबाइल से रिंकी कुमारी अपने मां को फोन की थी, उसका ट्रेंस दिल्ली का मिला। निलेश कुमार ढूंढते-ढूंढते दिल्ली तक पहुंचे और रिंकी कुमारी को बरामद कर लिया गया।बता दें कि रिंकी कुमारी को गायब होने के बाद पांकी के कई राजनीतिक और सामाजिक संगठनों ने सकुशल बरामदगी की मांग को लेकर आंदोलन भी किया था। यह मामला काफी हाइलाइटेड हो गया था और पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था।इस संबंध में पिपराटांड़ थाना कांड संख्या 02/26 दिनांक 06.02.2026 को धारा 137 (2)/96 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जर्जर सड़क की मुखिया अनुज त्रिपाठी ने करायी मरम्मत

मेदिनीनगर। रजवाडीह पंचायत के मुखिया शह अधिवक्ता अनुज कुमार त्रिपाठी ने अपने पंचायत के बड़कागांव साव टोला में सड़क मरम्मत करवाया। मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि यह सड़क पिछले कई वर्षों से ग्रामीणों के लिए सिरदर्द बनी हुई थी. आये दिन हो रही दुर्घटनाएं, कीचड़ और पानी से भरे गड्ढों में राहगीरों और ग्रामीणों का फंसना गंभीर समस्या बन चुका था।अंततःसोमवार को मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों के सहयोग से इस सड़क की अस्थायी मरम्मत करायी. उल्लेखनीय है कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में पड़ी हुई थी।जगह-जगह गड्ढों में भरे पानी से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया था।जिससे इस रास्ते से आने जाने वाले ग्रामीणों को रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।सड़क की बादल स्थिति को देखते हुए मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी ने इसकी मरम्मत करायी।

सड़क दुर्घटना में पलामू के राजद उपाध्यक्ष की मौत

मेदिनीनगर। पलामू जिला राजद के उपाध्यक्ष सुशील यादव की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। वे छतरपुर थाना के सिलदाग गांव के रहने वाले थे। उनकी 62 वर्षीय सुशील यादव, हजारीबाग जिले के बरही-चौपारण के बीच बने डायवर्सन में स्कार्पियो गिर जाने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्थानीय स्तर पर प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स अस्पताल ले गए जाया गया, जहां पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। सुशील यादव के साथ स्कॉर्पियों वाहन पर सवार रितेश मेडिकल संचालक रितेश कुमार और डॉ विनय यादव सहित एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज निजी अस्पताल में किया जा रहा है।राजद के अनुमंडलीय अध्यक्ष लवलेश यादव ने इस घटना को पलामू जिला आरजेडी पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है।

राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा, लंबित कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में राष्ट्रीय राजमार्ग, राजकीय राजमार्ग तथा भारतमाला परियोजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न सड़क निर्माण योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कार्य एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पलमा-गुमला पथ चौड़ीकरण, भारतमाला परियोजना के अंतर्गत झारखंड-छत्तीसगढ़ सीमा से गुमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग-43, गुमला बाईपास तथा एनएच-143डी जामटोली-रांची-

संबलपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने पलमा-गुमला मार्ग पर लंबित कार्यों एवं विवादित मामलों के शीघ्र समाधान का निर्देश देते हुए निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आवश्यक स्थानों पर स्पीड ब्रेकर एवं दिशा-सूचक संकेतक लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि भारतमाला परियोजना के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान का लगभग 87 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने जानकारी दी कि शेष रैयतों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी कर ली जाएगी।उपायुक्त ने गुमला बाईपास परियोजना के तहत सिलम के समीप बने पुल के पास यातायात व्यवस्था को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए सभी वाहनों के डायवर्जन संबंधी स्पष्ट संकेतक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही एम्बुलेंस के माध्यम से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा कोनसा-बकसपुर, पुटरीटोली-डोलंगसेरा, सिसई-लापुंग-डोड़मा, कोचेडेगा-रामरेखा, रोकेडेगा-बिलिंगबीरा सहित विभिन्न राजकीय राजमार्गों की चौड़ीकरण एवं पुनर्निर्माण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों एवं कार्य एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

भोजपुरी गाना बजाने को लेकर हुआ विवाद वर-वधू पक्ष में मारपीट, दूल्हे की दो बहनें घायल

संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के कोयल नदी स्थित राम जानकी मंदिर में रविवार देर शाम आयोजित एक छेका (सगाई) समारोह के दौरान लड़का और लड़की पक्ष के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया, जिसमें दूल्हे की दो बहनें घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार, लड़का पक्ष पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुआ गांव के रहने वाले है।जबकि लड़की पक्ष चैनपुर प्रखंड के सेमराटांड गांव का निवासी है। दोनों परिवारों का छेका समारोह राम जानकी मंदिर में चल रहा था। इसी दौरान लड़की पक्ष के कुछ लोग भोजपुरी गाने बजाकर नृत्य करने की बात कर रहे थे। इस पर लड़का पक्ष के लोगों ने मंदिर परिसर का हवाला देते हुए कहा कि धार्मिक स्थल होने के कारण वहां भोजपुरी गाने और डांस करना उचित नहीं होगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई।आरोप है कि लड़की पक्ष के लोगों ने लड़की के भाई के साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची दूल्हे की दो बहनों को भी धक्का दे दिया गया, जिससे दोनों बेहोश होकर गिर गईं। घटना के बाद परिजनों ने दोनों घायल महिलाओं को तत्काल मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है। फिलहाल दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

आकांक्षी जिला व प्रखंड कार्यक्रम की समीक्षा, लक्ष्य हासिल करने पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आकांक्षी जिला कार्यक्रम एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों के प्रमुख प्रदर्शन सूचकांकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, जिला योजना कार्यालय, पीरामल फाउंडेशन तथा अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान विभागवार उपलब्धियों, प्रगति एवं विभिन्न प्रदर्शन सूचकांकों की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि जिन सूचकांकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी है, उनके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध एवं समन्वित प्रयास किए जाएं, ताकि शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी

प्रखंड कार्यक्रम का उद्देश्य केवल रैंकिंग में सुधार करना नहीं है, बल्कि आम नागरिकों तक सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना भी है। इसके लिए सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करना होगा। बैठक में डेटा की शुद्धता, नियमित समीक्षा, प्रभावी मॉनिटरिंग तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें, बेहतर प्रदर्शन वाले सूचकांकों को बनाए रखें तथा जिन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य करें। इस दौरान ग्राम संपत्ति पोर्टल की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को पोर्टल पर नियमित रूप से आंकड़े दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही सभी सरकारी भवनों एवं निमार्णाधीन योजनाओं में क्यूआर कोड लगाने के निर्देश भी दिए, ताकि योजनाओं की जानकारी पारदर्शी ढंग से उपलब्ध हो सके।।बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास, जवाबदेही और नियमित अनुश्रवण से जिले के विकास संबंधी सभी सूचकांकों में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सकता है।

रामरेखा धाम में गुरु पूर्णिमा व बैकुंठ उत्सव में शामिल होने का आह्वान

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। श्री रामरेखा धाम विकास समिति, सिमडेगा ने समस्त सनातन धर्मावलंबियों, धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं, माताओं एवं बहनों से गुरु पूर्णिमा तथा ब्रह्मलीन परमपूज्य श्री श्री 1008 श्री जयराम प्रपन्नाचार्य जी महाराज (रामरेखा बाबा) की 19 वीं पुण्यतिथि (बैकुंठ उत्सव) के अवसर पर रामरेखा धाम स्थित श्रीराम मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया है। समिति ने कहा कि रामरेखा धाम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक साधना का प्रमुख केंद्र है। यहां आयोजित अखंड हरिनाम संकीर्तन, गुरु पूजन, हवन तथा भंडारे में भाग लेकर श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करेंगे। साथ ही देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले संत-महात्माओं के सत्संग का लाभ भी प्राप्त करेंगे। समिति ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में सहभागिता

से समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार होता है और सनातन संस्कृति को मजबूती मिलती है। गुरु पूर्णिमा का मुख्य कार्यक्रम 29 जुलाई 2026, बुधवार आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा। को रामरेखा धाम एवं देवराहा बाबा आश्रम में आयोजित होगा। प्रातः आठ बजे व्यास पूजन, गुरु पूजन, हवन तथा महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। रामरेखा बाबा की 19वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 6 अगस्त 2026, शुक्रवार श्रावण कृष्ण अष्टमी को अधिवास पूजन रात्रि आठ बजे से प्रारंभ होगा। इसके बाद 7 अगस्त 2026, शनिवार श्रावण कृष्ण नवमी को प्रातः आठ बजे से अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रारंभ होगा। 8 अगस्त 2026, रविवार श्रावण कृष्ण दशमी को प्रातः आठ बजे हवन-पूजन के साथ अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन होगा तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से भगवान श्रीराम के दर्शन-पूजन कर प्रसाद ग्रहण करने तथा पुण्य के भागी बनने की अपील करते हुए अधिक से अधिक संख्या में रामरेखा धाम पहुंचने का आग्रह किया है।

10 वर्षों से हाईस्कूल के बच्चों को पढ़ा रहे प्राइमरी टीचर

संवाददाता

गढवा। प्रखंड कार्यालय कांडी के पड़ोस में स्थित अपग्रेड हाई स्कूल डुमरसोता में पिछले 10 वर्षों से पहली कक्षा से मैट्रिक कक्षा तक की पढ़ाई हो रही है। लेकिन उच्च कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए एक भी शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। जबकि इस दुर्व्यवस्था की हालत में यहां पर पदस्थापित एक साइंस टीचर पिछले 5-6 वर्षों से डेपुटेशन करा कर बाहर का मजा ले रहे हैं। उनकी डेपुटेशन की अवधि जब पूरी होती है तो उसमें फिर से एक्सटेंशन करा लेते हैं। विभाग को इस प्रतिकूल परिस्थिति की बदस्तूर जानकारी है। बावजूद इसके न जाने किस लोभ में इकलौते साइंस टीचर आनंद कुमार यादव के डेपुटेशन को बार-बार एक्सटेंशन दिया जा रहा है। इतना ही नहीं एक सहायक अध्यापिका वंदना मिश्रा भी दो-तीन वर्षों से अपना डेपुटेशन करा कर जिला मुख्यालय में रह रही हैं। जबकि इस विषय में बात करने पर विभाग जवाब देता है कि उच्च अधिकारियों के आदेश पर सभी

प्रतिनियोजित शिक्षकों का प्रतिनियोजन रद्द कर दिया गया है तो फिर अपग्रेड मध्य विद्यालय डुमरसोता के दो शिक्षक वर्षों से कहां हैं। इसका जवाब कौन देगा।वर्तमान में 1 से 10 तक 605 बच्चे हैं नामांकित :- इस विद्यालय के प्राथमिक कक्षाओं झ वर्ग 1 से 5 तक के लिए मात्र पांच शिक्षक उपलब्ध हैं। इनमें ही एक शिक्षक प्रधानाध्यापक के प्रभार में हैं। जिनको कायार्लीय कार्य से क्लास लेने का समय नहीं मिल पाता है। इस प्रकार चार शिक्षकों के भरोसे 605 छात्र छात्राओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। छात्रों की संख्या की बात करें तो वर्तमान में वर्ग 1 से 5 तक 111 छात्राएं एवं 113 छात्र, वर्ग 6 से 8 तक 118 छात्राएं एवं 118 छात्र तथा वर्ग 9 झ 10 में 75 छात्राएं एवं 70 छात्र अध्ययन कर रहे हैं। प्रधानाध्यापक गोविंद राम ने बताया कि हाल में कुछ और छात्राओं का एडमिशन हुआ है। जिनकी संख्या इसमें शामिल नहीं है।कार्यरत शिक्षकों को उनके निर्धारित कार्य के अलावा उच्च कक्षाओं में भी पढ़ाना पड़ता है। इस कारण वे ड्यूटी से सांस भी नहीं ले पाते। पसीना पसीना होकर उन्हें वर्ग 1 से 10 तक की दौड़ लगानी पड़ती है। सरजमीन पर देखने के बाद डेढ़ सौ बच्चों को पढ़ाने के लिए मात्र एक शिक्षक उपलब्ध हैं। जबकि नई शिक्षा नीति का केंद्र सरकार ढिंढोरा पीटते नहीं थकती। उस नई शिक्षा नीति 2020 में 30 बच्चों पर एक शिक्षक एवं 30 बच्चों के लिए एक वर्ग कक्ष का प्रावधान किया गया है।

राजद जिला उपाध्यक्ष सुशील यादव के निधन पर जेएलकेएम नेताओं ने जताया शोक

झारखंड दर्शन संवाददाता

हरिहरगंज। राष्ट्रीय जनता दल के पलामू जिला उपाध्यक्ष सुशील यादव के निधन पर सोमवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। पार्टी के नेताओं ने उनके निधन को पलामू जिले की राजनीति और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति बताया। जेएलकेएम के प्रमंडलीय प्रवक्ता अमरजीत कुमार यादव, प्रखंड अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, मनीष कुमार तथा आशुतोष पांडे ने संयुक्त रूप से जारी शोक संदेश में कहा कि स्वर्गीय सुशील यादव मिलनसार, संघर्षशील और जनसरोकारों से जुड़े लोकप्रिय नेता थे। उन्होंने लंबे समय तक सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर आम लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास

किए। नेताओं ने कहा कि सुशील यादव का सरल व्यक्तित्व, जनसेवा के प्रति समर्पण और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी। उनके निधन से पलामू जिले की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई सहज संभव नहीं है।

प्रमंडलीय प्रवक्ता अमरजीत कुमार यादव ने कहा कि स्वर्गीय सुशील यादव का समाज और राजनीति के क्षेत्र में दिया गया योगदान हमेशा याद किया जाएगा। वहीं प्रखंड अध्यक्ष अविनाश कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि वे सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत थे और उनका जीवन जनसेवा के लिए समर्पित रहा। इस अवसर पर जेएलकेएम नेताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति एवं धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

ट्रक ने स्कूटी को मारी टक्कर, मासूम की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा खुर्द के समीप सोमवार की सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक मासूम की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक की पहचान पाटन थाना क्षेत्र के अमवा गांव निवासी छट्ठू राम के पुत्र अंश कुमार के रूप में हुई है। हादसे में अंश की मां सुनीता देवी, बहन अंशिका आकृति तथा पाटन के सिक्की खुर्द निवासी रामजी राम के पुत्र नारायण कुमार रवि गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।जानकारी के अनुसार, सभी लोग स्कूटी पर सवार होकर बटसरा से मेदिनीनगर के निमिया स्कूल बच्चो को छोड़ने जा रहे थे। इसी दौरान सिंगरा खुर्द के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी सड़क पर गिर पड़े और मासूम अंश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पुलिस चौकी के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान महेंद्र कुमार व विकास कुमार अस्पताल में सक्रिय हुए और सभी घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल के अंदर पहुंचाया।वहां चिकित्सकों ने अंश कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।अस्पताल पुलिस चौकी ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया जाएगा।वही इस घटना के बाद से सदर थाना की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रेड क्रॉस सोसाइटी की गतिविधियों के विस्तार और सदस्यता अभियान पर जोर

झारखंड दर्शन संवाददाता

गुमला। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा गुमला की कार्यसमिति की बैठक सोमवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सह रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संस्था की गतिविधियों के विस्तार, सदस्यता अभियान को गति देने, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने तथा विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी समाज सेवा की

एक महत्वपूर्ण संस्था है, जो आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देती है। उन्होंने संस्था के सभी सदस्यों से अधिक सक्रिय होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने जिले में व्यापक स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने, अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं और अभिभावकों को जागरूक करने पर विशेष बल दिया। साथ ही युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने हेतु प्रखंड स्तर पर जन-जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों के सहयोग से अनुमंडल स्तर पर भी रेड क्रॉस समितियों का गठन करने तथा सदस्यता अभियान चलाने का निर्देश दिया। इस संबंध में सदर अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार को रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. शंभूनाथ चौधरी ने स्वैच्छिक रक्तदान एवं सामाजिक गतिविधियों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए तथा कई उपयोगी सुझाव दिए। वहीं, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने रेड क्रॉस की गतिविधियों के सफल संचालन में हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव बलदेव प्रसाद शर्मा ने कार्यसमिति के सदस्यों का परिचय कराया तथा संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक में सह सचिव शशि प्रिय बंटी सहित कार्यसमिति के अन्य सदस्यों ने भी संस्था की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

पौधारोपण व जागरूकता कार्यक्रम के साथ संत मरियम स्कूल में प्लांटेशन वीक संपन्न

संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित एक सप्ताह का प्लांटेशन वीक सेलिब्रेशन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।सप्ताहभर चले इस कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर ड्राइंग प्रतियोगिता, कविता पाठ, नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने अपने घरों तथा विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पेड़ों के संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी

निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, पौधों के महत्व तथा प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प दिलाया।विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने अपने संबोधन में कहा कि ₹पेड़-पौधे केवल पर्यावरण की सुरक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के आधार भी हैं। आज की पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है, क्योंकि एक पेड़ अनेक पीढ़ियों का भविष्य है। प्रत्येक विद्यार्थी यदि हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।विद्यालय के प्राचार्य कुमार आदर्श ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक सप्ताह का अभियान नहीं, बल्कि जीवनभर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

अर्जेंटीना के राजदूत ने फीफा विश्व कप में समर्थन के लिए भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 से हारकर उपविजेता रही अर्जेंटीना की टीम को मिले समर्थन के लिए भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो कौसिनो ने भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। कौसिनो ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट साझा करते हुए भारत में अर्जेंटीना के प्रति लगातार बढ़ रहे समर्थन की सराहना की। उन्होंने लिखा, 'इस विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना की टीम को लगातार समर्थन देने के लिए भारत के लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद। भारत, एक बार फिर आपका शुक्रिया!' विश्व कप-2022 में लियोनेल मेस्सी की अगुआई में अर्जेंटीना के विश्व चैंपियन बनने के बाद भारत में टीम और मेस्सी के प्रशंसकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी कारण पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारत में भी प्रशंसकों ने अर्जेंटीना का उत्साहवर्धन किया। हालांकि, अर्जेंटीना खिताब बचाने में सफल नहीं रही, लेकिन लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल तक पहुंचने की उसकी उपलब्धि को भारत सहित दुनिया भर के प्रशंसकों ने सराहा।

स्पेन का फीफा विश्व कप पर दूसरी बार कब्जा

पिछली बार के चैम्पियन अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर छीना खिताब

एजेंसी

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी)। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने रोमांचक फाइनल में गत चैंपियन अर्जेंटीना को सोमवार तड़के (भारतीय समयानुसार) अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार फीफा विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने विजयी गोल दागकर स्पेन को 2010 के बाद पहला और कुल दूसरा विश्व कप दिलाया। बार्सिलोना के स्टार फारवर्ड फेरान टोरेस 62वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल की जगह मैदान पर उतरे थे। अतिरिक्त समय में निको विलियम्स ने पेड्रो पोरो के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाया, जिसे अर्जेंटीना पूरी तरह क्लियर नहीं कर सका। गेंद फेरान टोरेस के पास पहुंची और उन्होंने नजदीक से गोल कर स्पेन को बढ़त दिला दी।

इससे पहले मुकाबले का रुख 90वें मिनट में बदल गया, जब अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज ने स्पेन के युवा डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल कर दिया। रेफरी स्लावको विन्चिच ने उन्हें दूसरा पीला कार्ड दिखाते हुए लाल कार्ड थमा

दिया, जिसके बाद अर्जेंटीना को शेष मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

पूरे मैच में स्पेन का दबदबा देखने को मिला। स्पेन ने लगातार आक्रमण किए और कई गोल करने के अवसर बनाए, हालांकि उसे सफलता अतिरिक्त समय तक नहीं मिली। दूसरी ओर, अर्जेंटीना स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति के सामने संघर्ष करता नजर आया।

लियोनेल मेसी भी इस मुकाबले में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे। अर्जेंटीना का पहला शॉट 117वें मिनट में आया, जब मेसी का प्रयास स्पेन के खिलाड़ियों ने ब्लॉक कर दिया। लगातार दूसरे विश्व कप खिताब की उम्मीद लगाए बैठी अर्जेंटीना की टीम 1962 के बाद पहली बार खिताब बचाने वाली टीम बनने का सपना भी पूरा नहीं कर सकी। मैच के अंतिम मिनटों में अर्जेंटीना ने बराबरी के लिए जोरदार प्रयास किए, लेकिन स्पेन के खिलाड़ियों ने शानदार रक्षण करते हुए बढ़त बरकरार रखी और इतिहास रच दिया।

यह 48 टीमों वाले अब तक के सबसे बड़े फीफा विश्व कप का 104वां और अंतिम मुकाबला था, जिसकी मेजबानी संयुक्त रूप से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको ने की। टूर्नामेंट में कुल 307 गोल हुए, जो विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रहे। फाइनल मुकाबले को देखने के लिए खेल और मनोरंजन जगत की कई बड़ी हस्तियां भी स्टेडियम पहुंचीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मैच के दौरान मौजूद रहे और पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। समापन समारोह में प्रसिद्ध गायक पोस्ट मेलोन ने प्रस्तुति दी, जबकि हाफ टाइम शो में जस्टिन बीबर, मैडोना, शकीरा, बीटीएस, बर्ना बॉय सहित कई वैश्विक कलाकारों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आईएसएसएफ विश्व कप राइफल-पिस्टल-शॉटगन स्पर्धा

पदक पर निशाना साधने के लिए भारतीय दल तैयार, 22 जुलाई से होगा मुकाबला

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन के हांगझोऊ में 20 से 29 जुलाई तक होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन 2026 के लिए भारतीय खिलाड़ी तैयार हैं। विश्व कप में भारत की ओर से व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में अनुभवी और युवा निशानेबाजों का मजबूत दल हिस्सा ले रहा है। टूर्नामेंट के पदक मुकाबले 22 जुलाई से 28 जुलाई तक खेले जाएंगे।

भारतीय दल में ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के अलावा ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, ईशा सिंह, सुरुचि, सिफ्त कौर समरा, सोनम उत्तम मस्कर, अनीश भनवाला जैसे प्रमुख निशानेबाज शामिल हैं। राइफल स्पधाओं में पार्थ राकेश माने, हिमांशु ढिल्लों, शाहू तुषार माने और रुद्राक्ष बालासाहेब पाटिल पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि इलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर और साक्षी सुनील पाडेकर महिलाओं की स्पर्धा में भाग लेंगी।

50 मीटर राइफल 3 पोजिशंस में पुरुषों की प्रतियोगिता में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, नीरज कुमार और रुद्राक्ष हिस्सा लेंगे। महिलाओं की स्पर्धा में आशी चौकसे, विदरसा के. विनोद और सिफ्त कौर समरा शामिल हैं।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत की पिस्टल चुनौती का नेतृत्व सुरुचि, सन्याम और ईशा सिंह करेंगी, जबकि पुरुषों की स्पर्धा में केदारलिंग बी. उचागनवे, कमलजीत और आकाश भारद्वाज प्रतिस्पर्धा करेंगे। मनु भाकर, ईशा सिंह और राही

भारत के पदक मुकाबलों का कार्यक्रम

22 जुलाई- 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम फाइनल पुरुष 10 मीटर एयर राइफल फाइनल
23 जुलाई- महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस फाइनल महिला स्कीट फाइनल पुरुष स्कीट फाइनल
24 जुलाई- महिला 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल
25 जुलाई- महिला 10 मीटर एयर राइफल फाइनल
26 जुलाई- पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस फाइनल पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल
27 जुलाई- महिला 25 मीटर पिस्टल फाइनल महिला ट्रैप फाइनल पुरुष ट्रैप फाइनल
28 जुलाई- 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम फाइनल ट्रैप मिश्रित टीम फाइनल

सरनोबत को महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल के लिए चुना गया है, जबकि अनीश, ओंकार सिंह और भावेश शेखावत पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

शॉटगन स्पर्धाओं में उदवीर सिंह जाजी, भौनीश मेंदिरत्ता और विवान कपूर पुरुषों के ट्रैप इवेंट में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि प्रगति दुबे, कीर्ति गुप्ता और राजेश्वरी कुमारी महिलाओं की ट्रैप टीम का हिस्सा होंगी।

पुरुषों की स्कीट टीम में गुरजोत सिंह खंगुरा, परमपाल सिंह गुरोन और अभय सिंह सेखों शामिल हैं, जबकि गनेमत सेखों, दर्शना राठौड़ और यशस्वी राठौड़ महिलाओं की स्कीट प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

तीसरे वनडे में इंग्लैंड ने भारत को 27 रन से हराया

एजेंसी

लंदन। बेन डकेट की शानदार 141 रन की पारी और सैम करन की अगुवाई में गेंदबाजों के निर्णायक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे और अंतिम वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा के करियर के बेहतरीन शतकों में शामिल 138 रन भी टीम को जीत नहीं दिला सके।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए, जो भारत के खिलाफ उसका अब तक का सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने 135 गेंदों पर 141 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जैकब बेथेल ने 91 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 192 रन की साझेदारी कर भारत पर दबाव बनाया। अंतिम ओवरों में जो रूट (नाबाद 74) और कप्तान जोस बटलर (नाबाद 41) ने सिर्फ 19 गेंदों में 63 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए, जबकि प्रिंस यादव को एक सफलता मिली।

388 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने मजबूत शुरूआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 147

● तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली

रन जोड़े। गिल ने 77 रन की उपयोगी पारी खेली। इसके बाद रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़कर भारत की उम्मीदें बरकरार रखीं।

रोहित शर्मा ने 111 गेंदों पर 138 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और पांच छक्के शामिल रहे। यह लॉर्ड्स के मैदान पर किसी भारतीय बल्लेबाज का पहला वनडे शतक भी रहा। विराट कोहली ने भी 60 गेंदों पर 74 रन की आक्रामक पारी खेली और रोहित के साथ मिलकर मैच को रोमांचक बना दिया।

हालांकि दोनों अनुभवी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद भारतीय मध्यक्रम इंग्लैंड के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सका। अंतिम ओवरों में लगातार विकेट गिरने से रन गति प्रभावित हुई और टीम निर्धारित 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। इंग्लैंड की ओर से सैम करन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और भारत की जीत की उम्मीदों पर विराम लगा दिया।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। वहीं भारत रिकॉर्ड 388 रन के लक्ष्य का सफल पीछा करने से चूक गया और रोहित शर्मा का यादगार शतक टीम की हार के कारण फीका पड़ गया।

मेरा काम प्रदर्शन करना, बाहरी शोर से फर्क नहीं पड़ता : रोहित

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 138 रनों की पारी खेलने वाले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनका पूरा ध्यान केवल भारतीय टीम के लिए प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी शोर से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता और उनका काम सिर्फ मैदान पर देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देना है।

लॉर्ड्स वनडे मैच से पहले मीडिया रिपोर्ट्स में लगातार ऐसे दावे किए जा रहे थे कि यह मुकाबला भारतीय टीम के लिए रोहित शर्मा का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन खबरों को निराधार बताया था। अब मैच के बाद रोहित ने भी अपने बयान से इन चर्चाओं को लगभग खारिज कर दिया।

बीसीसीआई की ओर से सोमवार को जारी वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना और मैदान पर उतरकर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना

है। डेब्यू के बाद से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा। उन्होंने कहा कि बाहरी चर्चाएं और आलोचनाएं उनके करियर की शुरूआत से ही होती रही हैं और इससे उनके सोचने या खेलने के तरीके पर कोई असर नहीं पड़ता।

रोहित ने कहा कि जब से मैंने पदार्पण किया है, तब से यह शोर मौजूद है। जब तक मैं खेलूंगा, यह चलता रहेगा। इसलिए इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं।' उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 'शोर-शराबा होने दीजिए। अगर शोर न हो, तो मजा ही नहीं आता। मेरा काम मैदान के अंदर है और आलोचकों का काम मैदान के बाहर। मैं इसे इसी नजरिए से देखता हूं।

लॉर्ड्स की हार पर बोले निराश रोहित- हमने पूरी कोशिश की, लक्ष्य से थोड़ा पीछे रह गए

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरे और निर्णायक वनडे में मिली हार के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि टीम ने लक्ष्य का पीछा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन 20-25 रन पीछे रह गई। उन्होंने स्वीकार किया कि हार निराशाजनक रही, लेकिन टीम को इस हार से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से सोमवार को जारी एक वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि टीम पूरे दौरे में अच्छा क्रिकेट खेल रही थी, लेकिन निर्णायक मुकाबले में लक्ष्य हासिल करने से चूक गई। उन्होंने कहा कि परिणाम से थोड़ी निराशा हुई, क्योंकि मुझे लगा कि हम काफी अच्छा क्रिकेट खेल रहे थे। बर्मिंघम में हमने शानदार शुरूआत की थी। कार्डिफ में बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और बोर्ड पर पर्याप्त रन नहीं थे। यहां भी बड़ा लक्ष्य था। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन फिर 20-25 रन कम रह गए। लॉर्ड्स वनडे में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण दबाव में नजर आया। अंतिम तीन ओवरों में 62 रन खर्च करने से इंग्लैंड ने 387 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। हालांकि, रोहित ने युवा गेंदबाजों का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया। रोहित ने कहा कि इन खिलाड़ियों ने अभी ज्यादा वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। उन्हें थोड़ा समय देना होगा। उम्मीद है कि हम इस मैच से सीखेंगे और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

व्यापार

लोहिया कॉर्प का प्राइस बैंड तय, 23 जुलाई को खुलेगा 1,102 करोड़ रुपये का आईपीओ

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर के लिए मशीनरी और सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प के पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड और उसके साइज की घोषणा कर दी गई है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 404 रुपये से लेकर 425 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस इश्यू का साइज 1,102.08 करोड़ रुपये का है।

लोहिया कॉर्प का ये इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 23 जुलाई को खुलेगा। निवेशक इसमें 27 जुलाई तक बोली लगा सकेंगे। क्लोजिंग के बाद 28 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 जुलाई को अलॉटेड शेयर डिमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30

जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,875 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,93,375 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयर के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,59,31,407 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जाएंगे।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए न्यूनतम 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए अधिकतम 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इक्वीरस कैपिटल लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 117.84 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 193.45 करोड़ रुपये के

कच्चे तेल की तेजी और बैंकिंग सेक्टर में हुई बिकवाली के दबाव में डूबा शेयर बाजार

लाल निशान में बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और घरेलू मोर्चे पर बैंकिंग सेक्टर के शेयरों की हुई जोरदार बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार आज कमजोरी का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ गया, जिसकी वजह से कमजोरी बढ़ती चली गई। दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले खरीदारी शुरू हो जाने के कारण बाजार काफी हद तक रिकवर करने में सफल भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.57 प्रतिशत और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज बाजार की कमजोरी के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई खरीदारी के कारण निवेशक पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने में सफल रहे।

बीएसई का सेंसेक्स आज बिना किसी उतार-चढ़ाव के 78,151.45 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में बड़ी गिरावट आ गई। दोपहर एक बजे के थोड़ी देर पहले तक बाजार में लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण यह सूचकांक 783.16 अंक लुढ़क कर 77,368.29 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से सेंसेक्स की चाल भी सुधरने लगी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर दो

● बाजार की कमजोरी के बावजूद निवेशकों ने कमाए 1.84 लाख करोड़ रुपये

बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 400 अंक से अधिक की रिकवरी कर 77,783.26 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 442.93 की कमजोरी के साथ 77,708.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने आज 144.25 अंक टूट कर 24,190.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। स्टॉक मार्केट में लगातार हो रही शेयरों की बिक्री के कारण निफ्टी 198.45 अंक फिसल कर 24,135.85 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति सुधरने लगी।

खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर दो बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक निचले स्तर से 130.25 अंक की रिकवरी कर 24,266.10 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल दोबारा कमजोर होती होने लगी। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ 24,238.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,514 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,226 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,039 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 249 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,985 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,575 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,410 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

विस में विधायकों द्वारा उठाये गये मुद्दों का होगा समयबद्ध निस्तारण : सीएम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि अब विधायकों की ओर से उठाए गये सवालों, शिकायतों और मांगों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया कि विधानसभा के मेंशन आवर में उठाए गए प्रत्येक मुद्दे पर संबंधित विधायक को सात दिनों के भीतर लिखित जवाब दिया जाए। पूरी प्रक्रिया की निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) करेगा।

विधानसभा के विस्तारित बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मेंशन आवर में उठाए गए मामले अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रहेंगे। संबंधित विभाग को एक

सप्ताह के भीतर यह बताना होगा कि सरकार का उस विषय पर क्या रुख है और कार्य कब तक पूरा किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि किसी मांग को स्वीकार करना या लागू करना संभव नहीं है तो विभाग को उसके कारण भी लिखित रूप में बताने होंगे। साथ ही हर विभागीय जवाब की प्रति मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजना अनिवार्य होगा।

उन्होंने कहा कि वह स्वयं प्रत्येक मामले की प्रगति की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी विधायक की मांग या शिकायत पर सरकार का अंतिम निर्णय तीन महीने के भीतर संबंधित विधायक को बता दिया जाए। मुख्यमंत्री की इस घोषणा का सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने स्वागत किया। सदन में सदस्यों ने मेज थपथपाकर फैसले का समर्थन किया। पूर्व मंत्री और तृणमूल कांग्रेस विधायक फिरहाद हकीम ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि विधानसभा में पिछले 15 वर्षों या उससे पहले भी ऐसी व्यवस्था नहीं देखी गई थी। उन्होंने कहा कि इससे जनप्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए जनहित के मुद्दों के समाधान में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, नई व्यवस्था का उद्देश्य विभागों की जवाबदेही तय करना, प्रशासनिक देरी कम करना और विधानसभा के माध्यम से उठाए गए जनहित के मामलों के निस्तारण की नियमित निगरानी सुनिश्चित करना है।

श्रावण के पहले सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

सिलीगुड़ी। श्रावण माह के पहले सोमवार के अवसर पर पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। शहर के प्रसिद्ध मां की इच्छा मंदिर और मां भवानी मंदिर में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष से गूंज उठा। सिर्फ सिलीगुड़ी ही नहीं, बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवघर स्थित बाबा धाम के लिए भी रवाना हुए।

पुलिस के लिए ड्यूटी के दौरान ईयरफोन और हेडफोन के इस्तेमाल पर रोक, आदेश उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों के ईयरफोन और हेडफोन के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगा दी है। आदेश का उल्लंघन करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस संबंध में सभी थाना प्रभारियों और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

पुलिस आयुक्त अजय नंद के निर्देश पर जारी इस आदेश में कहा गया है कि ड्यूटी के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी ईयरफोन या हेडफोन का उपयोग नहीं करेगा।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार सुबह इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हाल के दिनों में यह देखा गया था कि कुछ पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन पर वीडियो देख रहे थे या ईयरफोन लगाकर संगीत सुन रहे थे। इससे उनकी सतर्कता प्रभावित हो रही थी और आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने की क्षमता भी कमजोर पड़ रही थी। इसी को देखते हुए यह सख्त निर्णय लिया गया है।

कोलकाता पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेश की अनदेखी करने वाले कर्मियों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही ड्यूटी के दौरान लापरवाही रोकने और आपात स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए निगरानी भी बढ़ा दी गई है।

इससे पहले कोलकाता पुलिस ने एक अन्य आदेश जारी कर विशेष इकाइयों को छोड़कर अन्य पुलिसकर्मियों के ड्यूटी के दौरान सादे कपड़ों में कार्य करने पर भी रोक लगाई थी। राज्य सरकार पुलिस व्यवस्था को अधिक अनुशासित और प्रभावी बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। इसी क्रम में पुलिस बल के आधुनिकीकरण, कार्यकुशलता बढ़ाने और अनुशासन मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हाल ही में पुलिसकर्मियों को शारीरिक फिटनेस पर ध्यान देने की सलाह देते हुए अगले छह महीने से एक वर्ष के भीतर राज्य में 20 हजार नए पुलिसकर्मियों की भर्ती की योजना की भी घोषणा की थी।

चुंचुड़ा नगरपालिका में पूर्व चेयरमैन पर फेंके गए अंडे, 'चोर हटाओ, नगरपालिका बचाओ' के लगे नारे

एजेंसी

हुगली। चुंचुड़ा नगरपालिका में सोमवार को नए बोर्ड के गठन की बैठक से पहले भारी राजनीतिक तनाव देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने नगरपालिका के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करते हुए चोर हटाओ, नगरपालिका बचाओ के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और नागरिक सेवाएं देने में विफल रहने का आरोप लगाया।

सूत्रों के अनुसार, सोमवार को नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन एवं तृणमूल पार्षद अमित राय जैसे ही बैठक में शामिल होने पहुंचे, प्रदर्शनकारियों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि इस दौरान उनकी ओर अंडे भी फेंके गए और चोर-चोर के नारे लगाए गए। विरोध के बीच अमित राय बैठक में शामिल हुए बिना वापस लौट गए।

उल्लेखनीय है कि चुंचुड़ा नगरपालिका के चेयरमैन सौमित्र

घोष, वाइस चेयरमैन पार्थ साहा सहित दो पार्षद पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। सोमवार को नए बोर्ड के गठन के लिए बैठक प्रस्तावित थी।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा ने जानबूझकर नए बोर्ड के गठन की प्रक्रिया बाधित करने के उद्देश्य से नगरपालिका परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि तृणमूल के कार्यकाल में नगरपालिका में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है और इसलिए किसी भी तृणमूल पार्षद को अब नगरपालिका में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त बोर्ड के गठन की मांग की।

गौरतलब है कि 2022 के नगरपालिका चुनाव में चुंचुड़ा नगरपालिका की 30 में से 29 सीटों पर तृणमूल कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, जबकि एक सीट माकपा के खाते में गई थी। उस समय अमित राय को चेयरमैन और पार्थ साहा को वाइस चेयरमैन बनाया गया था। बाद में लोकसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद अमित राय की जगह सौमित्र घोष को चेयरमैन बनाया गया, लेकिन उन्होंने भी लगभग छह महीने बाद पद छोड़ दिया। नगरपालिका परिसर में हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा। पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पंचायतों में पीएससी के माध्यम से होगी 11 हजार नियुक्तियां : दिलीप घोष

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायतों में कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकार ने 11 हजार पदों पर नियुक्ति की तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने सोमवार को कहा कि अब पंचायत विभाग में नियुक्तियां लोक सेवा आयोग (पीएससी) के माध्यम से केंद्रीय स्तर पर की जाएंगी।

विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की कमी के कारण पंचायतों का कार्य प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने इस वर्ष के भीतर ही नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने का निर्णय लिया है। दिसंबर तक इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अब तक पंचायत अधिनियम के तहत जिला स्तर पर नियुक्तियां होती थीं, लेकिन अब इसमें परिवर्तन किया जा रहा है। चूंकि लोक सेवा आयोग एक स्वायत्त संस्था है, इसलिए पंचायत नियुक्तियों का दायित्व उसे सौंपने से पहले कानून में संशोधन करना आवश्यक होगा। इसके लिए

आवश्यक विधायी प्रक्रिया भी दिसंबर में शुरू की जाएगी। दिलीप घोष ने कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री ने एक लाख रोजगार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। पंचायत विभाग की यह नियुक्ति प्रक्रिया उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि राज्य के अनेक पंचायत क्षेत्रों में प्रशासनिक और कर्मियों की कमी के कारण विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कई पंचायत बोर्ड भंग हो चुके हैं तथा अनेक स्थानों पर प्रशासक नियुक्त किए गए हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति और कर्मचारियों की कमी के कारण कई योजनाओं का कार्य लंबित है। इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने पंचायत विभाग में बड़े पैमाने पर नियुक्ति का निर्णय लिया है।

अभिषेक बनर्जी ने हाई कोर्ट से मांगी नेत्र चिकित्सा के लिये विदेश जाने की अनुमति

अदालत ने कहा - पहले एसएसकेएम में करवायें परीक्षण, अस्पताल की रिपोर्ट के आधार पर लेंगे फैसला

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगते हुए एक बार फिर कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हालांकि, हाई कोर्ट ने पहले उन्हें एसएसकेएम अस्पताल में आंखों की जांच कराने का निर्देश दिया है। अदालत का कहना है कि स्थानीय अस्पताल की रिपोर्ट देखने के बाद ही इस पर निर्णय होगा।

सोमवार को डीजे मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान अभिषेक के अधिवक्ता अयन भट्टाचार्य ने अपने मुवक्किल को विदेश जाकर इलाज कराने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति ने कहा कि अभिषेक पहले एसएसकेएम अस्पताल में जांच कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल की रिपोर्ट आने के बाद ही अदालत इस मामले में निर्णय लेगी।

विदेश में इलाज कराने की मांग पर न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या अभिषेक ने कोलकाता के किसी नेत्र अस्पताल से परामर्श लिया है। इस पर उनके वकील ने बताया कि डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी पिछले दस वर्षों से अमेरिका में अपनी आंखों का इलाज करा रहे हैं तथा वहां नियमित रूप से उनकी जांच और उपचार होता है। राज्य सरकार की ओर से अभिषेक की विदेश यात्रा की अनुमति का विरोध किया गया। राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजदीप मजूमदार ने दलील दी कि केवल डीजे मामला ही नहीं, बल्कि कई अन्य मामलों में भी अभिषेक बनर्जी जुड़े हुए हैं। ऐसे में उन्हें विदेश जाने की अनुमति देने से जांच प्रभावित हो सकती है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति ने निर्देश दिया कि एसएसकेएम अस्पताल के नेत्र विभागाध्यक्ष की देखरेख में एक मेडिकल टीम गठित की जाए। अदालत ने कहा कि मेडिकल टीम की रिपोर्ट मिलने के बाद ही विदेश यात्रा की अनुमति पर फैसला लिया जाएगा।

साथ ही न्यायमूर्ति ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विशेषज्ञ चिकित्सकों की राय होती है कि अभिषेक का उपचार कोलकाता में संभव नहीं है, तो अदालत उनके विदेश जाकर इलाज कराने के अनुरोध पर विचार करेगी।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर भालू की मौत, दो घंटे बाधित रहा रेल परिचालन

पश्चिम चम्पारण(बगहा)। वाल्मीकिनगर-बगहा रेलखंड पर सोमवार सुबह अड़गणना टोला के समीप रेलवे ट्रैक पर एक भालू के ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम और रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ग्रामीणों ने रेलवे ट्रैक पर भालू का शव देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि भालू किसी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कारण करीब दो घंटे तक वाल्मीकिनगर-बगहा रेलखंड पर ट्रेन परिचालन प्रभावित रहा। सुरक्षा और जांच कार्य के दौरान रेलवे ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। ग्रामीणों के अनुसार इस दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस, अंत्योदय एक्सप्रेस और सप्तक्रांति एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और भालू के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। वहीं रेलवे अधिकारियों ने ट्रैक को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद रेल परिचालन पुनः सामान्य कराया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही भालू की मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि की जायेगी।

नालंदा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो की मौत

नालंदा, बिहारशरीफ। नालंदा जिले के नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत दाउदपुर गांव में सोमवार की सुबह आकाशीय बिजली की चपेट में आकर एक बच्चे की जान चली गई। मृतक सुबोध कुमार का 10 वर्षीय

पुत्र पवन कुमार है। परिजन ने बताया कि सुबोध खेत में खेल रहा था। उसी दौरान समीप में आकाशीय बिजल गिरने से वह उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। परिवार के लोग बच्चे को सदर अस्पताल लाएं, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। वहीं दूसरी ओर थरथरी थाना क्षेत्र के चिंतावनचक गांव के झरहा खंधा में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर किसान की मौत हो गई। मृतक अरविंद प्रसाद के 35 वर्षीय पुत्र ललित कुमार हैं।परिवार वालों ने बताया कि सोमवार की सुबह किसान खेत में काम कर रहे थे। उसी दौरान तेज बारिश आ गई। बारिश से बचने के लिए किसान खेत से लौट रहे थे। उसी दौरान समीप में ठनका गिरने से उसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए, जिससे किसान की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। थरथरी के थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा। पुलिस हर बिंदु पर अनुसंधान में जुट गई है।

भागलपुर में मिला कोरोना का मरीज, मायागंज अस्पताल के आईसीयू में चल रहा इलाज

एजेंसी

भागलपुर। जिले के एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे एक बुजुर्ग मरीज की आरटी-पीसीआर जांच रिपोर्ट कोविड पॉजिटिव आने के बाद उन्हें तत्काल जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, यानी मायागंज अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन कोविड प्रोटोकॉल के तहत मरीज का इलाज कर रहा है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि फिलहाल घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन सतर्क रहना बेहद जरूरी है। बुजुर्ग मरीज पिछले सात दिनों से लगातार खांसी, जुकाम और तेज बुखार से पीड़ित थे। शुरूआत में उनका इलाज शहर के एक निजी क्लिनिक में चल रहा था। स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने कोविड संक्रमण की आशंका को देखते हुए आरटी-पीसीआर जांच कराई। निजी लैब से आई रिपोर्ट में मरीज कोविड पॉजिटिव पाया गया। इसके बाद बिना देर किए उन्हें बेहतर इलाज

के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है।

मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि मरीज की कोविड रिपोर्ट निजी लैब में पॉजिटिव आई है। सरकारी स्तर पर भी आरटी-पीसीआर जांच कराई जाएगी, ताकि संक्रमण की आधिकारिक पुष्टि की जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्तमान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी प्रकार की घबराहट फैलाने की जरूरत नहीं है। अस्पताल में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं और मरीज का इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में किया जा रहा है। मरीज के परिजन ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से उन्हें लगातार खांसी, जुकाम और बुखार की शिकायत थी। पहले निजी अस्पताल में इलाज कराया गया, लेकिन जब कोविड संक्रमण की पुष्टि हुई तो डॉक्टरों ने उन्हें मायागंज अस्पताल भेज दिया। फिलहाल उनकी हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि मौसम में बदलाव के बीच यदि किसी व्यक्ति को लगातार बुखार, खांसी, जुकाम या सांस लेने में परेशानी हो रही हो तो लापरवाही न बरतें। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और आवश्यकता होने पर कोविड जांच अवश्य कराएं।

बिहार विस में विपक्षी सदस्यों ने नीट पेपर लीक लेकर मुख्य पोर्टिको तक निकाला विरोध मार्च

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी सदस्यों ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर मुख्य गेट से पोर्टिको तक विरोध मार्च निकाला। इसके बाद सदस्यों ने पोर्टिको में काफी देर तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने नीट मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की। वामपंथी विधायक अजय कुमार ने बताया कि नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर पिछले 23 दिनों से अनशन जारी है। इसके अलावा, सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के साथ किए गए दुर्व्यवहार के खिलाफ भी यह प्रदर्शन किया गया है। विपक्ष ने इन सभी मुद्दों को लेकर सदन के बाहर मार्च किया।

उन्होंने केंद्र सरकार की तानाशाही नीतियों और दमनकारी फैसलों का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

राजद नेता सुनील कुमार सिंह ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में 152 बार पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बिहार का भविष्य अंधकार में डूब रहा है और भ्रष्टाचार चरम पर है। महंगाई के साथ-साथ बेरोजगारी से युवा बुरी तरह परेशान हैं, लेकिन सरकार उनकी कोई बात नहीं सुन रही है।

सत्र के पहले दिन एआईएमआईएम के विधायकों ने भी विधानसभा परिसर में अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डिग्री कॉलेजों में उर्दू भाषा की पढ़ाई सुनिश्चित न होने के खिलाफ नाराजगी जाहिर की।

विधायकों ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार एक सोची-समझी साजिश के तहत काम कर रही है। वे उर्दू भाषा के अस्तित्व को समाप्त करने की कोशिशों के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहेंगे।

भाई वीरेंद्र ने विद्यालयों के भगवा रंग से रंगने पर उठाय सवाल

इससे पहले सदन की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि विद्यालय भगवा नहीं होता है।

बिहार विधानसभा में 87 हजार,383 करोड़, 43 लाख का अनुपूरक बजट सदन में पेश, 13 विधेयक सदन में पेश

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में आज मानसून सत्र के पहले दिन सरकार के वित्त मंत्री सह उपमुख्यमंत्री विजेन्द्र प्रसाद यादव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 87 हजार,383 करोड़, 43 लाख का अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। इसमें राज्य स्कीम मद में 24370.72 करोड़ है। शेष केंद्र प्रायोजित स्कीम के लिए राशि रखा गया है।

13 विधेयक सदन में पेश

मानसून सत्र के पहले दिन सरकार की ओर से 13 विधेयक पेश किए गए। इन विधेयकों में विभिन्न विभागों से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं। विधेयकों पर सदन में चर्चा के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। सरकार के तरफ से जो विधेयक पेश किए गए उसमें बिहार नगर विकास विधेयक 2026, बिहार निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) (निरसन) विधेयक 2026,भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) विधेयक 2026, निबंधन (बिहार संशोशन) विधेयक 2026, बिहार ईज ऑफ डुईंग बिजनेस विधेयक 2026, बिहार जुआ (प्रतिषेध) विधेयक 2026, बिहार माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2026,

बिहार कृषि भूमि (गैर कृषि प्रयोजनों के लिए संपरिवर्तन) (निरसन) विधेयक 2026, बिहार भूमि दाखिल-खारिज (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार चिकित्सा (संशोधन) विधेयक 2026, बिहार नर्सेज पंजीकरण (संशोधन) विधेयक 2026 और बिहार चीनी उपक्रम (अर्जन) (संशोधन) विधेयक 2026।

5 दिनों तक चलेगा मानसून सत्र

बिहार विधानमंडल का यह मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगा। पांच दिनों के इस सत्र में सरकार कई महत्वपूर्ण फैसलों और विधायी कार्यों को पूरा करने की तैयारी में है। सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, महंगाई और अन्य मुद्दों को उठाए जाने की संभावना है। वहीं सरकार अपनी उपलब्धियों और विकास योजनाओं को सदन के माध्यम से सामने रखेगी।

पहले दिन नीट पेपर लीक का मुद्दा सदन में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा। विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन विपक्षी सदस्यों ने पेपर लीक मामले में विधानसभा मुख्य गेट से लेकर विधानसभा पोर्टिको तक मार्च किया और फिर विधानसभा पोर्टिको में काफी देर तक सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों के सदस्यों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाए और धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा की मांग की। सोनम वांगचुक का समर्थन भी किया।

वामपंथी दल के सदस्य अजय कुमार ने कहा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा नीट पेपर लीक को लेकर,जंतर मंतर पर पिछले 23 दिनों से जो हो रहा है और सोनम वांचूक को जिस प्रकार से ले जाया गया उन सब के विरोध में हम लोग मार्च किया है।

पुलिस ने संसद की ओर बढ़ रहे सीजेपी प्रदर्शनकारियों को बीच में ही रोका

सीजेपी प्रमुख ने खत्म की भूख हड़ताल

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन दिल्ली के जंतर-मंतर पर संसद मार्च के लिए जुटे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच सोमवार को टकराव हो गया। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। इस दौरान धक्का-मुक्की हुई तथा कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। बाद में सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने पानी पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया।

प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर से संसद भवन की ओर मार्च निकालना चाहते थे। पुलिस का कहना था कि मार्च की अनुमति नहीं ली गई थी, इसलिए उन्हें आगे बढ़ने की इजाजत नहीं दी गई। मौके पर पहले से दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की तैनाती की गई थी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ आगे बढ़ने पर अड़ी रही। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें पीछे धकेला।

कई प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पार कर संसद मार्ग की ओर बढ़ने लगे। कुछ लोग मंडी हाउस और राजीव चौक मेट्रो स्टेशन तक पहुंच गए, जबकि कई प्रदर्शनकारी संसद थाना क्षेत्र तक पहुंचने के बाद हिरासत में लिए गए। पुलिस ने हालांकि गंभीर लाठीचार्ज या बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने के दावों से इनकार किया है।

इससे पहले सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा था कि यदि दो घंटे के भीतर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर पर नहीं लाया गया तो प्रदर्शनकारी संसद मार्च के लिए निकलेंगे। वांगचुक सफदरजंग अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी भूख हड़ताल का 23वां दिन है। बाद में दीपके ने पानी पीकर अपना अनशन समाप्त कर दिया।

उधर, सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करने पहुंचे। सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए संपर्क किया गया है और पार्टी अपनी मांगों को लेकर चर्चा करेगी। बड़ी संख्या में युवा आंदोलन के समर्थन में जुटे हैं और आंदोलन जारी रहेगा।

सीजेपी नेताओं ने की केन्द्रीय मंत्री नड्डा से मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं ने सोमवार को केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात नड्डा के आवास पर हुई। मुलाकात और ज्ञापन सौंपते हुए की तस्वीर सार्वजनिक हुई हैं।

इससे पहले सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास ने एक एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'जे.पी. नड्डा के आवास पर। प्रधान को तुरंत बर्खास्त करो!'।

एक अन्य ट्वीट में सौरभ दास ने कहा कि दो घंटे से अधिक प्रतीक्षा करने के बाद आशुतोष रांका और उन्होंने अभी-अभी जे.पी. नड्डा से उनके आवास पर दस मिनट के लिए मुलाकात की। हमने अपनी मांगों वाला एक लिखित पत्र सौंप दिया है, और उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस बीच आंतरिक रूप से बात करेंगे। हम इस प्रक्रिया में हैं।

जानकारी के अनुसार उन्होंने तीन मांगे रखी हैं। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, सोनम वांगचुक को छोड़े जाने और नीट परीक्षा के लीक होने के चलते आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाना चाहिए।

मानसून सत्र के पहले दिन सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर दिल्ली के जंतर-मंतर तथा संसद के आस-पास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा एकत्र हुए। भीड़ संसद भवन तक पहुंच गई। उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। इसमें कई छात्रों के घायल होने और कुछ पुलिस व सुरक्षाकर्मियों को चोटें आई हैं।

इसी बीच कई पार्टियों के सांसद भी यहां पहुंचे। सपा की सांसद डिपंल यादव, इकरा हसन और प्रिया सरोज न कहा कि हम लोग यहां से तब तक नहीं हटेंगे जब तक छात्रों की मांगों को नहीं माना जाता है।

संसद से लेकर बाराखंबा तक देशभर से एकजुट हुए छात्रों ने मोदी सरकार के खिलाफ और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर जमकर नारेबाजी की।

उल्लेखनीय है कि सीजेपी ने आज (20 जुलाई) जंतर मंतर से संसद तक मार्च करने की घोषणा की थी। उन्होंने एक मिसकॉल नंबर जारी कर बड़े पैमाने पर छात्रों से मार्च में शामिल होने की भी अपील की। अपील के बाद आज भारी संख्या में छात्र यहां पहुंचकर अपना समर्थन दिया।

मुजफ्फरनगर में मकान ढहने से पिता और चार बच्चों की मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के हबीबपुर गांव में रविवार रात बारिश के दौरान एक मकान भरभराकर ढह गया। उसके मलबे में दबकर घर के मुखिया और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चियों को घायल अवस्था में इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी पर रात में ही जिले के तमाम अधिकारियों ने मौका मुआयना किया और तेजी से राहत कार्य कराया।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (58) रविवार खाना खाने के बाद आराम कर रहे थे। उनके पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) मौजूद थे। जबकि पत्नी दो बच्चों को लेकर पड़ोस में गई थी। इसी बीच अचानक मकान की छत भरभराकर ढह गई और गृहस्वामी एवं बच्चे सभी मलबे के नीचे दब गए।

ग्राम प्रधान ने बताया कि मजदूर इस्लामुद्दीन का घर मिट्टी के गारे से बना हुआ था। रविवार की रात बारिश के कारण छत गिरी और पूरा परिवार मलबे में दब गया। मोहल्ले के लोगों ने पुलिस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घर के मुखिया और उनके चार बच्चों रुखसार, आहद, अलसीबा और जीशान को मृत घोषित कर दिया। जबकि रुकैया और सुमैया गंभीर रूप से घायल हैं। अधिकारियों ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली।

मप्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश, आज होगी चर्चा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को ही राज्य सरकार ने सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 पेश कर दिया है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस पर कल चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्यवाही होगी। इससे पहले सदन में उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर चर्चा को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों का शोर-शराबा जारी रहा। इसके चलते विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित की गई। दोबारा कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर राज्य सरकार ने एक के बाद एक कई विधेयक पेश किए। मंत्रियों ने विभागीय पत्रों को पटल पर रखने की कार्यवाही पूरी की।

- सदन में एक साथ 14 विधेयक रखे जाने पर कांग्रेस विधायकों को आपत्ति, उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर हंगामा

इनमें मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता 2026, मध्य प्रदेश निरसन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026, मध्य प्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026, मध्य प्रदेश कोड ऑन एम्पावरिंग वर्क स्पेसेज 2026, मध्य प्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026, मध्य प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता संशोधन विधेयक 2026 शामिल हैं।

मंत्री गौतम टेटवाल ने मध्य प्रदेश पंचायती राज और ग्राम स्वराज संशोधन अध्यादेश 2026, मध्य प्रदेश उपकर संशोधन अध्यादेश 2026 सदन के पटल पर रखे। इसके बाद उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, उदय प्रताप सिंह तोमर, चैतन्य कुमार काश्यप और इंदर सिंह परमार ने विभागीय पत्रों को पटल पर रखने की कार्यवाही की। मंत्री उदय प्रताप सिंह और चैतन्य कुमार काश्यप के स्थान पर मंत्री कृष्णा गौर ने पत्रों को पटल पर रखा। दरअसल, विधानसभा सचिवालय ने आज की पूरक कार्य सूची जारी करते हुए 14 विधेयकों की जानकारी सदन को दी। एक साथ इतने विधेयक पेश किए जाने पर कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने आपत्ति जताई। उन्होंने अध्यक्ष से सवाल किया कि जब यह विधेयक कार्य सूची में शामिल नहीं थे तो अचानक इन्हें क्यों लाया गया है? इस पर इस पर विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इस पर चर्चा हुई थी। इसके बाद यह विधेयक सदन में ले आए हैं। कल इन पर चर्चा होगी। उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक सचिन यादव ने कहा कि बिना सदस्यों को जानकारी दिए इस प्रकार की प्रक्रिया गलत है। सदन को विश्वास में नहीं लिया गया और ऐसा लगातार हो रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि संशोधित कार्य सूची का प्रावधान पहले से है। अभी सदन के पटल पर विधेयक रखे गए हैं। इनकी प्रति आपको उपलब्ध कराई जाएंगी। सभी को चर्चा के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने पॉइंट ऑफ आर्डर लिया। उन्होंने आपत्ति जताई कि सदन में जब कांग्रेस सदस्यों को बोलना होता है, तो सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाने का हवाला दिया जाता है लेकिन जब भाजपा के सदस्यों को बोलना होता है तो कार्यवाही आगे बढ़ाने के बाद भी पीछे आ जाती है। यह दोहरी नीति है। इसमें अध्यक्ष को नियम स्पष्ट रखना चाहिए।

उत्तराखंड में बारिश का कहर, चारधाम यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी वर्षा से जोखिम बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की चेतावनी और चारधाम यात्रा मार्ग के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार को एहतियातन चारधाम यात्रा का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया । यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया। इस बीच मौसम एवं विज्ञान विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी कर लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग पर मौजूद तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए तथा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही आगे की यात्रा की अनुमति दी जाए। उन्होंने मीडिया और अन्य संचार माध्यमों से तीर्थयात्रियों तथा आम लोगों तक समय पर प्रमाणिक जानकारी पहुंचाने के भी निर्देश दिए हैं, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो।

संक्षिप्त खबरें

राज्यसभा में दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धांजलि दी गयी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को सदन के दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धाजंलि दी गयी। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व सदस्य बलबीर पुंज, स्वपन साधन बोस (टूटू बोस), रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। राज्यसभा सभापति ने कहा कि बलबीर पुंज एक प्रख्यात पत्रकार, लेखक और चिंतक थे, जबकि स्वपन साधन बोस ने भारतीय फुटबॉल और खेल प्रशासन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रंगासायी रामकृष्ण को एक समर्पित लोकसेवक और कुशल प्रशासक के रूप में याद किया गया, वहीं एच. हनुमंथप्पा ने ग्रामीण विकास, सिंचाई, किसानों के कल्याण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सभापति ने कहा कि इन सभी के निधन से देश ने उत्कृष्ट सांसदों और जनसेवकों को खो दिया है। सभापति ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शेख हमद ने आधुनिक कतर की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत-कतर संबंधों को मजबूत बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रद्धांजलि के बाद सभापति के अनुरोध पर सभी सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

अहमदाबाद की अवैध पटाखा फैक्टरी विस्फोट में एक घायल की मौत, मृतकों की संख्या 10 हुई

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद के वस्त्राल क्षेत्र स्थित अवैध पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। हादसे में 95 प्रतिशत तक झुलसे एक घायल ने सोमवार तड़के सिविल अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल चार घायलों का इलाज जारी है, जिनमें एक महिला की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि हादसे के बाद पांच घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें एक महिला और चार पुरुष शामिल थे। इनमें एक पुरुष 95 प्रतिशत से अधिक तथा महिला 75 प्रतिशत से अधिक झुलस गई थी। दोनों की हालत बेहद गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया था। डॉ. जोशी के अनुसार, सोमवार तड़के करीब 2:15 बजे 95 प्रतिशत तक झुलसे पुरुष मरीज की उपचार के दौरान मौत हो गई। उसे बचाने के लिए डॉक्टरों ने हरसंभव प्रयास किए, लेकिन गंभीर जलने के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

पूर्ण राज्य के दर्जा की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जंतर -मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में जंतर -मंतर पर पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को उनके संसद, जम्मू- कश्मीर की जनता और उच्चतम न्यायालय को किए गए वादे को याद दिलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम अपने राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाए जाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम उन्हें उनकी प्रतिबद्धता याद दिलाने के लिए यहां आए हैं। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे।

मोल्दोवा पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप प्रधानमंत्री मिहाई पोपशोई ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन देशों की राजकीय यात्रा के पहले चरण में सोमवार को मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ पहुंच गईं। चिशिनाउ पहुंचने पर यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की पहली मोल्दोवा की यात्रा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मुर्मु के मोल्दोवा पहुंचने की जानकारी दी। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट से लिखा गया कि राष्ट्रपति मुर्मू के मोल्दोवा, उत्तर मैसेडोनिया और रोमानिया की अपनी राजकीय यात्रा के पहले चरण में मोल्दोवा की राजधानी चिशिनाउ पहुंचने पर मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मिहाई पोपशोई ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार को मोल्दोवा की राष्ट्रपति माया सैंडू के साथ शिष्टमंडल स्तर की वार्ता करेंगी। इसके अलावा वह मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसू से मुलाकात करेंगी और मोल्दोवा-भारत संसदीय मैत्री समूह के सदस्यों के साथ बातचीत करेंगी। उनका व्यापार मंच को संबोधित करने तथा मोल्दोवा में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से मिलने का भी कार्यक्रम है।

मानसून सत्र से पहले प्रधानमंत्री ने सांसदों से की सार्थक चर्चा की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मानसून सत्र से पूर्व सभी सांसदों से सदन की कार्यवाही में बढ़-कर कर भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि तर्क और तथ्य मजबूत होने पर शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद की जा सकती है। उन्होंने कहा कि संसद की जिम्मेदारी है कि चर्चा समृद्ध हो, हर आवाज को स्थान मिले और हर विचार को सम्मान मिले। संसद का मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है। प्रत्येक सत्र से पहले प्रधानमंत्री परंपरागत रूप से संसद परिसर में मीडिया को संबोधित कर सरकार की प्राथमिकताओं और सत्र के प्रति अपनी अपेक्षाएं साझा करते हैं।

उन्होंने मानसून सत्र की तुलना वर्षा ऋतु मानसून से की और कहा कि दोनों के सक्रिय होने पर उत्पादकता में वृद्धि आती है। इससे एक तरफ देश का और दूसरी तरफ जीव मात्र का कल्याण होता है। उन्होंने दोनों के सक्रियता की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश ने अब विकास की नई गति हासिल कर ली है और संसद अपनी सकारात्मक सोच के साथ मानसून सत्र में इसमें और ऊर्जा भर सकता है। उन्होंने कहा कि संसद का चलना, सार्थक चर्चा होना और देश को आगे ले जाने का प्रयास समय की मांग है। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत विचारों को सदन में स्थान मिलता रहे यह हम सब की जिम्मेदारी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक महीने में देश ने अनेक सिद्धियां हासिल की हैं जिसने देशवासियों को गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धियां राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और अंतरिक्ष के क्षेत्र में है। इसमें राजस्थान में तेल रिफाइनरी का उद्घाटन, तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट की लॉन्चिंग और ग्रीन हाइड्रोजन ट्रेन शामिल है। प्रधानमंत्री ने एक युवा स्टार्टअप स्काई रूट की ओर से निजी रॉकेट अंतरिक्ष में लॉन्च किए जाने की उपलब्धि का जिक्र करते हुए कहा कि इस स्टार्टअप में काम करने वाले लोगों की औसतन आयु 28 वर्ष है। यह दशार्ता है कि भारत के युवाओं की क्षमता और आकांक्षा अंतरिक्ष जितनी असीम है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, 24 घंटे में तीन की मौत; यमुनोत्री हाईवे अब भी बंद

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पिछले 24 घंटों में प्राकृतिक आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मलबा, बोल्डर गिरने और जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण अब भी बंद है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की सोमवार को जारी 24 घंटे की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, पिथौरागढ़ जिले की धारचूला तहसील के पोषिला गांव में जंगल में बकरियां चरा रहे 52 वर्षीय दीवान सिंह की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई।

नैनीताल जिले के हल्द्वानी ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक पैदल यात्री की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

टिहरी जिले के प्रतापनगर-लंबगांव मोटर मार्ग पर एक कार करीब 200 मीटर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में चालक 38 वर्षीय होशियार सिंह पंवार, निवासी खोलगढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

रुद्रप्रयाग जिले के संकराड़ी-खाकरा-पीपली मार्ग पर एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में दो महिलाओं सहित तीन लोग घायल हो गए, जबकि वाहन में मौजूद एक भैंस की मौत हो गई। घायलों को बेस अस्पताल श्रीनगर में भर्ती कराया गया है। पौड़ी जिले के ऋषिकेश-कीर्तिनगर मोटर मार्ग पर चलती कार के ऊपर पेड़ गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। चमोली जिले के नारायणबगड़ बाजार में सोमवार तड़के हुई बारिश के बाद छह से सात दुकानों में पानी और मलबा घुस गया। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। राजस्व विभाग नुकसान का आकलन कर रहा है, जबकि बीआरओ मलबा हटाने में जुटा है। जिले के कंडेई क्षेत्र में एक गोशाला के ऊपर बोल्डर गिरने से कुछ पशुओं के दबने की सूचना है। राजस्व एवं डीडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। पिथौरागढ़ जिले के गंगोलीहाट तहसील के लाली वार्ड में एक आवासीय भवन के पीछे की दीवार से पत्थर घर के भीतर आ गिरा। हालांकि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि या पशुहानि नहीं हुई।

देहरादून के संतला देवी मंदिर क्षेत्र में नदी के बीच टापू रविवार शाम सात लोग फंस गए थे। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ, अग्निशमन, 108 एम्बुलेंस सेवा व तहसील प्रशासन ने संयुक्त अभियान चलाकर सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। एसईओसी के अनुसार, लगातार वर्षा के बावजूद बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-7), ऋषिकेश-बदरीनाथ मार्ग, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, केदारनाथ मार्ग, एनएच-107बी और कोटद्वार-पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग सहित अधिकांश प्रमुख मार्गों पर यातायात सामान्य बना हुआ है। हालांकि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण बाधित है और मार्ग को खोलने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

प्रशासन ने मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए लोगों और यात्रियों से यात्रा पर निकलने से पहले सड़क और मौसम की ताजा जानकारी लेने तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित।
प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (* पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741